आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं
- 7

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर
- 10

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत
- 11

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच
- 12

आज का मौसम
19.0° अधिकतम तापमान
08.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:32 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 3 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 334, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

फ्लॉवर शो

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यहां की कुछ तस्वीरें शेयर कर कहा यह प्रदर्शनी रचनात्मकता व सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही प्रकृति प्रेम को दर्शाती है।

कोच्चि की तर्ज पर गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी

- वाटर मेट्रो के संचालन से लोगों को रोजगार के साथ मनोरंजन भी मिलेगा
- प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की है योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोच्चि की तर्ज पर राजधानी की गोमती नदी में वाटर मेट्रो चलाने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। इससे शहर को जाम से जहां काफी हद तक निजात मिलेगा, कनेक्टिविटी बेहतर होगी वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। गोमती मेट्रो को लेकर परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार है। भविष्य में प्रदेश की 11 नदियों को जलमार्ग के रूप में विकसित करने की योजना है।

वहीं, वाराणसी, अयोध्या एवं प्रयागराज की संबंधित रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। इससे पहले लखनऊ में गोमती नदी के लिए प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके बाद मथुरा-आगरा (यमुना), गोरखपुर (रामगढ़ ताल), बलिया (सुरहा ताल) और गंगा नदी में जल परिवहन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। वाटर मेट्रो से रोजगार के नए अवसर, पर्यटन को बढ़ावा और जनता के लिए सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा। परियोजना के अंतर्गत नेविगेशनल एड, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, पैसेंजर काउंटिंग, पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव अध्ययन, टर्मिनल-जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी, ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन, इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, बोट चार्जिंग, फायर प्रोटेक्शन व एचवीएसी जैसी व्यवस्थाओं का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद लागत तय कर निविदा प्रक्रिया शुरू होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि, यह परियोजना मनोरंजन और आर्थिक विकास दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगी।

परियोजना को लेकर शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक संजय कुमार के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान परियोजना की तकनीकी व्यवहारिकता रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। गोमती नदी में वाटर मेट्रो संचालन की संभावनाओं, तकनीकी पहलुओं और आगे की कार्ययोजना पर मंथन किया गया।

कोच्चि मेट्रो देश की पहली जल-आधारित व्यवस्था

कोच्चि वाटर मेट्रो देश की पहली जल-आधारित मेट्रो व्यवस्था है, जो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के माध्यम से कोच्चि के द्वीपों को मुख्य भूमि से जोड़ती है। इससे यातायात कम होता है और यह पर्यावरण के अनुकूल है। यह किफायती टिकटों, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षित यात्रा की सुविधा देती है, जिससे केरल के बैकवाटर में यात्रा का एक अनूठा अनुभव भी मिलता है।

> मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट पर कवायद तेज करने की मंशा से अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने और व्यय विवरण जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रयास है कि परियोजना से संबंधित होने वाले व्यय का विवरण उपलब्ध होते ही शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके, ताकि इसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके।
> –**दयाशंकर सिंह**, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

ब्रीफ न्यूज

कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन

श्री विजयपुरम। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन:निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

मंत्री की 3.60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में ईडी ने सुधार प्रशासन मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और उनके परिवार की 3 .60 करोड़ की संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर कुर्क की गई संपत्तियों के बारे में जानकारी दी। सिन्हा, उनकी पत्नी और उनके दो बेटों के नाम पर पंजीकृत कुल 10 संपत्तियां कुर्क की गईं, जिनमें मकान, फ्लैट, जमीन और एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ठंड हुई प्रचंड, 5 तक स्कूल बंद

पहाड़ों में बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को 5° सेल्सियस नीचे धकेला | दो दिन से नहीं निकली धूप, आईएमडी ने कहा- आगामी एक सप्ताह में बढ़ेगी ठंड

- रविवार से पुन: घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

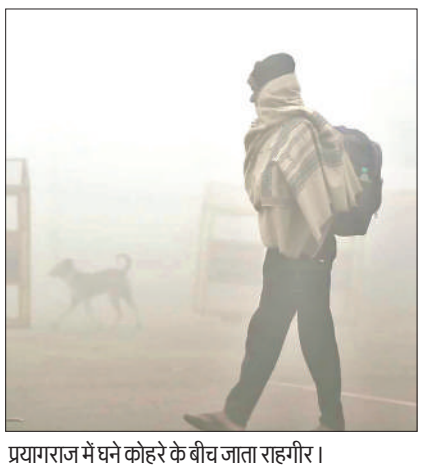

अमृत विचार : बीते दो दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में सर्द हवाओं के साथ ठंड व गलन बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में दिन में भी ठिठुरन महसूस होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक हफ्ते में सर्दी अपने सबसे भयानक रूप में होगी।

दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों के तापमान को सामान्य से 5C नीचे धकेल दिया है। संभावना है कि रविवार से पुनः घना कोहरा छाने लगेगा, तापमान गिरेगा, बर्फीली पछुआ चलेगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं सरकार ने 12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक के आदेश जारी किए हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश (पश्चिमी व पूर्वी) में आने वाले दिनों में कहीं बारिश, कहीं हल्की धूप तो कहीं धुंध और ठिठुरन रहेगी। हिमालय की ऊंची चोटियों जैसे सोनमर्ग, रोहतांग और माछिल में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है जिसका सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा है। पश्चिमी यूपी में पॉकेट्स में बारिश हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी में हल्की लेकिन कमजोर धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

अगले 4 दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री नीचे बना रहेगा, यानी दिन में भी कड़ाके की ठंड रहेगी। वहीं, सुबह और शाम के समय घना कोहरा यातायात को प्रभावित करेगा, हालांकि 3 जनवरी के बाद इसमें थोड़ी कमी आ सकती है। शीत लहर की बात की जाए तो, उत्तर-पश्चिमी सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट आएगी। 5 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 6 और 7 जनवरी को फिर से पहाड़ों पर बर्फबारी और ऋषिकेश-हरिद्वार जैसे इलाकों में बारिश हो सकती है। हालांकि कड़ाके की ठंड के बीच एक अच्छी खबर यह है कि 8 से 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के कारण दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और आगरा जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर में सुधार होगा। धुंध और स्मॉग की चादर छटेगी, जिससे लोगों को सांस लेने में आसानी होगी।

किसानों के लिए आवश्यक सुझाव : फसल विशेषज्ञों का सुझाव है कि, पाले से बचाव के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेत के चारों ओर मेड़ पर धुआं करके तापमान को संतुलित रखें और कड़ाके की ठंड में पशुओं को खुले में न बांधें और उनके चारे की खास व्यवस्था रखें।

प्रयागराज में घने कोहरे के बीच जाता राहगीर।

प्रदेश में 12वीं तक स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के कारण आईसीएससी, सीबीएससी, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड सहित क्लास 12 तक के सभी स्कूल 5 जनवरी तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ठंड को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने के बीच स्कूलों को लेकर यह आदेश जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि शीतलहर के दौरान बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की इस हिदायत के मद्देनजर पर अब पांच जनवरी तक प्रदेश में सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय से लेकर सहायता प्राप्त विद्यालय एवं सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। लखनऊ समेत कई जिलों के डीएम ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद पृथक से भी स्कूलों के बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, सभी जिलों में कंबल और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और यह पक्का करने का निर्देश दिया है कि कोई भी खुले में न सोए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कड़ाके की ठंड के दौरान लोगों को राहत देने के लिए सभी रैन बसेरों में जरूरी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।

बजट खर्च में लापरवाह अफसरों की तय हो जिम्मेदारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त विभाग की समीक्षा में सीएम के सख्त निर्देश कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को पत्र भेजेगा सीएम कार्यालय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट व्यय की प्रगति को लेकर शुक्रवार को वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन विभागों में बजट खर्च की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल तेजी लाई जाए और समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कम खर्च वाले विभागों के मंत्रियों को अपने कार्यालय से पत्र भेजने का भी निर्देश दिया।

योगी ने अपने आवास पर 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए शासन के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित बजट का समय से उपयोग हो, ताकि परियोजनाएं और योजनाएं तय समय में पूरी हों और प्रदेशवासियों को लाभ मिले। निर्णय लेने में देरी बजट व्यय की सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें और विलंब से बचें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें।

दिल्ली जाकर मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव करें पैरवी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति अपेक्षा से धीमी है। इसे तेज करने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी हर माह समन्वय बैठक करें। उन्होंने कहा जिन योजनाओं में केंद्र सरकार से बजट निर्गत होता है, उनके लिए संबंधित मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर पैरवी करें, पत्राचार करें और फोन के माध्यम से नियमित फॉलो-अप रखें।

2026-27 के बजट पर हो तैयारी

योगी ने निर्देश दिए कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की तैयारी अभी से शुरू की जाए। सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांगों की समीक्षा की जाए और आवंटन से पहले पिछले पांच वर्षों के खर्च के आकलन का विश्लेषण किया जाए।

योगी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिए कि कम बजट खर्च करने वाले विभागों की पहचान कर संबंधित विभागीय मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी किए जाएं।

इंदौर दूषित पेयजल मामले में एक्शन, दो पर कार्रवाई

इंदौर, एजेंसी

- निगम आयुक्त को हटाने के निर्देश अपर आयुक्त और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री निलंबित

भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण हुई मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार को हटाने के निर्देश दिए। वहीं इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और पीएचई के प्रभारी अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। इस बीच, शुक्रवार को दूषित पानी पीने के बाद 10 दिन से बीमार भागीरथपुरा निवासी 68 वर्षीय गीताबाई ध्रुवकर की मौत हो गई। यह शहर में दूषित पानी से जुड़ी 15वीं मौत है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के 294 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट में उल्टी-दस्त से चार मौत होने की बात कही गई है।

भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी का निधन

- कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान आया हार्टअटैक बरेली के फरीदपुर से थे विधायक

बरेली। फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार भाजपा के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार दोपहर सर्किट हाउस में हार्ट अटैक के बाद निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की ओर से प्रस्तावित विकास कार्य एवं कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक में शामिल होने पहुंचे थे।

बैठक के बाद उन्होंने भोजन भी किया। इसी दौरान सीने में दर्द की शिकायत हुई तो तत्काल उन्हें पीलीभीत रोड के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने वेंटीलेटर पर रखकर उन्हें सीपीआर दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उन्होंने गुरुवार को ही अपना 60 वां जन्मदिन मनाया था। सर्किट हाउस में राज्यपाल कक्ष में कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। जिसमें फरीदपुर विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल करीब 12.30 बजे पहुंचे थे तभी उन्हें हार्टअटैक पड़ गया।

1500 करोड़ के जमीन घोटाले में आईएएस गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी

- रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने की कार्रवाई

गुजरात में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 1500 करोड़ के जमीन घोटाले में सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व कलेक्टर और आईएएस डॉ. राजेंद्र कुमार पटेल को गिरफ्तार किया है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के अधिकारी पटेल को एक हफ्ते पहले सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी पद से उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी को रिश्वतखोरी के आरोपों से उपजे धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच कर रही है। बाद में ईडी की शिकायत के आधार पर गुजरात भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने भी पटेल, उनके निजी सहायक जयराजसिंह झाला, क्लर्क मयूरसिंह गोहिल और उप मामलतदार मोरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। टीम ने सुरेंद्रनगर जिलाधिकारी कार्यालय में तैनात मोरी के आवास पर 23 दिसंबर को छापेमारी के दौरान 67.5 लाख नकदी बरामद होने के बाद रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में भूमिका के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

रामनगर में बाघ ने महिला को बच्चों के सामने मार डाला

रामनगर, अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला रेंज के जंगल में बाघ ने दिनदहाड़े महिला को मार डाला। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर करीब तीन घंटे तक जाम लगाया। आला अधिकारियों के आश्वासन के बाद ही जाम खोला गया।

सुखिया देवी (60) पत्नी चंदन सिंह, निवासी सांवल्दे पश्चिमी दोपहर एक बजे विवाहित बेटी अनीता, बेटे अरुण, पड़ोसी देवेंद्र, अनीता और बच्ची रोशन के साथ जंगल में लकड़ी बीनने गई। जंगल के भीतर सभी लोग अलग-अलग दिशा में लकड़ी बीन रहे थे। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने सुखिया पर हमला कर दिया। चीख पुकार सुन बेटा-बेटी और साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाया लेकिन बाघ वृद्धा को दबोचकर घने जंगल में ले गया। वन कर्मियों ने जंगल में चलाए सर्च अभियान में कई राउंड हवाई फायरिंग की, जिसके बाद बाघ महिला का शव छोड़ गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने गांव के बाहर सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन किया।

उपकर लागू होते ही पान मसाला विनिर्माताओं को करना होगा पंजीकरण

नई दिल्ली। पान मसाला विनिर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के एक फरवरी से लागू होने के साथ ही तत्काल पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। वित्त मंत्रालय ने इस कानून के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) की सूची जारी करते हुए यह स्पष्ट किया। मंत्रालय के मुताबिक, जिन पान मसाला विनिर्माताओं की एक से अधिक कारखानों में पैकिंग मशीनें स्थापित हैं, उन्हें हरेक कारखाने के लिए अलग-अलग पंजीकरण कराना होगा और इसके लिए 'केंद्रीय उत्पाद-शुल्क एवं सेवा कर स्वचालन' के पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी — किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराए गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो। उन्होंने कहा, यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जान को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया।

अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क रहना चाहिए : पीठ

पीठ ने कहा, अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके। उन्नीस दिसंबर का यह फैसला उस अपील पर आया जो पति ने उच्च न्यायालय के 27 अप्रैल 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया गया था।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

विधायक के निधन पर जताया शोक

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बरेली की फरीदपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रो. श्याम बिहारी लाल दो बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित होकर जनसेवा में सक्रिय रहे। उनकी सरलता, सौम्य व्यवहार और कर्मठता के कारण वे जनमानस में विशेष सम्मान रखते थे। उनका निधन प्रदेश की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

एमकेएसवाई के लिए धनराशि स्वीकृति

अमृत विचार, लखनऊ : महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसवाई) के अंतर्गत केंद्र सरकार से जारी केंद्रांश धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि कुल मिलाकर 9 करोड़ 99 लाख 60 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित दिशा-निर्देशों व गाइडलाइन के अनुरूप समय से किया जाय, इसमें किसी प्रकार की शिथिलिता क्षम्य नहीं होगी।

मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं 9 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। बोर्ड ने अरबी फारसी मुंशी-मौलवी (सेकेण्डरी) और आलिम (सीनियर सेकेण्डरी) की बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी और छह दिनों में परीक्षा पूरी हो जाएगी। 9 फरवरी को पहली पाली में सुबह 8 से 9 बजे की पाली में थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए। वहीं दूसरी पाली दोपहर दो पांच बजे में भी थियोलॉजी (शिया/सुन्नी) सभी स्तरों के लिए परीक्षा होगी। 10 फरवरी को फारसी साहित्य (मुंशी/आलिम फारसी) और अरबी साहित्य (मौलवी/आलिम अरबी), 11 फरवरी को उर्दू साहित्य विषय की परीक्षा सभी के लिए, 12 फरवरी को सामान्य अंग्रेजी विषय की परीक्षा सभी स्तरों के लिए, 13 फरवरी को सामान्य हिंदी (मुंशी/मौलवी/आलिम अरबी) और सामान्य अंग्रेजी (आलिम फारसी) एवं 14 फरवरी गणित/होम साइंस, लॉजिक एंड फिलॉसफी, सोशल स्टडीज, साइंस, टिब/टाइपिंग/जनरल साइंस आदि विषय की परीक्षा होगी।

बीते वर्ष 4 लाख चालान हुए कम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार का ट्रैफिक अवेयरनेस मंत्र हिट

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा चलाए गए निरंतर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक जागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर सामने आया है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियम उल्लंघन के मामलों में लगभग चार लाख की कमी दर्ज की गई है, जो आमजन में बढ़ती ट्रैफिक जागरूकता को दर्शाता है।

परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में जहां कुल 17,58,930 चालान दर्ज किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 13,78,919 रह गई। इस दौरान विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाइयों से लगभग 454.49 करोड़ रुपये की वसूली की गई। विभाग का मानना है कि सीसीटीवी कैमरों, ई-चालान प्रणाली और डिजिटल निगरानी ने नियम पालन को प्रभावी बनाया है।

वर्ष 2025 में सबसे अधिक 6,32,901 चालान हेल्मेट न पहनने के मामलों में किए गए। इसके अलावा 1,33,189 चालान सीट बेल्ट उल्लंघन, 3,30,171 ओवरस्पीडिंग, 3,611 ड्रिंक एंड ड्राइव और 56,079 रॉन्ग साइड ड्राइविंग के मामलों में दर्ज हुए। वहीं 14,535 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। व्यावसायिक वाहनों में ओवरलोडिंग के 54,923 मामले सामने आए, जबकि स्पीड लिमिट डिवाइस न लगाने के 20,431 प्रकरण दर्ज किए गए।

वर्ष 2026 में परिवहन विभाग डिजिटल निगरानी और जन-जागरूकता अभियानों को और तेज करेगा। इसकी शुरुआत 1 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के साथ हो चुकी है।

सरकार और प्रशासनिक अमले की बदलेगी तस्वीर

पंचायत चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी, मिशन-27 के लिए तय होंगी प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशासनिक ढांचे में इस वर्ष हो सकता है बड़ा परिवर्तन
- कई वरिष्ठ अधिकारी होंगे सेवानिवृत्त बनेगी फेरबदल की स्थिति

अमृत विचार: इस वर्ष उप्र. सरकार और प्रशासनिक अमले की तस्वीर बदल जाएगी। प्रदेश में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में भी फेरबदल की तैयारी है। जहां नये मंत्रियों के साथ मिशन-27 को लेकर प्राथमिकताएं तय होंगी वहीं, प्रशासनिक ढांचे में भी इस वर्ष बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। दरअसल, पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे। ऐसे में शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी।

फिलहाल माना जा रहा है कि मकर संक्रांति के बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारी है। इसके साथ ही भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होगा। ऐसे में संगठन और सरकार के बीच अदला-बदली का फार्मूला अपनाया जाना स्वाभाविक परंपरा है। समझा जाता है कि दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही फेरबदल संभव है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन और भावी चुनाव को लेकर रणनीतियों पर काम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, संगठन में कुछ चेहरों को सरकार में लाया जा सकता है, वहीं सरकार के कुछ मंत्रियों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस क्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी का सरकार में शामिल होना प्रमुख है।

दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में वर्ष 2026 एक बड़े परिवर्तन का साल साबित होगा। पूरे वर्ष में 34 वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा पूरी करेंगे, जिसके चलते शासन के महत्वपूर्ण पदों पर व्यापक फेरबदल की स्थिति बनेगी। यह फेरबदल मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, वित्त, राजस्व, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, शिक्षा समेत लगभग हर प्रमुख विभाग को प्रभावित करेगा।

राजस्व मामलों का मेरिट पर करें निस्तारण : मुख्यमंत्री

बैठक में रोवर आधारित पैमाइश, ऑटो मोड नामांतरण व शीतलहर राहत पर सख्त निर्देश

अपने सरकारी आवास पर बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शुक्रवार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का निस्तारण केवल मेरिट के आधार पर, पारदर्शी तरीके से और निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने कहा कि पैमाइश, नामांतरण, वरासत और आबादी दर्ज करने जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और लंबित प्रकरणों में जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए रोवर की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण और स्पष्ट कार्य-फ्रेमवर्क तैयार किया जाए। प्रशिक्षण के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक और आईटीआई का सहयोग लिया जा सकता है, ताकि प्रणाली जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हो सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नामांतरण और वरासत के मामलों के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे ये प्रक्रियाएं ऑटो मोड पर निस्तारित हों। इससे नागरिकों को समयबद्ध और सुगम न्याय मिलेगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने, नक्शा आधारित और रोवर पैमाइश को अनिवार्य करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने और कंबल वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य मिशन मोड में और युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं।

डिजिटलीकरण और सरल प्रक्रियाएं

मुख्यमंत्री ने भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाने और इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो और आमजन को सीधा लाभ मिले। उन्होंने धारा-80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, तथा राजस्व परिषद स्तर पर कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

तकनीक से पारदर्शिता व समयबद्ध समाधान

चकबंदी प्रक्रिया में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में समाधान अनिवार्य करने को कहा। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

कार्यालयों के निर्माण की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने बैठक में ग्राम पंचायतों में स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों की सुरक्षा के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल निर्माण को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, लेखपालों को पंचायत भवनों में कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने जिले स्तर पर एकीकृत बहुमंजिला कार्यालय के निर्माण का भी निर्देश दिया, जिसमें जिलाधिकारी सहित सभी जनपदीय कार्यालय एक ही परिसर में समाहित हों कि ताकि प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़े और जनता को सुविधा मिले।

योगी ने उत्सव भवन के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- उत्सव भवन का उपयोग बिना भेदभाव के प्राथमिकता पर मांगलिक कार्यक्रमों के लिए हो

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम को पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्सव भवन के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर तभी बन सकता है, जब हमारी ग्राम पंचायतें भी आत्मनिर्भर बनें। अतः ग्राम पंचायतों की आय को बढ़ाने के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्सव भवन का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर मांगलिक कार्यक्रम के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य दिनों में उत्सव भवन का उपयोग योग/वेलनेस के लिए किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सहालग के दौरान कई मांगलिक कार्यक्रम होने पर समय तय कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को उत्सव भवन का लाभ दें। ब्लॉक स्तर पर भी योजना का विस्तार किया जाए।

मातृभूमि योजना से ज्यादा से ज्यादा प्रवासियों को जोड़ें : मुख्यमंत्री योगी ने मातृभूमि योजना से उत्तर प्रदेश के प्रवासियों को जोड़ने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अपना सहयोग देने वाले प्रवासियों के पूर्वजों के नाम पर परियोजना का नाम रखा जाए। साथ ही उन्हें प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किए जाए ताकि अन्य लोग भी उनसे प्रेरणा लें।

एफएसटीपी के निर्माण का कार्य जल्द शुरू हो : मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों में देश में विकसित व सफल पद्धति के माध्यम से सीवर और ड्रेनेज के पानी को शुद्ध किया जा सकता है और इसका इस्तेमाल खेती के साथ बागवानी के लिए किया जाए। प्रदेश में 160 एफएसटीपी के निर्माण का कार्य अति शीघ्र प्रारंभ किए जाए। उन्होंने अधिकारियों से इस ओर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि हर ग्राम पंचायत में यथासंभव इंटीग्रेटेड कैंपस बनाया जाए, जहां विद्यालय, उत्सव भवन, खेल के मैदान, ओपन जिम, पार्क, मॉडल शॉप आदि की व्यवस्था हो।

10 निवेश प्रस्तावों को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर बनेगा मजबूत आधार
- एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर यूपी का बड़ा कदम

अमृत विचार : विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सेक्टर मजबूत आधार बनकर उभर रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और किसान हितों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत अप्रेजल समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 12 निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई। स्वीकृत प्रस्ताव सहारनपुर, सीतापुर, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, लखनऊ, पीलीभीत, अलीगढ़, बरेली और मेरठ से संबंधित हैं। बैठक में पूर्व में स्थापित सफल इकाइयों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। निवेशकों से स्थानीय किसानों से कच्चा माल खरीदने, स्वदेशी मशीनों के उपयोग, महिला सहभागिता बढ़ाने और इकाइयों के सोलराइजेशन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई। सरकार ने इस क्षेत्र में देय सब्सिडी की जानकारी भी साझा की।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि प्रदेश में किसानों की उपज का प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन और विपणन सुनिश्चित करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन में आईआईटी करेगा मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एआई युक्त इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर होगा स्थापित
- नुकसान को कम करने को वैज्ञानिक मॉडल और प्रशिक्षित मानव संसाधन पर जोर

अमृत विचार: प्रदेश में आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की विशेषज्ञता का लाभ लेगा। उद्देश्य है कि आईआईटी विशेषज्ञों द्वारा विकसित आधुनिक मॉडल लागू कर आपदाओं के दौरान जानमाल के नुकसान को न्यूनतम करना।

शुक्रवार को पिकप भवन स्थित यूपीएसडीएमए कार्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव मनीष भारद्वाज ने राज्य की आपदा तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने बाढ़, अग्निकांड, हीटवेव, शीतलहर, वज्रपात और भूकंप जैसे जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेने के निर्देश दिए। साथ ही एनसीसी, भारत स्काउट गाइड, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों और आमजन को आपदा प्रतिक्रिया में प्रशिक्षित करने पर बल दिया। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के निकट गांवों में नाविकों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए गए।

यूपीएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. हृषिकेश भास्कर याशोद ने बताया कि राज्य स्तर पर एआई-युक्त अत्याधुनिक राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जिससे रियल-टाइम मॉनिटरिंग और त्वरित निर्णय संभव होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि युवा आपदा मित्र परियोजना के तहत गृह मंत्रालय और एनडीएमए के सहयोग से प्रदेश के 25 जिलों में 29,772 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूपीएसडीएमए के उपाध्यक्ष जनरल योगेन्द्र डिमरी ने कहा कि प्राधिकरण के सभी कार्य भारत सरकार और एनडीएमए की गाइडलाइंस के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

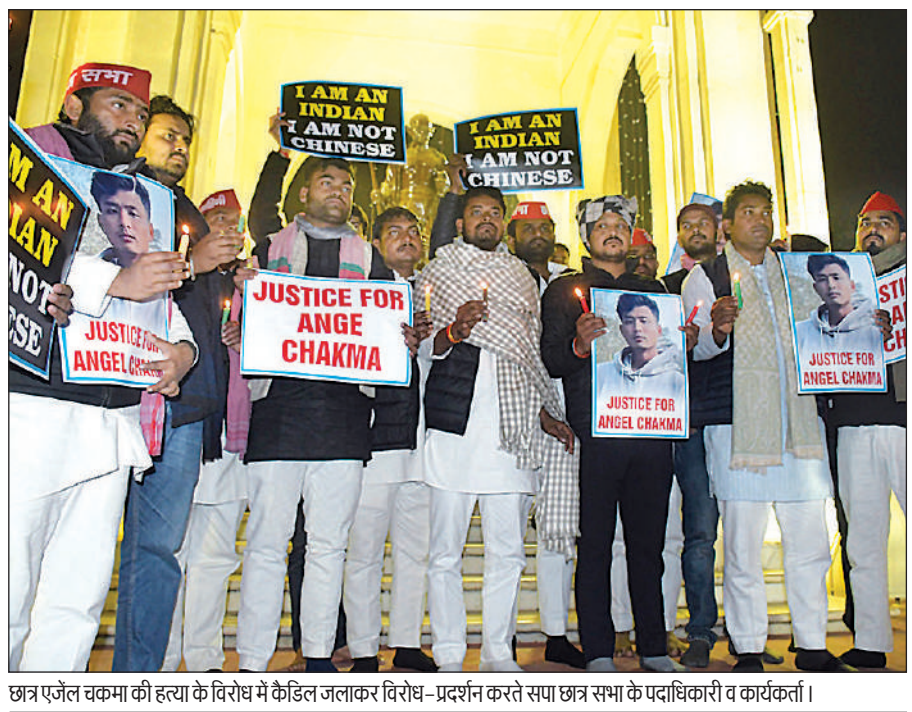

छात्र एजेंल चकमा की हत्या के विरोध में कैंडिल जलाकर विरोध-प्रदर्शन करते सपा छात्र सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

जीपीएस वाहनों से खाद्यान्न उठान में बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था एक प्रभावी और निर्णायक पहल के रूप में सामने आई है। राज्य में 5 हजार से अधिक जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए अब गोदाम से लेकर उचित दर विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न की आवाजाही पूरी तरह डिजिटल निगरानी में हो रही है। इस व्यवस्था ने वर्षों से चली आ रही खाद्यान्न चोरी, लीकेज और कालाबाजारी की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

प्रदेश में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से खाद्यान्न उठान करने वाले सभी प्रमुख वाहनों में जीपीएस डिवाइस इंस्टाल की जा चुकी है। इससे यह रियल टाइम में देखा जा सकता है कि वाहन कब, कहां से चला, रास्ते में कहां रुका और निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंचा या नहीं। कंट्रोल सिस्टम में हर गतिविधि दर्ज होने से परिवहन के दौरान होने वाली हेराफेरी की संभावनाएं लगभग खत्म हो गई हैं।

केवल खाद्यान्न वितरण ही नहीं, बल्कि खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के दौरान धान खरीद में भी जीपीएस ट्रैकिंग को अनिवार्य किया गया है।

जीरो पावर्टी अभियान | संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर जोर, दो चरणों में लाभ पहुंचाने की रणनीति

योजनाओं से परिवारों को गरीबी से मुक्त कर रही सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू किया गया 'जीरो पावर्टी' मिशन प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और जमीनी सत्यापन के समन्वय से एक सशक्त और परिणामोन्मुख मॉडल के रूप में उभर रहा है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर पात्र परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर गरीबी के दुष्चक्र को स्थायी रूप से तोड़ना। दो चरणों में लागू की गई रणनीति से यह साफ है कि योगी सरकार संख्या से अधिक पात्रता, पारदर्शिता और परिणाम पर फोकस कर रही है।

लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र में रहने वाले रामसागर, उर्मिला और रामू इसकी जीवंत मिसाल हैं। इन परिवारों को मकान, स्वच्छ पेयजल, पक्की सड़क, बिजली कनेक्शन, राशन और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ये लाभार्थी बताते हैं कि सरकार की योजनाओं ने उनके जीवन में स्थायित्व और सम्मान दोनों लौटाया है। यही 'जीरो पावर्टी' मिशन की मूल भावना है-सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि समग्र जीवन सुधार।

इस अभियान के तहत प्रदेशभर में वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। सर्वे के आधार पर महिलाओं को आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने की योजना है। वहीं लगभग 11 हजार बच्चों को पुनः नामांकन के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से मिले फीडबैक को नीतिगत सुधार का आधार बनाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र परिवार वंचित न रहे।

पहला चरण: डीबीटी से योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज

पहले चरण में आठ प्रमुख योजनाओं में पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, राशन योजना में 97 प्रतिशत पात्र परिवारों तक लाभ पहुंच चुका है। निराश्रित महिला पेंशन योजना में 87 प्रतिशत और दिव्यांग पेंशन में 62 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया है।

दूसरा चरण: घर-घर सत्यापन से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच

15 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए दूसरे चरण में 16 योजनाओं के अंतर्गत वंचित परिवारों का स्थलीय सत्यापन किया जा रहा है, जिसे 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है। पीएम उज्ज्वला योजना, शौचालय सहायता, जल जीवन मिशन और विद्युत कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान पर विशेष जोर है।

दूरसंचार का पावर हाउस बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोबाइल कनेक्टिविटी में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

अमृत विचार: दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में यूपी अपनी पहचान बना रहा है। मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सेवाओं का विस्तार अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अंचलों तक भी मजबूती से पहुंच रहा है। इसके पीछे योगी सरकार की नीतिगत स्पष्टता, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2025 में देशभर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन दर्ज की गई, जो अक्टूबर 2025 में 1171.87 मिलियन थी। इस वृद्धि में यूपी पूर्व और पश्चिम दोनों लाइसेंस सेवा क्षेत्रों की भूमिका अहम रही। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के सबसे सक्रिय दूरसंचार बाजारों में शामिल हो गया है। नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और यूपी पश्चिम में 1.35 मिलियन मोबाइल पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं।

5-जी आधारित फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं में भी प्रदेश की स्थिति लगातार सुदृढ़ हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 10.41 मिलियन 5-जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ता दर्ज किए गए, जिनमें यूपी पूर्व के 0.79 मिलियन और यूपी पश्चिम के 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं।

वायरलाइन सेवाओं में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही।

न्यूज ब्रीफ

युवक की आत्महत्या के मामले में प्रेमिका गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : हुसैनगंज में सुग्गा देवी मार्ग खटिकाना निवासी अंशीकांश सोनी (23) की आत्महत्या के मामले में हुसैनगंज पुलिस ने आरोपी प्रेमिका तृप्ति को गिरफ्तार कर लिया है। एसओ शिवमंगल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी तृप्ति कैसरबाग फूलबाग की रहने वाली है। उसके खिलाफ अंशीकांश की भाभी काजल ने आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी थी। अंशीकांश और तृप्ति के बीच कई सालों से प्रेम प्रसंग थे। दोनों की शादी की बात भी हो चुकी थी। कुछ दिन पूर्व तृप्ति ने शादी से इंकार कर दिया था। मंगलवार शाम अंशीकांश की तृप्ति से फोन पर बात हुई। उसने फिर तृप्ति से शादी के लिए कहा। तृप्ति ने शादी से इंकार कर दिया और कहा था कि मर जाओ। घरवालों का आरोप है कि इसके बाद क्षुब्ध होकर अंशीकांश ने टायलेट क्नीलर पी कर खुदकुशी कर ली थी।

बेमानक चल रहीं दो बसों को किया सीज

अमृत विचार, उन्नाव : एसपी जयप्रकाश सिंह के निर्देश पर कोतवाली पुलिस व एआरटीओ की संयुक्त टीम ने डग्गामार वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर अवैध रूप से संचालित दो स्लीपर बसों को सीज कर दिया। पुलिस के अनुसार डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। कोतवाली पुलिस व एआरटीओ की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को हरदोई मार्ग पर आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे अंडरपास के निकट अवध ढाबा के पास इशू ट्रैवेल्स व राजरथ की दो स्लीपर बसों की जांच की। इसमें दोनों बसों के चालक वैध परमिट प्रपत्र नहीं दिखा सके।

अनुबंधित बसों में चलना है तो साथ ले जाएं कंबल

खिड़कियों के शीशों में रबर ग्रिप और रिपिड न लगी होने से बस चलते समय खुल जाते, ब्रेक लगते ही सीटें भी हिलती हैं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बस संख्या- यूपी 34 टी- 9745। लखनऊ से बिसवां जा रही थी। बस में खिड़कियों के शीशे में रबर ग्रिप और रिपिड नहीं लगे थे। नतीजा खिड़कियों के शीशे बार-बार खुल रहे थे।

यात्री सफर के दौरान उन्हीं शीशों को बार-बार खींचकर उसमें कागज और गत्ते का टुकड़ा फंसाकर आ रही ठंडी हवाओं को रोकने की नाकाम कोशिश करते दिखे। सीटों की हालत भी खराब थी। ब्रेक लगते ही सीटें जोर से हिल रही थीं। एक और बस का हाल जानते हैं। कैसरबाग डिपो की ही एक अन्य बस। इसमें इंजन के बाहरी हिस्से में ऊपर से कपड़ा बांध रखा गया था। इससे नंबर प्लेट तक नहीं दिख रही थी। बस की खिड़कियों की हालत खराब थी। यात्री बताने लगे इस जर्जर बस में हवा दरवाजा बंद होने के बाद भी प्रवेश कर रही थी। लोग कंबल लपेटे बैठे थे। इस बस में सीट कवर फटे हुए थे और खिड़कियों के शीशे ढीले थे। यह दो अनुबंधित बसें बानगी के तौर पर हैं। कैसरबाग बस स्टैंड पर ऐसी कई अनुबंधित बसें देखने को मिली जिन्हें देखकर कहा जा सकता है अनुबंधित आपरेटरों को कोई ठोस चेतावनी विभागीय जिम्मेदारों द्वारा नहीं दी गई है। तभी तो बदहाल अनुबंधित सेवाओं की फ्लीट ठंड में संचालन किया जा रहा है। बिसवा, महमूदाबाद, सिधौली, मिश्रिख, सीतापुर और लखीमपुर रूट की ओर बदहाल बसों का संचालन किया जा रहा है।

कैसरबाग के बस अड्डे पर बिना फॉग लाइन लगी बस और दूसरी बस के आगे बंधा कपड़ा। अमृत विचार

नियम ठेंगे पर, सड़क पर चालक भरते सवारियां

- नियमों की खुलेआम अनदेखी करते हुए रोडवेज बसों के चालक कैसरबाग बस अड्डे के बाहर सड़क पर ही बसें खड़ी कर सवारियां भरते नजर आते हैं। इससे रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है। यह समस्या कैसरबाग बस अड्डे के आगे और पीछे, दोनों ओर की सड़कों पर देखने को मिलती है, जिससे आम लोगों और अन्य वाहनों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं जिलाधिकारी कार्यालय मार्ग की ओर से भी बसों का आवागमन अभी रोका नहीं गया है। लगातार बसें इसी मार्ग से आवागमन करती दिखीं।

समाजसेवी ने सैकड़ों लोगों को बांटे कंबल

अमृत विचार, उन्नाव: खंभौली स्थित रत्नेश्वर बाबा मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को कंबल वितरण का आयोजन हुआ। समाजसेवी पिंकल सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कड़ाके की ठंड को देखते हुए करीब 500 जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विवेक सिंह पटेल ने बुजुर्गों व जरूरतमंदों को कंबल ओढ़ाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा ही वास्तविक ईश्वर सेवा है। उन्होंने आयोजक पिंकल सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा से बढ़कर संसार में कोई दूसरा पुण्य कार्य नहीं है।

साइबर ठग ने बुजुर्ग समेत तीन के खातों से उड़ाए 4.98 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- चिनहट व आलमबाग कोतवाली में तीनों मामले दर्ज

अमृत विचार : साइबर जालसाज ने बुजुर्ग समेत तीन लोगों के खातों से 4.98 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं जालसाज ने गुम मोबाइल की मदद से रुपये गायब किए तो कहीं बैंक प्रतिनिधि बनकर और फर्जी क्रेडिट मैसेज भेजकर ठगी की गई। साइबर ठगी के ये मामले चिनहट और आलमबाग थाना क्षेत्रों के हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

चिनहट के कमता स्थित वासुदेव नगर निवासी 61 वर्षीय कन्हैया लाल गुप्ता ने बताया कि 25 दिसंबर को वह कैलाश विहार में भागवत कथा सुनने गए थे। इसी दौरान उनका मोबाइल गुम हो गया। अगले दिन उन्होंने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसी बीच जालसाज ने उनके गुम मोबाइल की मदद से 25 से 30 दिसंबर के बीच सेंट्रल बैंक खाते से 2.09 लाख और एसबीआई खाते से 2.19 लाख रुपये निकाल लिए। कुल 4.28 लाख रुपये की ठगी की जानकारी होने पर कन्हैया लाल ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत करने के बाद चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं, आलमबाग के बड़ा बरहा स्थित आदर्श नगर निवासी राहुल कुमार मिश्रा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को पीएनबी का कर्मी बताकर क्रेडिट कार्ड केवाईसी की बात कही।

पीड़ित ने पहचान पत्र मांगा तो जालसाज ने आईडी भेजी। इसके बाद एपीके फाइल भेजकर इंस्टॉल कराई और खाते की जानकारी हासिल कर 51,534 रुपये निकाल लिए।इसी थाना क्षेत्र के मवैया निवासी अनीता मिश्रा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि भतीजे को वेतन भेजना है, अपना क्यूआर कोड भेज दीजिए। इसके बाद जालसाज ने फर्जी क्रेडिट मैसेज भेजा और अधिक रुपये भेजने की बात कहकर 18 हजार रुपये ऐंठ लिए। खाते की जांच करने पर ठगी का पता चला। अनीता ने आलमबाग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नए वर्ष के उपलक्ष्य में सालौली गांव में ओम ठाकुर और समस्त क्षत्रिय परिवार की ओर से 21वें भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें समस्त ग्रामवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। बृजेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान और समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे। अमृत विचार

स्मार्ट प्रीपेड मीटर का बैलेंस नेगेटिव हुआ तो अपने आप कटेगी बिजली

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पावर कॉरपोरेशन ने दी उपभोक्ताओं को चेतावनी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर धारकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनके खाते का बैलेंस नेगेटिव हुआ तो बिजली आपूर्ति किसी भी समय बंद हो सकती है।

पावर कॉरपोरेशन के निदेशक (वाणिज्य) प्रशांत वर्मा ने बताया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को उनके बिजली बिल और बैलेंस की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लगातार भेजी जा रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय रहते रिचार्ज कराएं और यह सुनिश्चित करें कि उनके खाते का बैलेंस नेगेटिव न होने पाए। बैलेंस नेगेटिव होने की स्थिति में सिस्टम के जरिए बिजली आपूर्ति स्वतः कट सकती है। निदेशक वाणिज्य ने यह भी बताया कि यदि किसी उपभोक्ता को गलत मोबाइल नंबर अपडेट होने के कारण बिजली बिल या बैलेंस संबंधी सूचना नहीं मिल रही है, तो वे टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर सकते हैं या अपने संबंधित डिवीजन के काउंटर पर जाकर मोबाइल नंबर अपडेट करा सकते हैं। कॉरपोरेशन के अनुसार, प्रदेश में अब तक लगभग 60 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से 48 लाख उपभोक्ता प्रीपेड सुविधा का उपयोग कर रहे हैं।

प्रीपेड मीटर में बैलेंस कम होने पर उपभोक्ताओं को पहले ही सूचित किया जाता है और बैलेंस समाप्त होने के बाद भी उन्हें तीन दिन की अतिरिक्त मोहलत दी जाती है। नियमों के अनुसार, शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक, इसके अलावा रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाता है। इसके बावजूद पावर कॉरपोरेशन ने उपभोक्ताओं से सतर्क रहने और समय पर रिचार्ज कराने की अपील की है, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

मंदिर में घुसा चोर, हनुमान जी के दर्शन किए, ले गया दानपात्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीसीटीवी में कैद हुई चोर की करतूत
- पुजारी ने कैंट कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : कैंट के सदर स्थित शीतला माता मंदिर को शुक्रवार तड़के चोर ने निशाना बनाया। मंदिर में घुसे चोर ने हनुमानजी के दर्शन किए और फिर दानपात्र उठाकर फरार हो गया। सुबह पुजारी मंदिर पहुंचे तो चोरी का पता चला। सूचना मिलने पर कैंट पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन दानपात्र नहीं मिला। सीसीटीवी में आरोपी की करतूत कैद हुई है और पुलिस फुटेज के आधार पर उसकी तलाश कर रही है।

सदर के नेहरू रोड स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में पुजारी प्रमोद कुमार पांडेय रहते हैं। एसओ गुरप्रीत कौर ने बताया कि शुक्रवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे चोर मंदिर में घुसा। वह सीधे दानपात्र के पास गया, लेकिन छूने से पहले हनुमानजी की ओर देखा। फिर दानपात्र पर रखी सामग्री हटाई और दोबारा हनुमानजी की ओर देखा। चोर ने पसीना पोछा, कुछ समय सोचा और फिर दानपात्र उठा लिया।

जाते समय उसने भगवान की ओर पीठ न करके तीन कदम उल्टे चलकर बाहर निकला और एक बार फिर हनुमानजी के दर्शन किए। मंदिर में चोर नंगे पांव था, ऐसा लगता है कि बाहर जूते या चप्पल उतार कर आया था। एसओ ने बताया कि चोरी के दौरान चोर ने दानपात्र पर करीब 15 सेकेंड हाथ रखा लेकिन उठाने की हिम्मत नहीं हुई। दानपात्र के ऊपर रखा सिंदूर का कटोरा और दीपक को संभाल कर नीचे रखा गया ताकि वह न बुझें। सुबह पुजारी ने दानपात्र गायब देख डायल-112 पर सूचना दी। पुजारी ने बताया कि दानपात्र में करीब दो-तीन हजार रुपये होंगे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान कराने और उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है।

महिला के घर में चोरी दौड़ाती रही पुलिस

- अलीगंज के बड़ा चांदगंज निवासी शालिनी कौशल ने 5 दिसंबर को चोरी की शिकायत दर्ज कराई। घर में घुसकर आलमारी का लॉक तोड़कर नकदी, चांदी और एटीएम कार्ड चोरी किए गए। पीड़िता ने कई बार पुलिस और आयुक्त कार्यालय से संपर्क किया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश पर अलीगंज पुलिस ने 30 दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज की।

दो मकान व पतंजलि स्टोर में लाखों की चोरी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** राजधानी में चोर लगातार पुलिस गश्त की पोल खोल रहे हैं। उन्होंने दो मकान और एक पतंजलि स्टोर का ताला तोड़कर नकदी और जेवर समेत लाखों का माल चोरी कर लिया। कैंट के निलमथा स्थित दुर्गापुरी कॉलोनी निवासी शरद पांडेय ने बताया कि 14 दिसंबर को पिता के निधन पर वे रायबरेली गए थे। 22 दिसंबर को लौटने पर मुख्य द्वार का ताला सुरक्षित था, लेकिन अंदर के गेट का ताला कब्जे सहित टूटा मिला। चोरों ने 30 हजार रुपये और लाखों के जेवर चोरी कर लिए। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, चोर 21 दिसंबर की रात डेढ़ बजे आए थे। पारा के कुल्हड़कट्टा स्थित अवध विहार कॉलोनी निवासी ऊषा देवी के घर 26 दिसंबर की देर रात चोरी हुई। चोरों ने 50 हजार रुपये और सात लाख के जेवर उठाए। महानगर के बादशाह नगर में चौक निवासी मलय अग्रवाल के पतंजलि स्टोर का ताला 30 दिसंबर की रात तोड़ा गया। गल्ले में रखी नकदी और खाद्य-साज सामग्री समेत लाखों का माल चोरी हुआ।

चार आरोपियों की तलाश में तीन टीमें दे रही दबिश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इंदिरानगर ए-ब्लॉक स्थित मकान कब्जा करने का मामला

अमृत विचार: इंदिरानगर ए-ब्लाक में मकान कब्जा करने के मामले में पुलिस ने गुरुवार देर शाम को मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं आरोपियों से पूछताछ में चार और नाम सामने आये। चारों आरोपियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। एसीपी गाजीपुर अनिंद्य विक्रम सिंह के मुताबिक आरोपी जल्द ही गिरफ्तार कर लिये जाएंगे।

इंदिरानगर ए-ब्लाक में रहने वाली मेजर की बेटी अंजना की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण उनका रिहैब सेंटर में इलाज चल रहा है। घर में कोई भी नहीं रहता है और वह बंद पड़ा था। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने साजिश रची और खारिज-दाखिल करवाकर मकान पर बोर्ड टांग दिया था। इसकी जानकारी होने पर परिचित की मदद से उन्होंने चौकी में शिकायत की, लेकिन वहां सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास शिकायत लेकर पहुंची। उनके आदेश पर पुलिस ने मकान पर कब्जा दिलवाया। साथ ही लापरवाही बरतने वाले चौकी इंचार्ज सौरभ सलोनिया को निलंबित कर दिया । चंदौली के सैय्यद राजा मड़ई निवासी बलवंत कुमार यादव और मनोज को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गिरोह के चार लोगों के और नाम लिए थे, जिनका पता लेकर मौके पर टीम भेजी गई थी, लेकिन वह सभी लोग मौके से फरार हो चुके थे।

मलिहाबाद सीएचसी के वॉर्ड में लगे हीटर

संवाददाता, मलिहाबाद/ माल

- माल सीएचसी में वॉर्ड की खिड़कियां टूटी, शौचालय में पानी तक नहीं

अमृत विचार IMPACT

अमृत विचार : मलिहाबाद सीएचसी के वॉर्ड में प्रसूताओं को ठंड से बचाव के लिए हीटर लगा दिए गए हैं। कंबल भी एक के बजाय दो दिए जा रहे हैं। वहीं माल सीएचसी में अव्यवस्था पहले जैसी ही है। खिड़की के टूटे शीशे तक ठीक नहीं कराए जा सके। इतना ही नहीं शौचालय में पानी तक की व्यवस्था नहीं है।

मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का अमृत विचार की टीम ने पड़ताल किया था। जिसमें ठंड से बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने की पुष्टि हुई थी। सीएचसी में प्रसूताओं को सिर्फ एक चादर नुमा कंबल दिया जा रहा था। मलिहाबाद सीएचसी के वॉर्ड में हीटर,ब्लोअर की भी व्यवस्था नहीं थी। प्रसूताएं घर से कंबल और रजाई लाने को मजबूर हैं। अमृत विचार ने जनवरी के अंक में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। सीएमओ की फटकार के बाद मलिहाबाद सीएचसी के वॉर्ड में हीटर लगा दिए गए। ठंड से बचाव के लिए अन्य व्यवस्थाओं में सुधार किया गया। लेकिन माल सीएचसी में व्यवस्था जस की तस बनी हुई है।

शुक्रवार शाम वॉर्ड में दो प्रसूताएं भर्ती थी। वॉर्ड की तीन खिड़कियों के शीशे टूटे थे, ठंडी हवा आने के कारण प्रसूताएं और तीमारदार ठिठुर रहे थे। इसके अलावा सीएचसी के शौचालय में पानी की व्यवस्था भी नहीं थी। तीमारदार मरीज के लिए बाहर से पानी ला रहे थे।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने कहा सीएचसी में जो भी समस्याएं ही उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाएगा।

मलिहाबाद सीएचसी के वॉर्ड में लगाए गए हीटर।

माल सीएचसी वॉर्ड की टूटी हुई खिड़की।

औपचारिकता बनकर रह गया सड़क सुरक्षा जागरूकता माह

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नियमों की अनदेखी, अवैध पार्किंग व ढीले प्रवर्तन से बढ़ रहे सड़क हादसे
- मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बावजूद राजधानी में असर नहीं

अमृत विचार: राजधानी में हर वर्ष चलाया जाने वाला सड़क सुरक्षा जागरूकता माह अब महज औपचारिकता बनता नजर आ रहा है। आम लोगों में नियमों के प्रति जागरूकता कम है और जिम्मेदार अधिकारियों का प्रवर्तन अपेक्षित स्तर पर नहीं है। नतीजतन, सड़क हादसों की संख्या कम नहीं हो पा रही है।

शहर की सड़कों और हाईवे पर वाहन चालक गति सीमा का पालन नहीं कर रहे, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग नहीं कर रहे हैं। कई जगह अवैध पार्किंग के कारण दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है। आए दिन होने वाले हादसों के बावजूद लोग नियमों का पालन करने को तैयार नहीं हैं।1 जनवरी से परिवहन विभाग की ओर से जागरूकता माह का आयोजन किया गया है। इसके तहत पैदल यात्रियों, वाहन चालकों और साइकिल सवारों को हेलमेट और सीटबेल्ट का अनिवार्य उपयोग, शराब पीकर वाहन न चलाना, गति सीमा का पालन, मोबाइल न इस्तेमाल करना और जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग जैसे नियम सिखाए जा रहे हैं। आरटीओ प्रभात पांडेय ने बताया कि शुरुआती दस दिनों तक लोगों को जागरूक किया जाएगा, उसके बाद नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।साफ है कि जब तक जागरूकता के साथ-साथ नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कराया जाएगा, सड़क सुरक्षा अभियान अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल नहीं हो पाएगा।

राहत

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया तीसरी कैथ लैब का उद्घाटन

लोहिया संस्थान में दिल के मरीजों को मिलेगा और बेहतर इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के कार्डियोलॉजी विभाग में शुक्रवार को तीसरी कैथ लैब का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। उन्होंने कहा कि, नई लैब से दिल के गंभीर मरीजों को तेजी से, सुरक्षित और प्रभावी इलाज मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सार्वजनिक क्षेत्र में उन्नत हृदय रोग उपचार सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कार्डियोलॉजी विभाग को आवश्यकता अनुसार सभी आधुनिक उपकरण एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि किसी भी मरीज को जीवनरक्षक हृदय उपचार के लिए प्रतीक्षा न करनी पड़े।

कैथ लैब में सुविधाओं की जानकारी लेते उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

वर्तमान में विभाग प्रतिदिन करीब 20 एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और पेसमेकर जैसी प्रक्रियाएं कर रहा है, जो नई सुविधा के बाद बढ़कर लगभग 30 तक हो जाएंगी। इससे इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को इंतजार कम करना संभव होगा।

कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. भुवन चन्द्र तिवारी ने बताया कि पिछले एक साल में विभाग में 57,132 मरीजों का ओपीडी में इलाज किया गया और 6,392 मरीजों को भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया गया। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी सेवाओं में 4,748 कोरोनरी एंजियोग्राफी, 3,022 एंजियोप्लास्टी और 277 पेसमेकर प्रत्यारोपण किए गए।

उपमुख्यमंत्री ने मॉनिटरिंग रूम का निरीक्षण किया और मरीजों व उनके परिजनों से इलाज और सुविधाओं को लेकर फीडबैक लिया। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि एक और कैथ लैब की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिससे संस्थान में कुल चार कैथ लैब होंगी।

लोहिया संस्थान आधुनिक उपकरणों और सेवाओं के माध्यम से मरीजों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस मौके पर सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. श्रीकेश सिंह, रजिस्टार डॉ. सुब्रत चन्द्रा, डॉ. आशीष झा, डॉ. सुदर्शन कुमार विजय, डॉ. नवीन जामवाल समेत अन्य डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

किताब बेचने वाला प्रधानाध्यापक निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वायरल वीडियो में रिक्शे पर किताबें ले जाते दिखने के बाद क्षेत्र में चर्चा
- शिक्षक व शिक्षामित्रों को दी गई कड़ी चेतावनी

अमृत विचार: नगराम स्थित नेवाजखेडा प्राइमरी विद्यालय के प्रधानाध्यापक रवीन्द्र गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है। विद्यालय से कबाड़ी को किताबें बेचने का मामला क्षेत्र में लोगों के आक्रोश का विषय बना था। इसे लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद जांच शुरु कर दी गई थी। जांच के बाद प्रधानाध्यापक को निलंबित करने के साथ ही विद्यालय के शिक्षक व शिक्षामित्र को भविष्य में ऐसी घटना न करने की सख्त हिदायत दी है।

बुधवार को मोहनलालगंज के खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कनौजिया की जांच में प्रधानाध्यापक ने कक्षा 1 से पांचवी के बच्चों की दो क्विंटल किताबें और कार्य पुस्तिकाएं कबाड़ी को बेचने की बात स्वीकारी थी। कबाड़ी ने स्वीकारा था 11 रुपये किलो के हिसाब से बेची गई कुल रद्दी दो क्विंटल यानी 200 किलो थी। मंगलवार को सोशल मीडिया पर ठेले से किताबें ले जाने का वीडियो वायरल होने के बाद विभागीय अधिकारी हरकत में आए। बुधवार को जांच करने पहुंचे खंड शिक्षाधिकारी (बीईओ) सुशील कनौजिया ने चाभी मंगवाकर स्कूल का ताला खुलवाया। पूछताछ में ग्रामीणों ने बीईओ को बताया कि करोरा बाजार के कबाड़ी मोनू ने किताबें खरीदी थी। बयान दर्ज करने के दौरान कबाड़ी ने बीईओ को बताया था कि किताबों का सौदा प्रधानाध्यापक रवींद्र गुप्ता ने किया। उनके बुलावे पर वह ठेला और तौल कांटा लेकर मंगलवार को स्कूल पहुंचा था।

अवकाश का उठाया फायदा

- शीतकालीन अवकाश के चलते स्कूल बंद था। इसी का फायदा उठाकर प्रधानाध्यापक ने किताबें कबाड़ी को बुलाकर बेच दी। ताकि किसी को इसका पता न चले। हालांकि बच्चों द्वारा बनाए गए कबाड़ी के किताबें स्कूल से ले जाते हुए वीडियो ने पोल खोल दी। बीएसए ने आरोपी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है।

अमृत विचार
लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

फील्ड पर उतरें अधिकारी, किसी श्रद्धालु को न सहनी पड़े असुविधा

मुख्यमंत्री योगी ने माघ मेला को लेकर उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सायं आगामी पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला के दृष्टिगत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जनपदों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय सुरक्षा एवं व्यवस्थागत समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारू आयोजन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, चित्रकूट, हापुड़ (गढ़मुक्तेश्वर), मथुरा-वृंदावन, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर सहित माघ मेला से जुड़े सभी प्रमुख जनपदों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के आवागमन, घाटों व मंदिर परिसरों की स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम, भीड़ प्रबंधन एवं मेला क्षेत्र में प्रवेश-निकास की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्थिति में अराजकता को बढ़ावा न मिले और सभी श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में स्नान एवं पूजा कर सकें।

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में पौष पूर्णिमा पर अनुमानित 15 से 25 लाख श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं महिला सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों पर गोताखोरों की पर्याप्त तैनाती रहे ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

- **दी हिदायत, किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं**

महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मेला क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर संदिग्ध एवं अराजक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। किसी भी महिला श्रद्धालु को असुविधा या भय का सामना न करना पड़े, यह प्रशासन सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारी आज रात्रि में ही मेला स्थल का निरीक्षण कर लें तथा अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचरियों को समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के लिए निर्देश दे दें। नदी में तेज बहाव तथा गहराई की दशा में बैरिकेडिंग लगाकर सुरक्षा सुनिश्चित कर ली जाए। कोई भी नाविक श्रद्धालुओं से मनमाना शुल्क न लें।

इस कड़ी में उन्होंने तीर्थ स्थानों व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर नाव परिचालन को लेकर मनमर्जी किराया वसूलने तथा होटलों द्वारा मनमानी किए जाने को लेकर सख्त निर्देश जारी किया कि ऐसा कोई भी कार्य नहीं होनी चाहिए इस बात को वरिष्ठ अधिकारी फील्ड पर उतर कर सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ युद्धस्तर पर कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि पर्व-त्योहारों एवं माघ मेला के दौरान प्रदेश में शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था का वातावरण बना रहे।

त्रिवेणी की रेती पर सजा तंबुओं का शहर

माघ मेला आज से, कल्पवासियों के शिविर में स्वच्छता को प्राथमिकता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ ही प्रयागराज के संगम तट पर आस्था, तप और साधना की त्रिवेणी प्रवाहित होने लगेगी। गंगा-यमुना की रेती पर तंबुओं का अस्थायी शहर बस चुका है और शनिवार से माघ मेले का विधिवत शुभारंभ होगा। माघ मेला 15 फरवरी महाशिवरात्रि तक चलेगा। इस दौरान चार लाख से अधिक कल्पवासी जप, तप और संकल्प के साथ एक माह का कठिन कल्पवास करेंगे।

माघ मेला देश का सबसे बड़ा वार्षिक धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन है, जहां पौष पूर्णिमा से ज्ञान, भक्ति और साधना की विविध धाराएं एक साथ प्रवाहित होती हैं। संगम क्षेत्र में दंडी संन्यासी, रामानंदी आचार्य, खालसा पंथ के संतों के साथ-साथ चतुष्पीठों के शंकराचार्यों की उपस्थिति अध्यात्म को विराट स्वरूप देती है। ठिठुरती ठंड में गंगा-यमुना की रेती पर तपस्या करने वाले कल्पवासियों की संख्या इस वर्ष अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है।

कल्पवासियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेला प्रशासन ने पहली बार 950 बीघे क्षेत्र में एक अलग नगर बसाया है, जिसे 'प्रयागवाल' नाम दिया गया है। यह नगर नागवासुकी मंदिर के सामने गंगा पार विकसित किया गया है। एडीएम माघ मेला दयानंद प्रसाद के अनुसार, महाकुंभ 2025 की स्मृतियों और 12 वर्ष बाद कल्पवास के संकल्प की परंपरा के चलते इस वर्ष कल्पवासियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को गंगा तट के निकट ही बसाया गया है, ताकि दैनिक स्नान में कठिनाई न हो।

योगी सरकार द्वारा मेला क्षेत्र को दिव्य, भव्य और स्वच्छ स्वरूप देने पर विशेष जोर है। कल्पवासियों के शिविरों में स्वच्छता को प्राथमिकता दी जा रही है, सिंगल यूज प्लास्टिक से परहेज की अपील की गई है। बुजुर्ग श्रद्धालुओं को शीतलहर से बचाने के लिए अलाव और अन्य सुरक्षात्मक इंतजाम किए गए हैं।

प्रमुख स्नान पर्व

- पौष पूर्णिमा : 3 जनवरी
- मकर संक्रांति : 14 जनवरी
- मौनी अमावस्या : 18 जनवरी
- बसंत पंचमी : 23 जनवरी
- माघी पूर्णिमा : 1 फरवरी

सुचारू आवागमन को विभाग तैयार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने प्रयागराज में माघ मेला 2026 से संबन्धित परिवहन निगम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने शुक्रवार को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को बेहतर, सुरक्षित और सुचारू यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। समीक्षा बैठक में परिवहन मंत्री ने स्पष्ट कहा कि मेला क्षेत्र में बस संचालन, यात्री सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे। सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जाएं। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बताया कि प्रयागराज में झूंसी, लेप्रोसी, बेला कछार, पटेल बाग और नेहरू पार्क में अस्थायी बस स्टेशनों की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। पांचों चेक पोस्ट पूरी तरह क्रियाशील हैं तथा 250 बेड का जर्मन हैंगर भी तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य स्नान पर्वों पर दो दिन पूर्व से एक दिन बाद तक परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारी मेला क्षेत्र में तैनात रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

505 नर्सेस को मिला एसीपी का लाभ

अमृत विचार ,लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग के उपचारिका संवर्ग में कार्यरत नर्सेस को सुनिश्चित कैरियर प्रोन्नयन (एसीपी) का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह ने संवर्ग की 505 नर्सेस की सूची संबन्धित आदेश के साथ जारी कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि सूची में अंकित किसी भी उपचारिका का स्थानांतरण अन्यत्र हो गया है तो वर्तमान तैनाती स्थान से उपरोक्त को एसीपी का लाभ प्रदान किया जाएगा।

47 वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन होंगे प्राविधिज्ञ

अमृत विचार,लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग में 47 वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों को प्रयोगशाला प्राविधिज्ञों के पद पर प्रोन्नति किया जाएगा। यह प्रोन्नति उन्हें वर्तमान तैनाती स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से मिलेगी। यह आदेश स्वास्थ्य महानिदेशालय से शुक्रवार को जारी कर दिया गया है। निदेशक डॉ. संजू अग्रवाल ने बताया कि संवर्ग के सभी लैब टेक्निशियनों में अर्ह पाए गए टेक्नीशियनों को सूची में शामिल किया गया है। मगर, अगर किसी कर्मी के विरुद्ध विभागीय जांच या अन्य तकनीकी खामियां पायी जाती हैं तो प्रोन्नति प्रभावी नहीं होगी। प्रोन्नति में किसी विसंगति संबन्धी जानकारी अगले 10 दिन के अंदर प्रत्यावेदन के माध्यम से देना अनिवार्य होगा।

सूरजकुंड मेले में लगेंगे यूपी के विशेष स्टाल

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय लोक परंपराओं और हस्तशिल्प कला के वैश्विक उत्सव सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला 2026 में इस वर्ष उत्तर प्रदेश थीम स्टेट के रूप में अपनी सांस्कृतिक छाप छोड़ेगा। 39वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला 31 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक हरियाणा में आयोजित किया जाएगा, जहां उप्र. अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, हस्तशिल्प, हथकरघा, लोक नृत्य-संगीत और पारंपरिक व्यंजनों की भव्य प्रस्तुति करेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सूरजकुंड मेले में उप्र. वोकल फॉर लोकल की भावना को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। राज्य की हस्तशिल्प विरासत को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) आधारित 40 विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे।

बैट्री चार्जिंग के दौरान करंट से बच्चे की मौत

अमृत विचार, हरदोई : पिता के ई-रिक्शे की बैट्री चार्ज होने के दौरान वहां खेल रहा उसका बेटा करंट की चपेट में आ गया,जिसे सीएचसी बावन पहुंचाया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बेहटा गोकुल थाने के मानपुर निवासी राजीव ई-रिक्शा चलाता है। उसके तीन बच्चों में दो बेटी और 6 वर्षीय इकलौता बेटा अरुण था। शुक्रवार की दोपहर राजीव ई-रिक्शा लेकर गांव पहुंचा और उसे चार्जिंग पर लगा कर दूसरे कामों में उलझ गया। वहीं पास में अरुण खेल रहा था,उसी बीच उसका पैर चार्जिंग वाले तार पर पड़ा और वह करंट की चपेट में आ गया। सीएचसी बावन लेकर पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

सिंचाई कर रहा अधेड़ शारदा नहर में गिरा, डूबने से मौत

अमृत विचार, हरदोई : खेत की सिंचाई कर रहा अधेड़ शारदा नहर में गिर गया। बेटे व परिजनों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला और कर सीएचसी पहुंचाया, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

टड़ियावां थाने के बहोरवा निवासी विक्रम राठौर (50) खेती-बाड़ी करता था। गांव के बाहर से निकली शारदा नहर के बगल में उसका खेत था, वह गुरुवार को अपने छोटे बेटे गोलू के साथ नहर के पानी से खेत की सिंचाई कर रहा था,उसी बीच वह लड़खड़ा कर नहर में जा गिरा, गोलू ने शोर मचाते हुए उसे बाहर निकालने का प्रयास किया। आवास मौजूद लोगों की मदद से विक्रम को बाहर निकाल कर सीएचसी टड़ियावां पहुंचाया, लेकिन वहां पहुंचते ही मौत हो गई। विक्रम राठौर के परिवार में पत्नी जयदेवी के अलावा दो बेटे संदीप व गोलू और एक बेटी वीरमती है। संदीप व वीरमती की शादी हो चुकी है।

पत्नी की बेवफाई से निराश होकर दी जान

संवाददाता, हरदोई

विवेक की फाइल फोटो

- **5 वर्ष से दो बच्चों को लेकर मायके में रह रही पत्नी**
- **काफी प्रयास के बाद भी नहीं लौटी कोर्ट में केस चला**

अमृत विचार : शादी के बाद दंपति के दो बच्चे हुए। लेकिन इसके बाद आपसी विवाद के चलते पत्नी दोनों बेटों को लेकर मायके चली गई। पति की तमाम कोशिशों के बाद भी वह वापस नहीं लौटी। पत्नी की बेवफाई और अकेलेपन से परेशान होकर पति ने गांव के किनारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

शाहाबाद कोतवाली के बिरौरी गांव निवासी 32 वर्षीय विवेक पुत्र रतिराम गुरुवार को अपने घर में था। उसने खाना खाया और टहलने के बाद सो गया। बड़े भाई पूरनलाल ने बताया कि शुक्रवार की भोर पहर वह नींद से उठा तो घर में विवेक नहीं था। मां गंगादेवी ने पूछने पर बताया कि विवेक आधी रात को उठा था, उसके बाद नहीं पता। उमाशंकर उसे ढूंढ रहा था, उसी बीच गांव के बाहर पेड़ पर उसका शव फंदे से लटकता हुआ देखा। उमाशंकर ने बताया कि दो भाइयों में विवेक छोटा था। करीब 5 दिन पहले उसकी पत्नी ज्योति दोनों बेटों को साथ लेकर मायके महेशपुर जिला रुद्रपुर उत्तराखंड चली गई। काफी प्रयास करने पर भी वापस नहीं लौटी। विवेक ने विदाई का मुकदमा कर दिया, दोनों के बीच सालों चली मुकदमेबाजी बे-नतीजा रही, उसी के बाद से विवेक डिप्रेशन का शिकार हो गया, उसका इलाज चल रहा था। उमाशंकर का कहना है कि विवेक पत्नी और बच्चों से दूरी बर्दाश्त नहीं कर सका और आत्महत्या कर ली।

प्राचीन मंदिर में मूर्तियां खंडित किए जाने से लोगों में आक्रोश

क्षतिग्रस्त गणेश प्रतिमा।

अमृत विचार, हरदोई : कुछ असामाजिक तत्वों ने एक प्राचीन शिवाला मंदिर में गणेश व लक्ष्मी की मूर्तियां खंडित कर दी गईं। इसका पता होते ही लोगों में तनाव फैल गया और शिवाला मंदिर के आस-पास भीड़ लग गई। बघौली थाने के गोपार में प्राचीन शिवाला मंदिर है,जहां सालों पहले मूर्तियां स्थापित हुईं थीं, शिवाला मंदिर गांव की धार्मिक आस्था व सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। उसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने मंदिर की मूर्तियां खंडित कर दिया। इसका पता होते ही वहां तमाम ग्रामीण इकट्ठा हो गए। एसएचओ बघौली बृजेश मिश्रा ने लोगों से आपसी सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है।

कार की टक्कर से गन्ना ले जा रहे ट्रैक्टर चालक की मौत, 4 घायल

संवाददाता, हरदोई, पिहानी

अमृत विचार : लखीमपुर खीरी के अजबापुर शुगर मिल गन्ना लेकर जा रहे ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से कार ने टक्कर मार दी, जिससे चालक उछल कर सड़क पर गिर कर बुरी तरह ज़ख्मी हो गया, साथ ही चार कार सवार भी ज़ख्मी हो गए,उन्हें एम्बुलेंस-108 से सीएचसी पसगवां भेजा गया, वहां ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि चारों कार सवारों को शाहजहांपुर रेफर कर दिया गया है।

पिहानी कोतवाली के डर्रा गांव निवासी 35 वर्षीय अशोक कुमार पेशे से ट्रैक्टर चालक है। शुक्रवार की भोर पहर कोहरे के बीच वह अपने ट्रैक्टर-ट्राली पर गन्ना लाद कर उसे अजबापुर शुगर मिल ले जा रहा था, इसी बीच रास्ते में जलालपुर गोपी के पास उसकी ट्राली में कार ने पीछे से टक्कर मार दी, अशोक उछल कर सड़क पर गिरा और उसके सिर में गहरी चोट पहुंची, उधर हादसे में चार कार सवार भी घायल हो गए। आनन-फानन में एम्बुलेंस-108 से सीएचसी पसगवां पहुंचाया, वहां पहुंचते ही अशोक की मौत हो गई। अशोक के परिवार में पत्नी रीना और एक बेटा व एक बेटी है।

हादसे की जांच करता पुलिसकर्मी व क्षतिग्रस्त वाहन। अमृत विचार

कार की टक्कर से जिम संचालक की मौत

रामवीर की फाइल फोटो।

अमृत विचार, माधौगंज/हरदोई : बाइक से वापस घर जा रहे ज़िम संचालक को सामने से आ रही ईको कार ने ज़ोरदार टक्कर मार दी,जिससे उसकी वहीं पर मौत हो गई। गुरुवार की देर शाम हुए हादसे के बाद ड्राइवर कार छोड़ कर भाग गया, जिसे पुलिस ने अपने कब्ज़े में लेते हुए जांच शुरू कर दी है। माधौगंज थाने के हसनपुर ज्यौली निवासी सुंदर लाल के चार बेटों में सबसे छोटा 24 वर्षीय रामवीर ने माधौगंज में जिम सेंटर खोल रखा था। बड़े भाई उमाशंकर ने बताया कि गुरुवार की देर शाम जिम सेंटर बंद करने के बाद वह बाइक से घर जा रहा था। उसी बीच माधौगंज-कन्नौज रोड पर सरफदीपुर गांव के पास सामने से आ रही ईको कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे रामवीर की वहीं पर मौत हो गई। हादसा होने के बाद ड्राइवर कार वहीं पर छोड़कर भाग गया। वहां पहुंची पुलिस ने यूपी-35 के नंबर वाली ईको कार को कब्ज़े में लेते हुए क्लू ढूंढती घूम रही है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

मुख्यालय स्तर से होगी आलू स्टोरेज और मार्केटिंग की निगरानी, सौंपी जिम्मेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : आलू उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों और मंडलों में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित मंडलों का भौतिक निरीक्षण करें और फसल की पूर्व आवक से पहले विपणन एवं भंडारण की समस्त कमियों को दूर करें। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को आलू की आगामी उपज के सुचारू प्रबंधन, भंडारण और विपणन व्यवस्थाओं को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि प्रदेश में आलू उत्पादन बढ़ने के अनुमान के बावजूद भंडारण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है और बड़ी संख्या में कोल्ड स्टोरेज के स्थान रिक्त हैं।

2.89 करोड़ हटाए गए मतदाताओं की तलाश करेगी कांग्रेस पार्टी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **221 सदस्यीय समिति गठित, एक महीने तक करेगी भौतिक सत्यापन**

अमृत विचार: कांग्रेस ने प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 2.89 करोड़ मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में गठित 221 सदस्यीय समिति एक महीने तक जिलों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेगी। पार्टी का दावा है कि बड़ी संख्या में नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने हालिया दौरे के दौरान एसआईआर प्रक्रिया के तहत हटे मतों का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद जिलावार प्रतिनिधित्व के साथ समिति बनाई गई है। झांसी से सर्वाधिक आठ सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि 17 जिलों में चार-चार, 33 जिलों में तीन-तीन और 24 जिलों में दो-दो सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजय राय ने कहा कि संविधान ने आम नागरिक को वोट के अधिकार के रूप में सबसे मजबूत हथियार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनावी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां हुई हैं। कांग्रेस का संकल्प है कि यूपी के हर गरीब, एससी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाता का नाम दोबारा सूची में जुड़वाया जाएगा। समिति पूरे महीने अभियान चलाकर सत्यापन करेगी।

नासिक गए युवक की संदिग्ध हालात में मौत

अमृत विचार, सरेनी रायबरेली : थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक की बुधवार की रात को संदिग्ध परिस्थितियों में महाराष्ट्र के नासिक शहर में मौत हो गई। गुरुवार की देर रात जब युवक का शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। मृतक के पिता ने कमरे के साथियों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र के पूरे ब लदी मजरे सिंघौर तारा गांव का रहने वाला तेज बहादुर (22) पुत्र राजपाल यादव डेढ़ महीने पहले पूरे नवल मजरे सिंघौर तारा गांव के रहने वाले अमरेंद्र पुत्र राजाराम के साथ रोजी-रोटी के लिए नासिक गया था। नासिक में दोनों समेत पांच युवक एक कमरे में रहते थे। मृतक के भाई सज्जन यादव ने बताया कि बुधवार की रात परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल स्विच बंद मिला। फोन करने पर उसके साथी ज्ञान सिंह यादव ने परिजनों को बताया कि तेज बहादुर की तबीयत खराब हो गई है। सिविल अस्पताल नासिक में भर्ती हैं। गुरुवार की सुबह ज्ञान सिंह ने परिजनों को बताया कि गिरने से तेज़बहादुर के सिर पर चोट लगी थी इससे ब्रेन हेमराज हो गया और उसकी मौत हो गई है।

लटका मिला ईंट भट्ठा मजदूर का शव

अमृत विचार, हरदोई : गांव से राशन ले कर लौटे ईंट-भट्ठा मज़दूर का शव फंदे पर लटका हुआ देखा गया, हालांकि पुलिस उसे आत्महत्या मान रही है, लेकिन घर वाले इससे इंकार कर रहे हैं। टड़ियावां थाने के चौबैहिन थोक मजरा भैंसरी निवासी ऋमुनेंद्र (30) पुत्र कमिल बेहटा गोकुल थाने के मानपुर में ईंट-भट्ठे पर मज़दूरी कर ईंटों की पथाई करता था। पत्नी संगीता का कहना है कि पति न आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसके साथ कोई अनहोनी हुई है।

एनएचएआई ने बदहाल रेलवे ओवर ब्रिज पर रखवाए पत्थर

संवाददाता, लालगंज/रायबरेली

आवागमन बंद

अमृत विचार : लालगंज बाईपास का रेलवे ब्रिज एक बार फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। पुल बनाने वाली कंपनी ने मानक विहीन निर्माण कर लोगों के लिए फिर से भारी मुसीबत पैदा कर दी है। छह वर्षों के बाद चालू हुआ लालगंज बाईपास का रेलवे ओवर ब्रिज एक बार फिर से बंद हो गया है। टोल प्लाजा में धरना प्रदर्शन के बाद चार सितंबर को जिलाधिकारी के आदेश के तहत रेलवे ब्रिज चालू हुआ था लेकिन तीन महीने के अंदर ही पुल की सड़क धंसने के चलते नेशनल हाईवे के अधिकारियों ने सड़क को बंद कर दिया है। दोनों तरफ भारी भरकम पत्थर लगाकर आवागमन रोक दिया गया है। वास्तव में पुल के ऊपर की सड़क तो 15 दिन के अंदर ही धंस गई थी लेकिन पुल पर लोहे के गाटर रखकर किसी तरह आवागमन चल रहा था। अब जब कि रेलवे पुल दोनों तरफ पत्थर लगाकर बंद कर दिया गया है तो निश्चित रूप से लालगंज के लोगों को एक बार फिर से भारी वाहनों के जाम से जूझना पड़ेगा।

रेलवे ओवर ब्रिज के मार्ग पर रखवाए गए पत्थर। अमृत विचार

नेशनल हाईवे के द्वारा पुल बंद कर दिए जाने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है। भाजपा नेता अनूप पांडे, भाजपा प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला, भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, महामंत्री शिवम गुप्ता, कौशलेंद्र कंचन ने कहा कि तीन माह में ही पुल बंद हो जाना निश्चित रूप से भ्रष्टाचार का जीता जागता नमूना है। व्यापार मंडल नेताओं ने कहा है कि जिलाधिकारी के तहसील दिवस में इसकी शिकायत की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालगंज रेलवे ब्रिज का लोकार्पण किया था। लगभग 8 माह के बाद पुल खराब होने के चलते बंद कर दिया गया था। लगातार जनता की शिकायतों के बाद 4 अक्टूबर को एक बार फिर से पुल चालू हुआ था। लेकिन लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

> लालगंज बाईपास की पूर्व में मरम्मत कराई गई थी। जिसके बाद इस पुल से वाहनों का आवागमन शुरू करा दिया गया था। उस दौरान कुछ कार्य शेष होने की वजह से आने वाले समय में किसी भी तरह की दुर्घटना न होने पाए इसलिए मौके का निरीक्षण करने के बाद लालगंज बाईपास पर पत्थर लगवाकर आवागमन पर रोक लगाई गई है। लगभग 15 दिन में शेष पड़े कार्य की मरम्मत कराकर पुनः आवागमन बहाल करवा दिया जाएगा।
>
> **-इंद्रेश कुमार, निदेशक एनएचएआई, रायबरेली**

नदी से मछलियां निकालते ग्रामीण। अमृत विचार

गर्रा नदी में हजारों मछलियां मरीं

अमृत विचार, पाली, हरदोई : कस्बे के समीप गर्रा नदी में शुक्रवार हजारों मछलियां मृत अवस्था में जलधारा में उतराती नजर आईं। जैसे ही इसकी जानकारी फैली तो आसपास के ग्रामीण और कस्बेवासी झोला, बोरी व अन्य बर्तन लेकर नदी की ओर दौड़ पड़े। देखते ही देखते नदी किनारे लोगों की भीड़ जुट गई और लोग पानी में उतरकर मछलियां बीनने लगे। कुछ ही समय में मछलियों की लूट जैसी स्थिति बन गई। इस मामले को लेकर रक्षपाल पुत्र लक्ष्मण निवासी मोहल्ला बिरहाना ने थाने में तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाए हैं। तहरीर में रक्षपाल ने मोहल्ला पटियानीम निवासी अमरपाल, दाताराम एवं सकटे पर गर्रा नदी में जहर डालने का आरोप लगाया है, जिससे मछलियों की मौत होना बताया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

कंबल वितरण और भंडारे का आयोजन

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : नववर्ष पर त्रिवेदीगंज क्षेत्र के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील सिंह ने अवसानेश्वर मंदिर पर जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण और भंडारे का आयोजन किया। इससे पहले अखंड रामचरितमानस का पाठ और हवन-पूजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत, एसडीएम राजेश विश्वकर्मा सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेत में मिला नवजात शिशु का शव

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख थाना क्षेत्र में एक खेत में नवजात शिशु मृत मिला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को दफना दिया। हांसेमऊ में शुक्रवार की सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने मृत नवजात शिशु को पड़ा देखा। खबर गांव तक पहुंची तो लोगों का एकत्र होना शुरु हो गया। आपस में बातचीत के बाद ग्रामीणों ने शव को दफना दिया।

तस्कर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में दर्ज आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहे असलहा तस्कर के खिलाफ अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को एसीजेएम प्रथम शुभम वर्मा की अदालत ने मामले की विवेचना कर रहे एसएसआई हवलदार सिंह की अर्जी पर आजमगढ़ जनपद के गंभीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लूहुसा गांव निवासी अरविंद बिंद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया है। 15 दिसंबर 2024 को एसटीएफ वाराणसी इकाई व स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कोतवाली देहात थानाक्षेत्र के मिश्रपुर पुरैना हाईवे रोड स्थित यात्री शेड के पास से दो आरोपियों सत्यम यादव निवासी रुदौली, थाना सरपतहा, जनपद जौनपुर और मुस्कान दूबे निवासी रुदौली, थाना सरपतहा, जनपद जौनपुर को मौके पर गिरफ्तार किया गया था। जबकि एक आरोपी अमित बिंद फरार हो गया था।

एमएलसी के केस में फैसला 17 को

संवाददाता, सुलतानपुर : एमपी/एमएलए की विशेष अदालत में आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े मामले में आरोपी एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह समेत तीन आरोपियों के प्रकरण में शुक्रवार को कोर्ट में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई। बहस सुनने के उपरांत न्यायालय ने निर्णय सुरक्षित रखते हुए आदेश के लिए 17 जनवरी की तिथि निर्धारित की है। अभियोजन के अनुसार यह मामला 11 मई 2019 का है। चुनाव उड़नदस्ता प्रभारी गजेंद्र कुमार सिंह की तहरीर पर कोतवाली देहात थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

सीतापुर में दो पक्षों में पथराव, वाहन क्षतिग्रस्त

अटरिया क्षेत्र के जानकीनगर में भूमि विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने ही हुआ टकराव

कार्यालय संवाददाता सीतापुर

अमृत विचार : अटरिया थाना के भोगतीपुर चौकी के निकट जानकीनगर गांव में बीती रात करीब 11 बजे दीवार निर्माण को लेकर दिनेश यादव व मंटू के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई। जिसमें पुलिस की पीआरवी क्षतिग्रस्त हो गई। बताते चलें कि भगौतीपुर पुलिस चौकी से महज़ कुछ दूरी पर नीलगांव रोड किनारे स्थित जानकीनगर गांव में पिछले महिनों से चल रहा कच्ची दीवार को लेकर दिनेश यादव व मंटू पाल के बीच चल रहा है। बीती रात दोनों पक्षों में कहासुनी हुई दोनों पक्ष शराब के नशे में उग्र हो गए और

घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

ईंट पत्थर चलाने लगे। एक पक्ष के राजेश ने सूचना डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की पीआरवी संख्या 1822 जानकीनगर गांव में मौके पर पहुंची। इसी दौरान पत्थरबाजी में पत्थर पीआरवी वाहन के आगे और पीछे के शीशे पर जा लगा, जिससे दोनों शीशे टूट गए। हालांकि इस घटना में पुलिसकर्मी ड्राइवर घनश्याम, दीवान सिद्धनाथ, व आरक्षी शगुन पूरी तरह सुरक्षित रहे। पीआरवी पर तैनात दीवान सिद्धनाथ ने अटरिया इंस्पेक्टर को तहरीर देकर बताया कि मारपीट की सूचना पर जानकीनगर गांव गए थे जहां दोनों पक्ष ईंट-पत्थर चलाने लगे और गोली चलाने की सूचना

> जानकीनगर में हुई पत्थरबाजी में दीवान की तहरीर पर 5 नामजद व करीब एक दर्जन से अधिक अज्ञात के खिलाफ 307 सहित संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस जांच पड़ताल कर अग्रिम कारवाही कर रही है।
> -कपूर कुमार, सीओ, सिधौली।

मिली है। क्षतिग्रस्त पीआरवी वाहन को अटरिया पुलिस ने रात में ही सीतापुर वर्कशॉप भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अटरिया इंस्पेक्टर राकेश कुमार गुप्ता भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस ने एक पक्ष से प्रदीप व दिनेश जबकि दूसरे पक्ष से मंटू, पुच्चू व रामू तथा अनूप पाल को हिरासत में लेकर थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पिथौरागढ़ में मिला एक साल से लापता युवक

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी की पहल से रामनगर क्षेत्र के बिंदौरा परसपुर गांव से करीब एक वर्ष पूर्व लापता हुआ 35 वर्षीय युवक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में मिल गया। उसे लाने के लिए पुलिस टीम रवाना हो गयी है।

तहसीलदार विपुल कुमार सिंह ने बताया कि बिंदौरा परसपुर निवासी योगेन्द्र उर्फ पूरन (35) पुत्र सत्यप्रकाश, जो मंदबुद्धि है। बीते मार्च 2025 में कुर्सी थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाह समारोह में गया था, जहां से वह लापता हो गया था। परिजनों द्वारा तलाश के बावजूद उसका सुराग नहीं मिल सका था। नववर्ष के दिन 1 जनवरी को पिथौरागढ़ के बेरीनाग गांव निवासी त्रिभुवन पाठक ने डीएम को फोन कर सूचना दी कि उनके यहां पूरन नामक एक व्यक्ति मिला है, जो बाराबंकी जाने की बात कह रहा है और बीच-बीच में रामनगर का नाम भी ले रहा है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराई, जिसमें उक्त व्यक्ति की पहचान बिंदौरा परसपुर निवासी योगेन्द्र उर्फ पूरन के रूप में हुई। रामनगर तहसील प्रशासन ने पिथौरागढ़ जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर युवक के परिजनों से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत कराई। पहचान की पुष्टि होने के बाद डीएम के निर्देश पर प्रशासन और पुलिस विभाग ने युवक को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की। शुक्रवार को लापता युवक के भाई अमरेंद्र कुमार को पुलिस टीम के साथ बेरीनाग (पिथौरागढ़) रवाना किया गया।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें वाहन चालक

बाराबंकी, अमृत विचार : परिवहन विभाग द्वारा 1 से 31 जनवरी तक चलाए जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत शुक्रवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय परिसर में बस, ट्रक, ऑटो, ई-रिक्शा व टैक्सी चालक यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ जीरो फैटेलिटी को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) बलवंत सिंह यादव ने चालकों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव, ड्रिंक एंड ड्राइव न करने और वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने पर जोर दिया। यातायात प्रभारी रामयतन यादव ने बताया कि दुर्घटनाओं का मुख्य कारण थकान, लापरवाही और नशे की हालत में तेज वाहन चलाना है। उन्होंने लंबी यात्रा के दौरान थकान होने पर वाहन रोककर विश्राम करने की सलाह दी। कार्यशाला में ट्रक एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता अंगद वर्मा सहित विभिन्न स्टैंडों के चालक मौजूद रहे।

सीओ रामसनेहीघाट को मिला मेडल

सम्मानित करते एसपी। ● अमृत विचार

बाराबंकी : अमृत विचार : मुख्यमंत्री द्वारा सीओ रामसनेहीघाट को महाकुम्भ सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है। सीओ रामसनेहीघाट जटाशंकर मिश्र को महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, और विशिष्ट सेवाओं के लिए 'महाकुंभ सेवा मेडल' एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। एसपी ने सीओ को यह मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

फोरलेन सड़क निर्माण की तैयारियां शुरू

देवा, बाराबंकी

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ के इटौंजा से वाया कुर्सी, देवा होते हुए माती किसान पथ तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण की दिशा में प्रशासन ने औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को देवा कस्बे के कुर्सी रोड पर राजस्व विभाग की टीम ने सड़क के दोनों ओर अधिग्रहण की जद में आने वाली भूमि की नपाई और चिन्हांकन का कार्य आरंभ किया।

जानकारी के अनुसार लखनऊ के इटौंजा से वाया कुम्भरावा, कुर्सी, देवा, ग्वारी व बरेठी होते हुए माती किसान पथ तक फोरलेन नेशनल हाईवे निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल चुकी है और इसके लिए बजट भी जारी होने की संभावना है। परियोजना के तहत देवा कस्बे के भीतर सड़क के मध्य बिंदु (गोला) से दोनों ओर लगभग 12.5-12.5 मीटर भूमि अधिग्रहीत की जाएगी। इसी क्रम में शुक्रवार को राजस्व कर्मी सुनील कुमार वर्मा के नेतृत्व में टीम ने कुर्सी रोड स्थित भवनों और दुकानों की नपाई-जोखाई की। टीम ने भवन स्वामियों से संबंधित अभिलेखों की जांच की और दाखिल-खारिज की पुष्टि भी की। राजस्व कर्मी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि यह प्रारंभिक कार्रवाई है और शासन के निर्देश पर इटौंजा से माती तक कुल 25 मीटर चौड़ी भूमि चिन्हित कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया जल्द पूरी कर संबंधित विभाग को रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

नपाई और चिन्हांकन करती राजस्व विभाग की टीम। ● अमृत विचार

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी

अमृत विचार : लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर शुक्रवार शाम करीब साढे सात बजे लोनीकटरा थाना क्षेत्र के दहिला डेयरी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई वहीं उसकी मां घायल हो गई।

थाना क्षेत्र के ही मुर्तिहा मजरे तेजवापुर निवासी सतगुर (28) अपनी मां ईश्वर देई(55) को बाइक से लेकर लखनऊ से घर जा रहा था। जहां सड़क दुर्घटना मे दोनो लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया जहां सतगुर को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वही ईश्वर देई का इलाज चल रहा है।

हादसों में घायल दो की मौत, कई वाहन भिड़े

हैदरगढ़, सफदरगंज, मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : एक दिन पूर्व हुए हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं एक अन्य हादसे में बाइक सवार ने दम तोड़ दिया। इसी तरह बाराबंकी रामनगर हाईवे पर तीन वाहन आपस में टकरा गए, एक ट्रक सवार चालक व खलासी घायल हुए हैं। लखनऊ-सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हैदरगढ़ के खरसतिया के पास गुरुवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल बाइक सवार दूसरे युवक की भी मौत हो गई।मोसूपुर गांव निवासी अरुण रावत (28) और रामू रावत (40) बाइक से हैदरगढ़ से घर लौट रहे थे, तभी हादसा हुआ। पुलिस दोनों को सीएचसी हैदरगढ़ ले गई, जहां अरुण को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल रामू को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सफदरगंज थाना क्षेत्र में अयोध्या से बाइक से वापस घर लौट रहे राजन कुमार वर्मा (24) पुत्र राकेश निवासी ग्राम लेटुवा, थाना महमूदाबाद जिला सीतापुर रसौली के पास गुरुवार दिन में हुए सड़क हादसे में घायल हो गए थे। जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार शाम बाराबंकी-रामनगर हाईवे पर मसौली चौराहे के पास दो ट्रकों की टक्कर हो गई। पीछे से आ रही एक कार भी ट्रक से टकरा गई, हालांकि कार सवार चारों लोग बाल-बाल बच गए, लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में ट्रक चालक तिलक राम (45) और खलासी महादेवराज (22) निवासी जनपद गोंडा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी बड़ागांव से जिला अस्पताल रेफर किया गया।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : ढ़वल में शुक्रवार को एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम बुढ़वल निवासी उस्मान की 17 वर्षीया पुत्री सीमा शुक्रवार को घर के एक कमरे में गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने उसे आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इस पर परिजनों ने कड़ी मशक्कत कर दरवाजा खोला तो देखा कि सीमा फंदे से लटक रही थी। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मतदाता सूची में नाम गायब देखकर ग्रामीण हुए परेशान

रामसनेहीघाट, बाराबंकी: विकास खंड दरियाबाद की ग्राम पंचायत गाजीपुर में मतदाता सूची में सैकड़ों नाम न होने की शिकायत जिला प्रशासन से की गई है। आरोप यह कि यह नाम जान-बूझकर हटाए गए हैं। वहीं तहसील प्रशासन आरोप को सिरे से खारिज कर रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य दिग्विजय सिंह की ओर से जिलाधिकारी से की गई लिखित शिकायत में कहा गया है कि न तो कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया। अचानक नाम कटने से लोग हैरान हैं। कई परिवारों के सभी सदस्यों के नाम एक साथ हटाए जाने की बात सामने आई है। ग्राम गाजीपुर निवासी सीमा पत्नी रामलाल ने बताया कि उनके परिवार के पांचों सदस्यों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, इसी तरह बनपुरवा गांव के सत्यनाम यादव, रामप्रताप, बृजेश कुमार, रामनरेश, गीता देवी, राजेश कुमार सहित दर्जनों ग्रामीणों ने वर्षों से मतदाता होने के बावजूद नाम न होने की शिकायत की है। इस मामले में तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा का कहना है कि नाम कटने की बात गलत है। शिकायत की जांच की जा रही है। वहीं दावा आपत्ति की प्रक्रिया में छूटे नाम जोड़ने का अवसर है।

जाजमऊ के पास गंगा में मृत मिली डाल्फिन

कानपुर, अमृत विचार : जाजमऊ गंगा पुल के नीचे शुक्रवार को एक डाल्फिन मछली मृत पाई गई। उसकी मौत की वजह प्रदूषण को बताया जा रहा है। डाल्फिन का शव देख नाविकों ने उसे बाहर निकाला और इसकी सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अब पोस्टमार्टम के बाद ही तय होगा कि मौत की असली वजह क्या है। शुक्रवार देर शाम कुछ नाविक गंगा में मछलियां पकड़ रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक बड़ी डाल्फिन किनारे लगी हुई है। जब उन्होंने उसे हिलाया तो पता चला कि वह मृत अवस्था में है। इस पर नाविकों ने पहले सइकी सूचना जाजमऊ पुलिस को दी। पुलिस ने उसे नाविकों की मदद से बाहर निकलवाया। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी गई।

बच्चों के कार्यक्रमों ने मोह लिया मन

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : लिल्हौरा वार्ड स्थित प्रकाश इंटर कॉलेज का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। पहले दिन बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। दूसरे दिन विज्ञान प्रदर्शनी, बाल मेला, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता हुई। शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम राजेश विश्वकर्मा एवं विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, ऑपरेशन सिंदूर, रानी लक्ष्मीबाई, शिवाजी, नवदुर्गा, हनुमान चालीसा तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचाव पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। बाल मेले में छात्रों ने चाट, फास्ट फूड एवं मिष्ठान्न की दुकानें लागयीं। मुख्य अतिथि एसडीएम ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी ने विद्यालय के अनुशासन, शिक्षण व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के उन्नयन के लिए विद्यालय प्रबंधन व शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक आर.पी. यादव, संरक्षक पंकज कुमार यादव, प्रधानाचार्य पशुपतिनाथ पांडेय, प्रधानाध्यापक अनुराग पांडेय, दीपचंद शर्मा, सौरभ दीक्षित, अतुल शुक्ला, बंदना श्रीवास्तव, शोभा गुप्ता, विजय कुमार लोधी सहित समस्त अध्यापक-अध्यापिकाएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर मौजूद बच्चे व कॉलेज स्टाफ। ● अमृत विचार

अवैध मिट्टी खनन से बिजली लाइनों के ध्वस्त होने का खतरा

लखनऊ, अमृत विचार : प्रयागराज में पावरग्रिड के अति उच्च वोल्टेज लाइनो जैसे 400 केवी इलाहाबाद- कानपुर लाइन एवम 220 केवी इलाहाबाद-झूंसी लाइन आदि के टावरों के आसपास ईंट भट्ठा मालिकों एवं अन्य असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध मिट्टी खनन से बिजली लाइनों के ध्वस्त होने और पूर्ण ब्लैकआउट का खतरा मंडरा रहा है। पावरग्रिड के अधिकारियों द्वारा बार-बार चेतावनियों और जिला प्रशासन को सूचना देने के बावजूद ईंट भट्ठा मालिक खुलेआम नियम तोड़ रहे हैं। प्रयागराज मे आयोजित माघ मेला में बिजली आपूर्ति चरमरा सकती है। मुख्य जनसंपर्क प्रबंधक नीरज पाण्डेय ने प्रशासन

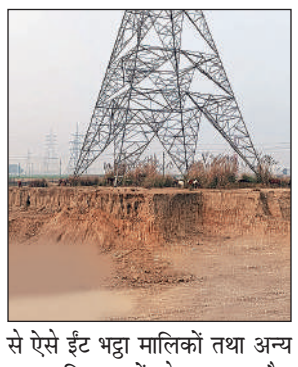

से ऐसे ईंट भट्ठा मालिकों तथा अन्य असामाजिक तत्वों को तत्काल अवैध मिट्टी खुदाई बंद करने और टावरों से दूर रहने के सख्त आदेश जारी करने तथा उल्लंघन पर सीधे एफआईआर, भट्ठा सील और कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

साईंधाम भोलेनाथ मंदिर में बच्चों को कराया जलपान, बांटे गए कंबल

संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : गोमतीनगर के विभूति खंड स्थित साईं धाम-भोलेनाथ मंदिर में शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर व उनकी धर्मपत्नी जयदेवी कौशल ने मंदिर में आयोजित हवन-पूजन में हिस्सा लिया। इसके बाद मंदिर प्रांगण में पढ़ने वाले बच्चों को जलपान कराया तथा ठंड से बचने हेतु गरम कंबलों का वितरण किया। अपने संबोधन में कौशल किशोर ने कहा कि समाज के लिए नशा एक अभिशाप है और सरल भाषा में बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। बच्चों से कहा कि वे किसी के भी बहकावे में न आएं और नशे से परहेज करें और परिवार का कोई सदस्य नशे का लती है तो उसका नशा छुड़वाएं। उन्होंने कहा कि साईंधाम में बच्चे होनहार बन रहे हैं। जयदेवी कौशल ने सभी बच्चों को जलपान कराया और उन्हें आशीर्वाद दिया। संस्था के संस्थापकों अमित शर्मा व पायल ने कौशल किशोर को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

बच्चों को बांटे गये कंबल। अमृत विचार

अयोध्या ने स्वास्थ्य सेवाओं में लखनऊ को भी पीछे छोड़ा

एफआरयू पर सिजेरियन प्रसव कराने के मामले में अयोध्या प्रदेश में पांचवें स्थान पर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : भगवान राम की नगरी अयोध्या अब केवल आस्था और पर्यटन का केंद्र ही नहीं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के शुरुआती महीनों में अयोध्या जिले ने फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) पर सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण सिजेरियन (सी-सेक्शन) प्रसव कराने में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। राज्य के अन्य प्रमुख जिलों जैसे लखनऊ और गोरखपुर से भी आगे निकलते हुए अयोध्या प्रदेश में इस क्षेत्र में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यह सफलता स्वास्थ्य विभाग में हर्ष की लहर लेकर आई है।

सीएमओ डॉ. सुशील कुमार के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप अयोध्या में कुल पांच एफआरयू पूरी तरह सक्रिय हैं, जहां आपातकालीन प्रसूति सेवाएं 24 घंटे निर्बाध रूप से संचालित की जा रही हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जुलाई तक जिले में कुल 806 सफल सी-सेक्शन ऑपरेशन किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा प्रति एफआरयू प्रति माह औसतन 16.1 सी-सेक्शन के बराबर है। यह स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित टीमवर्क, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और प्रभावी प्रशासनिक निगरानी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। डॉ. सुशील कुमार बनियान ने बताया कि यह उपलब्धि केवल संख्याओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जिले में संस्थागत प्रसव की दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आपात प्रसूति सेवाओं की मजबूती से मातृ मृत्यु दर और नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हर गर्भवती महिला को समय पर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधा मिले, खासकर उन मामलों में जहां सामान्य प्रसव संभव नहीं होता। एफआरयू पर सिजेरियन सेवाओं की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को अब जिला मुख्यालय या अन्य जिलों की ओर नहीं भटकना पड़ता।

वहीं, सीएमओ डॉ. सुशील कुमार नियमित निरीक्षण करते हैं और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की जांच, दवाओं की उपलब्धता, लैब सुविधाएं और आपातकालीन सेवाओं का जायजा लेते हैं। उन्होंने सभी चिकित्सा अधीक्षकों, विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का नतीजा है।

जानिए, जिले में कहां-कहां है एफआरयू

जिले में पांच एफआरयू हैं। इनमें पूराबाजार, मिल्कीपुर, बीकापुर, रुदौली और सोहावल शामिल है।कई केंद्र पर स्त्री रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, नर्सिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी कर्मियों की टीम दिन-रात सक्रिय रहती है।

जिला	एफआरयू संख्या
गाजियाबाद	2
वाराणसी	4
सीतापुर	6
मेरठ	5
अयोध्या	5
संतकबीर नगर	4
गोरखपुर	7
लखनऊ	17
बरेली	5
कानपुर नगर	8

नोट : आंकड़े स्वास्थ्य विभाग के हैं।

शिथिलता बरतने वालों पर होगी दंडात्मक कार्रवाई : सीएमओ

अयोध्या, अमृत विचार : सीएमओ डॉ सुशील कुमार बानियान ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भरतकुंड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में ओपीडी सेवाओं, इमरजेंसी सेवाओं, औषधीय निरीक्षण एवं औषधीय की उपलब्धता, साथ ही प्रसव कक्ष एवं जरनल वार्ड, को सूक्ष्मता से देखा, साथ ही उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आमजन को सभी स्वास्थ्य सेवाओं प्रदान की जाय अगर कोई अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य में शिथिलता बरतता है तो उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महबूबा को आशिक की शादी की फोटो भेजने पर दोस्तों ने किया था कत्ल

अयोध्या कार्यालय: दो दोस्तों ने अपने एक दोस्त का बेरहमी से सिर्फ इसलिए कत्ल कर डाला कि उसने दोस्त की शादी की फोटो उसकी महबूबा को भेज दी थी। इसे लेकर दोस्तों को इतना गुस्सा आया कि पहले बांके से वार कर उसे मौत के घाट उतारा, फिर हत्या को आत्महत्या दर्शाने के लिए नदी में फेंक दिया। कई दिनों तक पुलिस को बरगलाने के बाद आरोपी सख्ती के बाद टूटे और अपना गुनाह कबूल किया। पुलिस भी उनके इस कबूलनामे को लेकर हतप्रभ रह गई। दोनों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया है। शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में हत्या की वारदात का खुलासा करते हुए एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि 27 दिसंबर को खंडासा थाना क्षेत्र के खानपुर निवासी आशाराम रावत ने अपने पुत्र शुभम रावत के लापता होने की सूचना रौनाही थाना पुलिस को दी थी। इसकी जांच कर रहे रौनाही थाना प्रभारी लालचंद सरोज व उनकी टीम को पता चला कि 26 दिसंबर को शुभम अपने दोस्त अंकुर पांडेय (22) निवासी ग्राम अहिरन का पुरवा मौजा डीली सरैया थाना खंडासा व गिरीश रावत (25) निवासी ग्राम बभनियावां थाना रौनाही के साथ गया था। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया था। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि रौनाही पंपिंग स्टेशन के पास नहाते समय शुभम नदी में डूब गया है। बाद में सख्ती बरतने पर दोनों ने हत्या की वारदात स्वीकार की।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

भारत-नेपाल सीमा पर एजेंसियां रही अलर्ट

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नये वर्ष पर भारत–नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा एजेन्सी अलर्ट रहीं। बार्डर पार करने वाले हर व्यक्ति वाहन, वैग, झोला, बोरी आदि की जांच की गई। बढ़नी से लेकर ककरहवा बॉर्डर तक सुरक्षा व्यवस्था सख्त नजर आई। पहचान पत्र देखने के बाद ही इस पार से उस पार आने जाने दिया जा रहा था। एसएसबी के अलावा सीमावर्ती थाने की पुलिस भी गश्त करती रहीं। बता दें कि जनपद की 68 किलोमीटर सीमा नेपाल बार्डर से लगती है, जो सुरक्षा के लिहाज से बहुत ही संवेदनशील है। थानाध्यक्ष ढेबरूआ नारायण लाल श्रीवास्तव एवं थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह ने बताया कि संवदेनशील क्षेत्रों में विशेष चौकसी बढ़ा दी गई है। संदिग्धों की पहचान करके उन पर भी प्रशासन की नजर है। आने–जाने वालों वाहनों की भी जांच की जा रही है।

पिकअप सहित 50 बोरी यूरिया पकड़ा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सशस्त्र सीमा बल सीमा चौकी महादेव बुजुर्ग की टीम ने गत दिनों बॉर्डर के सटे बसन्तपुर गांव के पास से पिकअप चालक तस्कर सहित 50 बोरी यूरिया को दबोचा। अभियुक्त ने अपना नाम रामदास यादव निवासी मदरहवा थाना इटवा बताया। उसने बताया कि वह यूरिया नेपाल लेकर जा रहा था। वहीं पुलिस ने आरोपी सहित खाद को आगे की कार्रवाई के लिए बढ़नी कस्टम कार्यालय को सुपुर्द कर दिया है। उप कमाण्डेन्ट भूपेन्द्र ने बताया कि बॉर्डर पर तस्करी सहित अन्य प्रकार की गतिविधियों को रोकने के लिए नियमित गश्त की जाती है। इसी बीच बुधवार शाम को जानकारी मिली कि बसन्तपुर गांव पास एक पिकअप खड़ी है। उसमें यूरिया लदा है। वह नेपाल ले जाने की फिराक में है। एसएसबी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए टीम को रवाना किया गया। वहीं बताये हुए स्थान पर पहुंचकर एसएसबी के जवानों ने पिकअप की तलाशी ली, जिसमें 50 बोरी यूरिया बरामद हुआ।

सांसद के जन्मदिन पर हजारों जरूरतमंदों को मिले कंबल

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

- जन्मदिवस अभिनंदन समारोह में शामिल हुए नगर विकास मंत्री
- कहा- जगदंबिका पाल जनता के प्रति पूर्णत : समर्पित जननेता

अमृत विचार। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने लोकसभा क्षेत्र डुमरियागंज के सांसद के जन्मदिवस के अवसर पर तुलसियापुर में आयोजित जन्मदिवस अभिनंदन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर जनसेवा और सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए लगभग चार हजार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित किए गए। मंत्री श्री शर्मा ने स्वयं कई गरीब परिवारों को अपने हाथों से कंबल प्रदान कर सेवा भाव का संदेश दिया।

अपने संबोधन में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने सांसद जगदंबिका पाल को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगदंबिका पाल जी जनता के प्रति पूर्णतः समर्पित ऐसे जननेता हैं, जिनकी बात दिल्ली से लेकर लखनऊ तक गंभीरता से सुनी जाती है। कहा कि सांसद पाल की प्राथमिकता हमेशा क्षेत्र का विकास और आमजन की भलाई रही है।

गरीबों को कंबल वितरित करते नगर विकास मंत्री ए .के . शर्मा व सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल। अमृत विचार

कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, चेयरमैन गोविंद माधव, जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर जनपद में लगभग 2000 करोड़ रुपये से अधिक के कराये गए विकास कार्य

नगर विकास मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि नगर विकास विभाग द्वारा सिद्धार्थनगर जनपद में लगभग 2000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य कराए गए हैं, जिनमें से आधे से अधिक कार्य सांसद जगदंबिका पाल की अनुशंसा पर स्वीकृत और पूर्ण हुए हैं। इसके साथ ही विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी उनके सतत प्रयासों से अनेक मजरों और गांवों में बिजली पहुंचाई गई, जिससे ग्रामीण जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नए साल और जन्मदिवस जैसे अवसरों पर विदेश या पर्यटन स्थलों पर न जाकर जनता के बीच रहकर उत्सव मनाना, उनके जनसेवक होने का प्रमाण है।

शिक्षकों में अपने भविष्य को लेकर है अनिश्चितता

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी।

- शिक्षक विधायक विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों के समायोजन व स्थानान्तरण पर उठाये सवाल

अमृत विचार। जिले के परिषदीय विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों का समायोजन, स्थानान्तरण के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है। यह केवल अपनी कमियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। इससे शिक्षकों में अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को बेसिक शिक्षा विभाग के असंगत और मनमाने ढंग से सरप्लस शिक्षकों के स्थानान्तरण करने के विरोध में प्रेसवार्ता किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक जिलों में अधिकारियों की सह पर शोषण व उत्पीड़न चरम पर है। उन्होंने सत्र के बीच में स्थानान्तरण के औचित्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सत्र आरम्भ के दौरान या ग्रीष्म कालीन छुट्टी के बीच किया जाना चाहिए। वर्तमान में जिन बन्द विद्यालय पर शिक्षकों की तैनाती की जायेगी, वहां छात्र नामांकन कैसे होगा, वहां आगे तीन माह तक शिक्षक कौन सा कार्य करेंगे यह समझ से दूर है। प्रदेश के अधिकारियों का यह तुगलकी फरमान है, इन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है। कहा कि मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से पत्र लिखकर मध्य सत्र में बन्द और एकल विद्यालयों में समायोजन की प्रक्रिया को तत्काल बन्द करने की मांग करेंगे।

निशांत हत्याकांड में दो को जेल, बंद रहा बाजार

थमने का नाम नही ले रहे परिजनों के आंसू, सांत्वना देने वालों का घर पर लगा रहा तांता

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार। अमृत विचार: कसया थाना क्षेत्र के युवक निशांत सिंह हत्याकांड में पुलिस ने दो अभियुक्त नौसाद अंसारी पुत्र अनवर अंसारी व फैशल अंसारी पुत्र मुर्तुजा अंसारी ग्राम जुड़वनिया थाना कसया कुशीनगर को घटना में प्रयुक्त एक आलाकत्ल चाकू, बुलेट बाइक व दो अदद मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर कसया पुलिस ने जेल भेज दिया।

वहीं दूसरी ओर निशांत सिंह उर्फ शक्तिमान सिंह की बेरहमी से की गई हत्या के तीसरे दिन भी चौराहे पर दुकान बंद रही। घटना के बाद से ही पुलिस की गाड़ियों के सायरन से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रहा। वही परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। घटना के बाद से ही सत्ता पक्ष और विपक्ष सहित हिंदूवादी नेताओं का निशांत के घर जाकर शोक संवेदना का दौर शुक्रवार को भी जारी रहा। रोते-बिलखते परिजन वह ग्रामीण आरोपियों के एनकाउंटर और उनके घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग पर अड़े रहे। तनाव व सुरक्षा के मद्देनजर दोनों गांवो व चौराहो पर कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी बल तैनात है। वहीं आरोपियों के घर पर भी पुलिस का पहरा है।

निशांत के घर सांत्वना देने पहुंचे हिंदूवादी नेता। अमृत विचार

कसया थाने का आकस्मिक निरीक्षण करते डीआईजी गोरखपुर एस चन्नप्पा।

कट्टरपंथियों का यह कृत स्वीकार नहीं- शलभ मणि

कुशीनगर, अमृत विचार : कुशीनगर के कसया के जुड़वनिया गांव में बीते बुधवार को निशांत उर्फ शक्तिमान सिंह की हत्या को देवरिया के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण व निन्दनीय बताया है। उन्होने प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण व एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश को इस घटना से अवगत कराने के साथ ही कुशीनगर जिला प्रशासन से बात करके चरमपंथियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई के लिए कहा है। कट्टरपंथियों के ऐसे कृत्यों को कभी स्वीकार नहीं नहीं किया जाएगा। घटना के संबंध में उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा कठोरतम कार्यवाही होगी जो नजीर बनेगी।

डीआईजी ने कसया थाने का किया निरीक्षण कहा- निशांत सिंह की हत्या बेहद दुर्भाग्यपूर्ण

संवाददाता कुशीनगर। गोरखपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) एस चन्नप्पा ने शुक्रवार दोपहर बाद जिले के थाना कसया का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना कार्यालय के अभिलेखों, महिला साइबर हेल्प डेस्क व नवगठित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर अभिलेखों के उचित रखरखाव व साफ–सफाई हेतु संबधित को आवश्यक निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने कसया के जुड़वनिया गांव में हुई निशांत सिंह की हत्या को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की बात कही। मातहतों को अपराधियों व तस्करों पर शिकंजा कसने का निर्देश दिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा समेत जिले के कई उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ नगर निगम
लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ–226001 (उ.प्र.)
email : nnlko@nic.in, e-tender portal : https://etender.up.nic.in

पत्रांक :307/मु.अ./25–26 दिनांक : 02.01.2026

शुद्धि–पत्र

कृपया ई-निविदा नोटिस सं. 289/मु.अ./25–26 दिनांक 26.12.2025 के अन्तर्गत दिनांक 03.01.2026 को आमंत्रित निविदा को अपरिहार्य कारणों से दिनांक 05.01.2026 तक विस्तारित किया जाता है। ई निविदा दिनांक 05.01.2026 तक प्राप्त की जायेगी एवं उसकी तकनीकी निविदा दिनांक 05.01.2026 सायं 04.00 खोली जायेगी। शेष नियम व शर्ते पूर्ववत रहेंगी।

मुख्य अभियन्ता

कृभको
राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ (उ.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

दिनांक : 03.01.2026

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) अपने राज्य विपणन कार्यालय लखनऊ की साफ़ -सफाई ,रख –रखाव, गार्डनिंग के लिए हाउसकीपिंग एजेंसी की नियुक्ति करने के लिए टेंडर आमंत्रित करता है। आवश्यकता निम्न है-

1- सफाई कर्मचारी- 2 (0800 to 1700 Hrs)
2- माली – 1 (0800 to1700 Hrs)

टेंडर फॉर्म एवं अन्य जानकारी कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड राज्य विपणन कार्यालय टी. सी. 28 विभूति खंड गोमती नगर-लखनऊ -226010 से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं (दूरभाष - 7289998299)। टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 03.01.2026 समय 12.00 PM है। प्राप्त निविदाये 03.01.2026 को दोपहर 2.30 बजे उपस्थित पार्टियों के समक्ष खोली जाऐंगी।

किसी भी निविदा या समस्त निविदाओं को स्वीकार/ अस्वीकार करने का अधिकार कृभको प्रबंधन के पास सुरक्षित है।

राज्य विपणन प्रबंधक
राज्य विपणन कार्यालय
टी. सी. 28 विभूति खंड
गोमती नगर - लखनऊ-226010

बाइक सवार भाई–बहन को बस ने मारी टक्कर, बहन की मौत

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अनीसा की फाइल फोटो।

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के हाइवे स्थित नवीन सब्जी मंडी के पास शुक्रवार को किसी काम से गोरखपुर जा रहे बाइक सवार भाई -बहन को बस ने रौंद दिया। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी युवती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भाई को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया।

बस्ती जिले के मुंडेरवा थाना क्षेत्र के ओड़वारा बाजार के रहने वाले शैलेश (26) पुत्र रंगीलाल अपनी इकलौती बहन अनीसा (23) को बाइक पर बैठाकर शुक्रवार को दोपहर में किसी काम से गोरखपुर जा रहे थे। भाई-बहन अभी हाईवे पर नवीन मंडी खलीलाबाद के पास पहुंचे ही थे। उसी दौरान उन्हें बस ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी बहन अनीसा की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहे भाई शैलेश को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद आस-पास के लोग जुट गए। लोगों की मदद से अपनी बहन को जिला अस्पताल ले गया, वहां देखते ही डॉक्टर ने बहन को मृत घोषित कर दिया। इकलौती बहन की मौत से भाई शैलेश सिसक रहा था। पूछने पर बताया कि बस ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वह उछल कर दूर गिरा और हेलमेट पहनने की वजह से सिर पूरी तरह सुरक्षित बच गया। जबकि, बहन को बस ने रौंद दिया। उसकी आंखों के सामने ही उसकी बहन ने दम तोड़ दिया।

स्वास्थ्य विभाग ने जेपी अस्पताल को किया सीज

कुशीनगर, अमृत विचार : शुक्रवार को हाटा नगर के कप्तानगंज रोड पर चल रहे जेपी हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी की तो अस्पताल पर कोई डाक्टर मौजूद नहीं रहा। अस्पताल में कप्तानगंज निवासी इंदु देवी का आपरेशन से बच्चा होने के बाद भर्ती थीं। जांच में अस्पताल का पंजीकरण भी नही था। अस्पताल को सीज कर भर्ती मरीज इंदु देवी को एंबुलेंस से सीएचसी हाटा भेजवाया गया। नगर के कप्तानगंज तिराहे के पास चल रहे शारदा हॉस्पिटल की जांच में न तो वहां डॉक्टर मिले न ही मरीज, टीम संतोषी हॉस्पिटल पहुंची वहां भी कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था और अस्पताल का पंजीकरण भी नही पाया गया। एमएम हॉस्पिटल पर टीम पहुंची तो अस्पताल बंद मिला। इस दौरान नायब तहसीलदार सुनील कुमार सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ मुकेश यादव हाटा के चिकित्सक डॉ. सुनील निषाद टीम में मौजूद रहे।

बता दें कि जिले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संरक्षण के चलते अवैध अस्पताल व अल्ट्रासाउंड सेंटर्स की बाढ़ सी आ गई है। इन अवैध अस्पतालों में कई लोग जान भी गवां चुके हैं।

तृतीय तिमाही में 145 करोड़ से अधिक की आय

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से ये स्थल स्वच्छ एवं साफ–सुथरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2025–26 के तृतीय तिमाही में माह दिसम्बर, 2025 तक 'मिशन ज़ीरो स्क्रैप' के तहत स्क्रैप निस्तारण से रू. 146.19 करोड़ की आय हुई है तथा माह दिसम्बर, 2025 में स्क्रैप निस्तारण से रू. 22.26 करोड़ की आय हुई है।

लखनऊ नगर निगम
टी.एन. मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ईमेल–आईडी–nnlko@nic.in
ई–टेण्डर पोर्टल–https://etender.up.nic.in

ई–निविदा सू०सं०: 306/मु0अ0/2025–26 दिनांक: 02.01.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा टू–बिड सिस्टम पर दिनांक 22.01.2026 को 01 कार्य हेतु ई–निविदा, ई–निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0 एस/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन किया जायेगा। ई–निविदा दिनांक 22/01/2026 को अपराह्न 15.00 बजे तक ई–निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें दिनांक 22.01.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई–निविदा यो स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्ते यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य अभियन्ता
लखनऊ नगर निगम

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम ISLAM ALI USMAN ALI था जिसे बदलकर अब मैंने ISLAM ALI रख लिया है। अब मुझे ISLAM ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O USMAN ALI, ADD-H.No.-265 B, KHUDEPUR, POST-SINGHA CHANDA, TARABGANJ, GONDA-271403

सूचना

मैं श्रीरामसुत रामलखन निवासी ग्राम रानीगंज, मजरे दौलतपुर लोनहट, पोस्ट रानीगंज, थाना भाले सुलतान शहीद स्मारक, तहसील मुसाफिरखाना, जिला–अमेठी उ0प्र0, मेरे दो पुत्र क्रमशः आशू व पियूश है जिसमें से छोटे पुत्र पियूश का चाल–चलन ठीक नहीं है वह पूरे परिवार को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहता है और किसी के समझाने–बुझाने का उस पर कोई असर नहीं होता है। पियूश की गलत व बेजा चाल–चलन व अनैतिक आचरण के कारण मैने उससे अपना सारा सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। पियूश द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा, उससे मेरा व मेरे परिवार के लोगों से कोई लेना–देना नहीं है। मै उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से अपने छोटे पुत्र पियुश को बेदखल कर रहा हूँ।

सूचना

मैने अपना नाम ANJUM HAMEED से बदलकर ANJUM KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-HAMEED KHAN ADD-H-No-253/41, MALIHABAD HOUSE, OPPOSITE PUBLIC LAUNDRY, NADAN MAHAL ROAD, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MU AFJAL से बदलकर MOHD AFJAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHD SHAHID ADD-106, TIYARI MACHHARAULI, DIST-SULTANPUR-228119 (U.P.)

NOTICE

I, RANJANA OJHA, WIFE OF MR. ASIF AHMAD SIDDIQUI, R/O- FLAT NO. A1, FAIZABAD ROAD, SARAY HASAN GANJ, DALI GANJ, P.O.-NIRALA NAGAR, LUCKNOW, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO AYASHA, AND HENCEFORTH I SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS AYASHA.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करता है कि मेरे पुत्र का सही नाम अविरल दिवाकर मिश्रा पुत्र श्री अनिल कुमार मिश्रा जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है, त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0 8147 5236 4116 में उसका नाम सबल अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम अविरल दिवाकर मिश्रा पुत्र अनिल कुमार मिश्रा निवासी मोहल्ला काशीपुर कस्बा व थाना व तहसील रुदौली जनपद अयोध्या उ0प्र0 के नाम से जाना व पहचाना जाय। **अनिल कुमार मिश्रा पुत्र दिवाकर मिश्रा निवासी मोहल्ला काशीपुर कस्बा व परगना व तहसील रुदौली जनपद अयोध्या उ0प्र0**

नीलामी सूचना

दिनाँक 08–01–2026 अपरान्ह 3.00 बजे वेतन लेखा कार्यालय (अन्य श्रेणी) राजपूत रेजीमेन्ट सेन्टर, किला घाट, फतेहगढ़, छावनी में अनुपयोगी/निष्प्रयोज्य घोषित कार्यालय फर्नीचर, अन्य सामग्रियों की नीलामी, सिक्योरिटी रु0–10,000/– बैकड्राफ्ट "PCDA (ARMY) LUCKNOW" के नाम, जी. एस. टी. पंजीकरण, आधार, पैनकार्ड के साथ जमा होगी।

आई0पी0 सिंह एण्ड सन्स – 9919503110,

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राथह्न का नाम परिवार रजिस्टर, खतौनी व निवास प्रमाण पत्र में राम बहादुर पुत्र शिवप्रसाद दर्ज है जबकि आधार कार्ड में प्राथह्न का नाम गोली पुत्र शिव प्रसाद अंकित है। दोनों नाम प्रार्थी का ही है। प्रार्थी को अब राम बहादुर पुत्र शिव प्रसाद के नाम से जाना पहचाना जाए। **प्रार्थी राम बहादुर पुत्र शिवप्रसाद निवासी ग्राम–चौहट्टा, पोस्ट–झालीधाम, परगना, तहसील व जिला–गोंडा (उप्र)**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी के पिता राम खेलावन पुत्र सुखराज का चाल चलन ठीक नही रहता है उम्र अधिक होने के कारण उनकी सोचने समझने की क्षमता क्षीण हो चुकी है बीमार रहते उनका मानसिक संतुलन भी ठीक नही रहता ऐसी स्थिति में अगर कोई भी व्यक्ति शपथी के पिता राम खेलावन की चल अचल संपति पैतृक या बाहरी का हिबानामा वसीयत बैनामा दानपत्र या किसी भी प्रकार की लिखा पढ़ी करवाता है तो वह मान्य नही होगा लिखाने वाला व्यक्ति इसका स्वंय जिम्मेदार होगा। रामकुमार पुत्र रामखेलावन ग्राम पूरे कांशीराम मजरे डोभियारा पर0 इसौली तह0 बल्दीराय सुलतानपुर

बुलेट ट्रेन से मुंबई से अहमदाबाद की यात्रा सिर्फ 1 घंटा 58 मिनट में पूरी होगी

नई दिल्ली, अमृत विचार। केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई–अहमदाबाद तीव्र गति बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के पालघर में पहली पर्वतीय सुरंग निर्माण में उल्लेखनीय सफलता मिलने की घोषणा की। पालघर जिले में सबसे लंबी सुरंग में से एक, लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी पर्वतीय सुरंग–एमटी–5, विरार और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है। एमटी–5 सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से अत्याधुनिक ड्रिल और ब्लास्ट विधि से 18 महीने में पूरा किया गया। इस विधि से खुदाई में जमीन की वास्तविक समय में निगरानी हो सकती है।

रेलगाड़ियों के संचालन रहेगा बदलाव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुये गाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन किया जायेगा।

शॉर्ट टर्मिनेशन–गाजीपुर सिटी से 02, 03, 04, 13, 14, 15, 17, 18, 19, 22, 23, 24, 31 जनवरी तथा 01, 02, 14, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 65117 गाजीपुर सिटी–प्रयागराज संगम मेमू गाड़ी प्रयागराज संगम के स्थान पर फाफामऊ स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी। मनकापुर से 02, 03, 04, 13, 14, 15, 17, 18, 19, 22, 23, 24, 31 जनवरी तथा 01, 02, 14, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 14234 मनकापुर–प्रयागराज संगम एक्सप्रेस प्रयागराज संगम के स्थान पर प्रयाग स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी। बस्ती से 02, 03, 13, 14, 17, 19, 23, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 14232 बस्ती–प्रयागराज संगम एक्सप्रेस प्रयागराज संगम के स्थान पर प्रयाग स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी।

अस्थाई ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला–2026 के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये रेलगाड़ियों का उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल के प्रयाग स्टेशन पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव 1 जनवरी से 20 फरवरी तक प्रदान किया जा रहा है। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

कार्यालय: भूमि संरक्षण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग इटियाथोक गोण्डा –4

पत्रांक/ /भू0सं0अ0/कार्या0भवन/भण्डार/2025–26/ दिनांक

कार्यालय आदेश

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि स्थान इटियाथोक जनपद गोण्डा में कार्यालय स्थापना के लिये 1000 से 1300 वर्ग फुट कारपेट एरिया वाले भवन जिसमें कम से कम 4 से 5 कमरे, शौचालय,बाथरूम तथा जीप खड़ी करने हेतु गैरज हो कार्यालय भवन किराये पर लेने की आवश्यता है। मानको को पूर्ण करने वाले इच्छुक भवन स्वामी अपनी सहमति पत्र एवं भवन मानचित्र सहित प्रस्ताव भूमि संरक्षण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग गोण्डा–4 पता 249 सिविल लाइन्स जनपद गोण्डा सिंचाई विभाग के सामने कार्यालय में प्रेषित करे।

शर्त–: शौचालय बाथरूम तथा गैरज पीने का पानी किराया देय नहीं होगा तथा जिला अधिकारी गोण्डा द्वारा प्रदत्त औचित्य प्रमाण पत्र आधार पर किराया देय होगा।

UP – 243387 दिनांक: 01/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

भूमि संरक्षण अधिकारी
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
इटियाथोक गोण्डा –4

कार्यालय
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बाराबंकी।

पत्र संख्या– 2640/ HWC/ 2025–26 दिनांक– 29/12/2025

–संशोधित विज्ञप्ति –

यह सूचित किया जाता है कि दिनांक–06 दिसम्बर 2025 को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञप्ति सं0 2375/HWC/2025–26 दिनांक–28.11.2025 में कुछ त्रुटियां पाई गई, जिनमें निम्नवत सुधार कर दिया गया है।

संशोधन विवरण

बिन्दु–1

योग सहायक के एक पद हेतु पूर्व निर्गत शासनादेशों के अनुसार प्रचलित व्यवस्था के अन्तर्गत वांछित योग्यता निम्नवत प्रकाशित हुई थी।

हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट के उपरान्त योग में न्यूनतम तीन माह का सर्टिफिकेट कोर्स एवं नेचुरोपैथी क्लीनिक/अस्पताल या योग सेन्टर में कार्य का तीन वर्षीय अनुभव हो।

अथवा

इण्टरमीडिएट या समकक्ष योग्यता के उपरान्त योग सेण्टर/नेचुरोपैथी सेण्टर/आयुष चिकित्सालय जिसमें स्वस्थवृत्त एवं योग से सम्बन्धित क्लीनिक (बहिरंग) में कार्य करने का दो वर्षीय अनुभव हो।

संशोधित पाठ

शासनादेश सं0–आ0मि0–110/96–आयुष–2–2020–127/2016 आयुष अनुभाग–2 दिनांक–11.10.2020 के अनुसार इण्टरमीडिएट या समकक्ष योग्यता के उपरान्त योग सेण्टर/नेचुरोपैथी सेण्टर/आयुष चिकित्सालय जिसमें स्वस्थवृत्त एवं योग से सम्बन्धित क्लीनिक (बहिरंग) में कार्य करने का दो वर्षीय अनुभव हो।

बिन्दु–2

योग सहायक के पद हेतु आबद्धीकरण हेतु रिक्त पदों की संख्या महिला–01 के स्थान पर महिला/पुरूष–01 पढ़ी जाये।

उपरोक्त संशोधन के साथ विज्ञप्ति को अद्यतन माना जाये।

UP – 243384 दिनांक: 01/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डा0 वीनम यादव)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला आयुष समिति/
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी,
बाराबंकी।

तैयारी | माघ मेला में होगी ट्रेनों के संचालन की निगरानी एवं भीड़ प्रबन्धन

महाप्रबन्धक ने वार रूम का किया निरीक्षण

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर उदय बोरवणकर ने शुक्रवार को को माघ मेला के परिप्रेक्ष्य में ट्रेनों के संचलन की निगरानी एवं भीड़ प्रबन्धन हेतु मुख्यालय, गोरखपुर स्थित नियंत्रण कक्ष में बनाये गये वॉर रूम में पहुंचकर प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर भीड़ प्रबन्धन हेतु किये गये उपायों की समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या को देखते हुये पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल आर.पी.एफ., वाणिज्य एवं अन्य कर्मचारियों को लगाये जाने का निर्देश दिया ताकि स्टेशन पर यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर सचिव महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, परिचालन, वाणिज्य तथा सिगनल एवं दूर संचार के वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबन्धक ने प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर निगरानी हेतु लगाये गये सी.सी. टी.वी. का गहनता से अवलोकन किया।

वॉर रूम का निरीक्षण करते महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर उदय बोरवणकर। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

गायक जुबिन गर्ग की स्मृति में बनाएंगे न्यास

गुवाहाटी। प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग के परिवार ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे उनके नाम पर एक न्यास की स्थापना करेंगे, जो गायक के दृष्टिकोण के अनुसार समाज के लिए काम करेगा। गायक की पत्नी गरिमा गर्ग और बहन पालमी बोरठाकुर ने गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। गरिमा ने कहा कि हमने अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और जुबिन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से परामर्श करने के बाद उनके नाम पर एक न्यास स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जुबिन फैन क्लब के सदस्य भी न्यास के साथ मिलकर काम करेंगे। गरिमा ने कहा कि शहर के खारघुली इलाके में स्थित पारिवारिक संपत्ति न्यास को दान कर दी जाएगी, जो वहीं से संचालन करेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगी ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में चल रही एसआईआर पर अपनी आपत्तियां औपचारिक रूप से दर्ज कराने के लिए नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी। अभिषेक बारुईपुर में 2026 की पहली राजनीतिक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने दिल्ली में चुनाव आयुक्तों के साथ हुए टकराव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुचित व्यवहार किया था, जिससे उन्हें अधिकारी को एक नामांकित अधिकारी और एक निर्वाचित प्रतिनिधि का अंतर याद दिलाना पड़ा।

तिरुपति में जल्लीकट्टू में तीन लोग घायल

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में संक्रांति त्योहार से लगभग दो सप्ताह पहले जल्लीकट्टू उत्सव शुरू हो गया। बैल को काबू में करने का यह खेल जिले के कोठा शनांबटला गांव में हुआ, जहां कई युवाओं और पुरुषों ने संकरी गलियों से दौड़ते हुए बैलों को काबू में करने का प्रयास किया। एक अधिकारी ने बताया कि चंद्रगिरी मंडल में जल्लीकट्टू उत्सव की शुरुआत हुई। खेल के दौरान घायल हुए तीन लोगों को आरयूआईए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, आरयूआईए अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि कंधे में मोच आने के कारण एक व्यक्ति और मामूली रूप से घायल हुए दो अन्य लोगों को इलाज के लिए लाया गया था।

शराब घोटाले में चैतन्य बघेल को जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो मामलों में जमानत दे दी। चैतन्य के खिलाफ ईडी और राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में मामले दर्ज किए थे। ईडी ने जुलाई में घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। राज्य की एजेंसी ने सितंबर में इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

अफवाहें फैलाने पर आप के खिलाफ रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आवारा कुत्तों के मामलों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति पर जारी एक प्रपत्र के संबंध में सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने पर प्राथमिकी दर्ज की है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है।

आतंक फैलाने वाले पड़ोसी को हमसे पानी साझा करने की मांग का हक नहीं

चेन्नई में जयशंकर ने कहा- बुरे पड़ोसियों से भारत को अपने लोगों की रक्षा का पूरा हक

चेन्नई, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नई दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। जयशंकर ने यह भी कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, लोग कूटनीति को 'रॉकेट साइंस' की तरह पेश करते हैं। यह तो आम समझ की बात है, आप अपने पड़ोसी के साथ कैसा बर्ताव करते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कोई पड़ोसी आपके प्रति अच्छा व्यवहार करता है या कम से कम आपको नुकसान नहीं पहुंचाता है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके लिए दयालु प्रवृत्ति रखते हैं और उसकी मदद करते हैं। अगर ऐसे पड़ोसी को कोई समस्या है, तो आप किसी न किसी तरह से उसकी मदद करना चाहेंगे। कम से कम आप उसे नमस्कार करेंगे, आप दोस्ती करने, घनिष्ठता बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

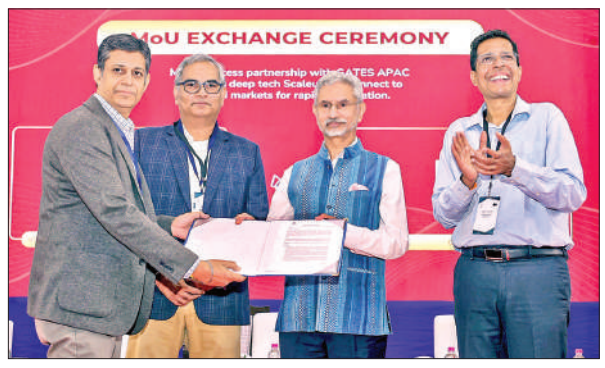

जयशंकर ने चेन्नई में आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन की शुरुआत की।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा

अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के चीनी आव्रजन अधिकारियों के कदम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। इस तरह के हथकंडों से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली, भारत बिना किसी दबाव के अपने लोगों और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। जयशंकर ने 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

एक देश के रूप में हम भी यही करते हैं। जयशंकर ने कहा, तो जब आप हमारे आसपड़ोस पर नजर दौड़ाते हैं, जहां भी वास्तव में अच्छा पड़ोसी होने का भाव दिखता है, तो मुझे लगता है कि आपने देखा होगा कि भारत निवेश करने, मदद देने, साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा, लेकिन जब आपके पड़ोसी बुरे हों और अगर कोई देश जानबूझकर, लगातार, बिना पछतावे के आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने का फैसला करता है, तो हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह हम पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि कई साल पहले हम (भारत और पाकिस्तान) जल बंटवारे समझौते पर सहमत हुए थे, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे, तो अच्छे पड़ोसी संबंध नहीं रह जाते। अच्छे पड़ोसी संबंध न होने पर, अच्छे पड़ोसी संबंध के लाभ भी नहीं मिलते। आप यह नहीं कह सकते कि कृपया मेरे साथ पानी साझा करें, लेकिन मैं आपके यहां आतंकवाद जारी रखूंगा। यह संभव नहीं है।

रैगिंग में 3 छात्राओं पर केस दर्ज, प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर 19 वर्षीय जूनियर छात्रा के साथ रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया। रैगिंग की घटना से पहले कॉलेज के एक प्रोफेसर पर इसी छात्रा ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक छात्रा की 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद उसके पिता की शिकायत पर तीनों आरोपी छात्राओं और प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

- 19 वर्षीय छात्रा की रैगिंग के बाद हो गई थी मौत

मृतक छात्रा के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्रा हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने पीटा था जबकि कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार ने उसके साथ अश्लील हरकतें की थीं। आरोप है कि मारपीट और उत्पीड़न के बाद छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव और डर के साए में जी रही थी, जिससे उसकी हालत बहुत तेजी से बिगड़ती चली गई थी।

बिहार की महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके फंसे गिरधारी पप्पू

पटना, एजेंसी

- राज्य महिला आयोग उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री के पति को भेजेगा नोटिस

उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर चल रहे व्यापक जनांदोलन के बीच राज्य की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू पप्पू बिहार की महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर घिर गए हैं। बिहार के महिला आयोग ने उन्हें नोटिस भेजने का फैसला किया है।

दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में साहू को यह कहते सुना जा रहा है, क्या तुम बुढ़ापे में शादी करोगे, अगर शादी नहीं हो पा रही है तो हम बिहार से लड़की ले आएंगे, वहां 20-25 हजार रुपये में मिल जाएगी। अल्मोड़ा में एक कार्यक्रम के दौरान साहू यह भी कहते हैं, मेरे साथ चलो, तुम्हारी शादी करवा देंगे। स्वतंत्र रूप से इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है लेकिन साहू की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार राज्य महिला आयोग (बीएसडब्ल्यूसी) की अध्यक्ष अप्सरा ने कहा, उनकी टिप्पणी बेहद निंदनीय है। यह उनकी मानसिक दिवालियापन को दर्शाती है। उनकी पत्नी उत्तराखंड सरकार में मंत्री हैं, ऐसे में वह महिलाओं के बारे में इस तरह का बयान कैसे दे सकते हैं। उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। बिहार महिला आयोग ने उनसे बिना शर्त माफी मांगने के लिए नोटिस भेजने का निर्णय लिया है।

बिहार के मुख्य विपक्षी राजद के नेता तेजस्वी यादव ने भी साहू की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा नेता पहले 10 हजार रुपये में महिलाओं का वोट खरीदने की बात करते हैं और अब बिहार से 20-25 हजार रुपये में लड़कियां लाने की बात कर रहे हैं। भाजपाइयों की बिहार और महिलाओं के प्रति सोच शुरू से ही विषैली रही है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में घने कोहरे के कारण शनिवार सुबह दृश्यता प्रभावित होने की संभावना है और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा है कि तीन से छह जनवरी के बीच दिल्ली के कुछ इलाकों में शीत लहर चलने की आशंका है। दिल्ली में 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 236 दर्ज किया गया, जबकि पिछले दिन यह 380 दर्ज किया गया था।

आईएमडी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का अधिकतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम था जबकि न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक था। निगरानी केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार, लोधी रोड में अधिकतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद आयानगर में 17.2 डिग्री सेल्सियस, रिज में 14 डिग्री सेल्सियस और पालम में 16.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। पालम और लोधी रोड पर न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद रिज पर न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 8.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को न्यूनतम तापमान के सात डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान के 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने तीन से छह जनवरी के बीच दिल्ली और हरियाणा के कुछ सुदूर इलाकों में शीत लहर चलने का भी पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

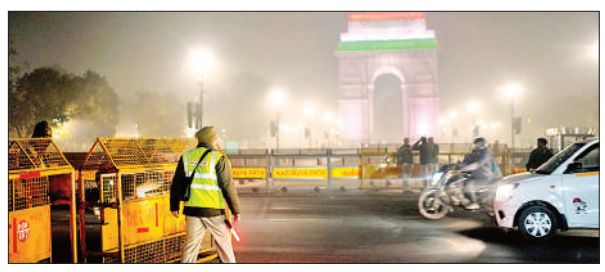

शुक्रवार की शाम कोहरे की चादर में ढका इंडिया गेट • एजेंसी

- शनिवार से छह जनवरी तक कुछ इलाकों में चलेगी शीतलहर

चाकू से गोदकर किशोर की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में चाकू से हमला कर 15 साल के एक लड़के की हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात साढ़े 11 बज बजे कंट्रोल रूमें को सूचना मिली कि कुछ लड़कों ने एक नाबालिग पर चाकू से हमला किया है जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायल लड़के को सड़क पर पड़ा पाया, जिस पर चाकू के कई घाव थे। पीड़ित को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि टीम ने मुख्य आरोपी विक्रम को गिरफ्तार कर लिया और अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया है। आरोपी की उम्र लगभग 30 वर्ष है और उसके खिलाफ छह आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश

- इंदौर में दूषित पानी से कई मौतों के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का 'डबल इंजन' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सीवर पीने के पानी में कैसे मिला।

पीड़ितों से माफी मांगे सरकार: उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से मौतों के मामले में राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को अधिकतम दंड देने की मांग की। उन्होंने इसे पाप करार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा। स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है।

प्रशासन ने चार मौतें मानीं इंदौर के महापौर ने दस

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। उधर, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। भार्गव ने बताया, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त प्रकोप से गुजरे नौ दिनों में 1,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। अस्पतालों में भर्ती 201 मरीजों में से 32 लोग आईसीयू में हैं।

झड़प के बाद भाजपा विधायक के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी

बल्लारी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बल्लारी में वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़पों के संबंध में शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी और 10 अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत के बाद बल्लारी में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

चनाला शेखर नाम के शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक भरत रेड्डी बल्लारी में सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्य करवा रहे हैं। इसी के तहत एसपी सर्कल के पास वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण के लिए एक कार्यक्रम किया गया था। आरोप है, एक जनवरी को शाम साढ़े छह से शाम साढ़े सात बजे के बीच आरोपी जनार्दन रेड्डी, सोमशेखर रेड्डी और अन्य लोगों ने रेड्डी के घर के पास अनावरण समारोह के लिए लगे बैनरों को नुकसान पहुंचाया। प्राथमिकी में कहा गया है कि जब शेखर और सतीश रेड्डी ने उनसे पूछताछ की तो आरोपियों ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए पुलिस अधिकारी श्रीनिवास भी घायल हो गए।

- वाल्मीकि प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हिंसा

पुष्प कलाकृति में पतंग उत्सव...

अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट इवेंट सेंटर में आयोजित 14वें अंतर्राष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी में पतंग उत्सव को दर्शाने वाली पुष्प कलाकृति। मकर संक्रांति पर गुजरात सहित अन्य राज्यों में पतंग उड़ाने की परंपरा है।

प्रसव के लिए छह किमी पैदल चलने के बाद गर्भवती की मौत

गढ़चिरौली, एजेंसी

- महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की घटना नहीं मिली चिकित्सा सुविधा

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में शुक्रवार को प्रसव के लिए चिकित्सा मदद लेने के लिए करीब छह किलोमीटर पैदल चलने के बाद एक नौ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई। महिला की पहचान आशा संतोष किरंगा (24) के रूप में हुई है, जो एटापल्ली तालुका के अलडांडी टोला की रहने वाली थी। उसे एक जनवरी को प्रसव पीड़ा शुरू हुई।

अधिकारियों ने बताया कि महिला के गांव में कोई सड़क या प्रसव की सुविधा नहीं होने के कारण वह पति के साथ जंगल के रास्ते से करीब छह किलोमीटर दूर पेठा में बहन के घर पहुंची। शारीरिक तनाव के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। बाद में उसे एम्बुलेंस से हेदरी के कालियाम्मल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने शल्य प्रसव करने का फैसला किया। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि बच्चा गर्भ में ही मर गया था और कुछ ही समय बाद जटिलताओं के कारण महिला की भी मौत हो गई। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए एटापल्ली ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, लेकिन स्त्री रोग विशेषज्ञ की अनुपस्थिति में उन्हें बाद में 40 किलोमीटर दूर अहेरी भेजा गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अर्धसैनिक संगठन नहीं

भोपाल, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि वर्दी और शारीरिक अभ्यास के बावजूद संघ कोई अर्धसैनिक संगठन नहीं है। भागवत ने यहां प्रबुद्धजनों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संघ समाज को एकजुट करने और उसमें आवश्यक गुण व सद्गुण विकसित करने का कार्य करता है, ताकि भारत दोबारा किसी विदेशी शक्ति के अधीन न जाए।

संघ प्रमुख ने कहा कि हम वर्दी पहनते हैं, पथ संचलन करते हैं और दंड अभ्यास करते हैं। लेकिन अगर कोई इसे अर्धसैनिक संगठन समझता है तो यह भूल होगी। उन्होंने कहा कि संघ एक अनूठा संगठन है, जिसे समझना आसान नहीं है। कहा कि संघ के खिलाफ एक झूठा विमर्श गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग सही जानकारी के लिए गहराई में नहीं जाते। वे स्रोत तक नहीं पहुंचते, बल्कि विकिपीडिया देख लेते हैं।

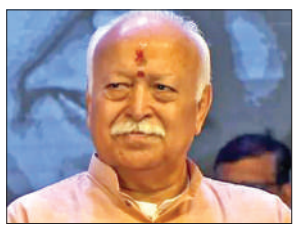

- आरएसएस समाज को एकजुट करने का करता है काम : भागवत

दिल्ली हवाई अड्डे पर 21 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो यात्रियों के पास से लगभग 21 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन जब्त की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को 31 दिसंबर को बैंकॉक (थाईलैंड) से आने के बाद रोका गया। गुजरात के रहने वाले दोनों आरोपी अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंचे थे। सीमा शुल्क विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि काले रंग के दो ट्रॉली बैग की जांच के दौरान अधिकारियों को उनके भीतर छिपाकर रखे गए पॉलीथीन बैग मिले, जिनमें सफेद रंग का पदार्थ बरामद हुआ।

आत्मनिर्भरता | हथियारों के स्वदेशीकरण से सेना की युद्ध क्षमता भी हुई मजबूत

सेना इस्तेमाल कर रही 90 प्रतिशत स्वदेशी गोला-बारूद

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेना के हथियारों में 200 प्रकार के गोला-बारूद का होता है प्रयोग

सेना अपनी हथियार प्रणालियों में लगभग 200 प्रकार के गोला-बारूद और सटीक हथियारों का इस्तेमाल करती है और लक्षित नीतिगत सुधारों तथा उद्योग के साथ सहभागिता के माध्यम से इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक का स्वदेशीकरण किया जा चुका है और इन्हें घरेलू स्रोतों से प्राप्त किया जा रहा है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गोला-बारूद, पुर्जे और रसद युद्ध क्षमता की रीढ़ हैं और इस बात को समझते हुए, भारतीय सेना ने गोला-बारूद उत्पादन में आत्मनिर्भरता को अपनी तैयारी रणनीति के केंद्र में रखा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आयात पर निर्भरता कम करने से लेकर एक मजबूत घरेलू आपूर्ति श्रृंखला बनाने तक, स्वदेशीकरण के लिए सेना का निरंतर प्रयास गोला-बारूद की तैयारी और दीर्घकालिक युद्ध क्षमता को नया आकार दे रहा है।

सुरक्षा माहौल में बदलाव के अनुरूप तैयारी

सेना ने कहा कि भारत का सुरक्षा माहौल तेजी से अनिश्चितता, तीव्र तकनीकी परिवर्तन और लंबे समय तक चलने वाले संकटों से प्रभावित हो रहा है। इसने कहा कि इस संदर्भ में, सैन्य तत्परता न केवल उन्नत हथियारों पर निर्भर करती है, बल्कि लंबे समय तक अभियानों को जारी रखने की क्षमता पर भी निर्भर करती है। अधिकारियों ने कहा कि उइस चुनौती का सामना करने के लिए भारतीय सेना ने आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया - मेक फॉर द वर्ल्ड की परिकल्पना के अनुरूप स्वदेशीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया है।

अधिकारी ने कहा कि पिछले चार से पांच वर्षों में प्रतिस्पर्धा और कई स्रोतों से सामान खरीदने के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए खरीद प्रक्रियाओं का पुनर्गठन किया गया है। अधिकारी ने बताया कि मेक इन इंडिया पहल के तहत लगभग 16,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर तैयार किया गया है, जबकि पिछले तीन वर्षों में स्वदेशी निर्माताओं को लगभग 26,000 करोड़ रुपये के गोला-बारूद की आपूर्ति के ऑर्डर दिए गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य एक मजबूत और आत्मनिर्भर गोला-बारूद प्रणाली का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि सेना अपनी हथियार प्रणालियों में लगभग 200 प्रकार के गोला-बारूद और सटीक गोला-बारूद का इस्तेमाल करती है और लक्षित नीतिगत सुधारों और उद्योग के साथ सहयोग के माध्यम से, इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक का स्वदेशीकरण किया गया है, जिनकी खरीद घरेलू स्तर पर की जा रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 3 जनवरी 2026

यदि विश्वास विवेक का ताप नहीं सह सकता है, तो वह अपने आप ध्वस्त हो जाएगा।
–शहीदे आजम भगत सिंह

दर्दनाक दुर्घटना के सबक

स्विट्ज़रलैंड जैसे अत्यंत विकसित, अनुशासित और सुरक्षित माने जाने वाले देश में नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रान्स मोंटाना के एक स्की रिसॉर्ट बार में विस्फोट और आग से लगभग 47 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्सव, सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता के बीच संतुलन पर गंभीर प्रश्न है। प्रथम दृष्टया यह हादसा 'उत्सव के अति उत्साह' और लापरवाही का परिणाम प्रतीत होता है। नववर्ष समारोहों में मोमबत्तियां, शैंपेन की बोतलों पर सजावट, फुलझड़ियां और कथित तौर पर 'पायरोटेक्निक डिवाइस' का उपयोग किया जा रहा था। यदि मोमबत्तियां लकड़ी की छत के पास रखी गईं या बेसमेंट में रखी आतिशबाजी से चिंगारी फैली, तो यह सीधी मानवीय चूक है। गैस लीक की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। विकसित देशों में भी जब नियमों को 'एक रात की छूट' दे दी जाती है, तो हादसे की ज़मीन तैयार हो जाती है।

यह तथ्य और भी चौंकाने वाला है कि मात्र 15 हजार आबादी वाले इस नगर के एक बार में करीब 150 लोग मौजूद थे और उनमें से एक-तिहाई की जान चली गई। इसे स्विट्ज़रलैंड के हालिया इतिहास की सबसे भीषण अग्नि दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है। 150 से अधिक हेलीकॉप्टर, सैकड़ों बचावकर्मियों और बड़े पैमाने पर आपात संसाधनों की तैनाती इस बात की पुष्टि करती है कि हादसा कितना व्यापक और भयावह था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बाहर निकलने के रास्ते और सीढ़ियां अत्यंत संकरी थीं। 30 सेकंड के भीतर लगभग 200 लोग बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिससे भगदड़ मच गई और लोग दबने व दम घुटने से मारे गए। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या रिसॉर्ट की डिजाइन और फायर-सेफ्टी ऑडिट में गंभीर खामियां थीं? क्या आपदा प्रबंधन, प्रशिक्षित स्टॉफ, स्पष्ट एग्ज़िट साइन और त्वरित मार्गदर्शन की व्यवस्था नहीं थी? यदि स्विट्ज़रलैंड जैसे देश में भी ऐसी चूक संभव है, तो यह चेतावनी है कि 'विकास' सुरक्षा की गारंटी नहीं होता। भारत के संदर्भ में यह घटना और भी प्रासंगिक है। गोवा जैसे पर्यटन स्थलों पर हुए अग्निकांडों में भी संकरे रास्ते, अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के कारण लोगों की जान गई। फर्क केवल इतना है कि वहां हम अक्सर इसे 'व्यवस्था की विफलता' कहकर आगे बढ़ जाते हैं। क्रान्स मोंटाना की त्रासदी सिखाती है कि नियम चाहे यूरोप में हों या भारत में, उनका कठोर पालन ही जीवन बचाता है।

आने वाले समय में इस घटना का असर क्रान्स मोंटाना में प्रस्तावित एफआईएस वर्ल्ड कप जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों पर भी पड़ेगा। इससे उसे साख का नुकसान हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की पुनर्समीक्षा अनिवार्य होगी। इससे पहले 2000 और 2020 में स्विट्ज़रलैंड के अन्य शहरों में लगी आग से यदि पर्याप्त सबक लिया गया होता, तो शायद यह दिन न देखना पड़ता। निष्कर्षतः, भारत समेत सभी देशों को यह सीख लेनी चाहिए कि उत्सव, पर्यटन और व्यवसाय तभी सार्थक हैं जब सुरक्षा सर्वोपरि हो। आपदा प्रबंधन कोई औपचारिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि जीवित व्यवस्था होनी चाहिए— हर इमारत, हर आयोजन के लिए।

प्रसंगवश

साल की पहली पूर्णिमा पर दिखेगा वुल्फ सुपरमून

तीन जनवरी 2026 की रात आकाश एक असामान्य खगोलीय स्थिति का साक्षी बनेगा। इसी रात वर्ष का पहला पूर्ण चंद्रमा वुल्फ़ सुपरमून के रूप में दिखाई देगा, जब चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत निकट होकर सामान्य से अधिक बड़ा और अधिक चमकीला नजर आएगा। यह स्थिति केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि सूर्य-पृथ्वी-चंद्रमा की दुर्लभ ज्यामिति का परिणाम है। ठंडी रात में फैली इसकी तेज रोशनी पूरे आकाशीय परिदृश्य को बदल देगी और सामान्य पूर्णिमा से अलग, अधिक प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराएगी। यह दृश्य खगोलीय गणनाओं की सटीकता और प्रकृति की नियमित शक्ति दोनों को एक साथ उजागर करेगा।

यह सुपरमून इसलिए विशेष माना जा रहा है, क्योंकि इसी समय चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु पर होगा जहां वह पृथ्वी के सबसे अधिक समीप होता है, जिसे खगोल विज्ञान में 'पेरिगी' कहा जाता है।

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

इस निकटता का सीधा प्रभाव उसके आकार और प्रकाश पर पड़ता है। सामान्य पूर्णिमा की तुलना में चंद्रमा अधिक बड़ा और कहीं अधिक चमकीला दिखाई देगा। भारत में इसका पूर्ण चरण भले ही दोपहर में बने, पर इसका वास्तविक प्रभाव सूर्यास्त के बाद दिखाई देगा, जब पूर्वी क्षितिज से उभरता चंद्रमा असामान्य रूप से विशाल और प्रभावशाली लगेगा। वायुमंडल की परतें उसकी रोशनी को पीले-सुनहरे और तांबे जैसे रंगों में ढाल देंगी, जिससे पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होगा, जैसे आकाश ने नववर्ष के स्वागत में प्रकाश प्रज्वलित कर दिया हो।

'वुल्फ़ मून' नाम केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि मानव इतिहास से जुड़ी एक गहरी स्मृति है। उत्तरी गोलार्ध की प्राचीन संस्कृतियों ने जनवरी की पूर्णिमा को यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसी समय सर्द रातों में भेड़ियों की आवाज़ें अधिक सुनाई देती थीं। यह हूक भय या अभाव की नहीं, बल्कि आपसी संकेत, समूहबोध और जीवन-चक्र की निरंतरता का स्वर थी। भेड़िये सिर उठाकर आकाश की ओर हौल करते हैं, ताकि उनकी आवाज़ दूर तक फैल सके, मानो वे चंद्रमा को साक्षी मानकर अपने अस्तित्व और क्षेत्र की घोषणा कर रहे हों। वुल्फ़ मून केवल एक खगोलीय घटना नहीं रह जाता, बल्कि प्रकृति की सामूहिक स्मृति और जीव-जगत के संवाद का प्रतीक बन जाता है।

इस वर्ष वुल्फ़ सुपरमून को और अधिक उल्लेखनीय बनाता है, एक दुर्लभ खगोलीय संयोग। ठीक तीन जनवरी को पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट बिंदु, पेरिहेलियन पर भी होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सूर्य की किरणें अपेक्षाकृत अधिक ऊर्जा के साथ चंद्रमा पर पड़ेंगी, जिससे उसकी चमक में हल्की अतिरिक्त गहराई और तीव्रता दिखाई देगी। यद्यपि वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंतर सूक्ष्म होता है, पर दृष्टिगत प्रभाव अत्यंत आकर्षक बन जाता है। समुद्री क्षेत्रों में इस संयुक्त गुरुत्वीय प्रभाव के कारण ज्वार-भाटे सामान्य से कुछ अधिक ऊंचे उठ सकते हैं, जिससे प्रकृति की यह खगोलीय संगति धरती पर भी अपना असर छोड़ती दिखाई देगी।

इस खगोलीय दृश्य में रोमांच का एक और आयाम जुड़ता है- क्वाड्रैंटिड उल्का वर्षा। तीन और चार जनवरी की रात यह वर्षा अपने चरम पर होती है और अनुकूल परिस्थितियों में प्रति घंटे अनेक उल्काएं दिखाई दे सकती हैं। यद्यपि पूर्ण चंद्रमा की तीव्र रोशनी कई छोटी उल्काओं को ढक देगी, फिर भी कुछ अत्यंत चमकीली अग्नि-रेखाएं आकाश को चीरती हुई स्पष्ट दिख सकती हैं। यह दृश्य ऐसा प्रतीत होगा मानो स्थिर और गंभीर चंद्रमा के सामने समय स्वयं प्रकाश की लकीरों में बह रहा हो। स्थायित्व और क्षणभंगुरता का यह संगम मन को गहराई से छू जाता है।

आर्थिक प्रगति और असमानता की समानांतर दास्तान

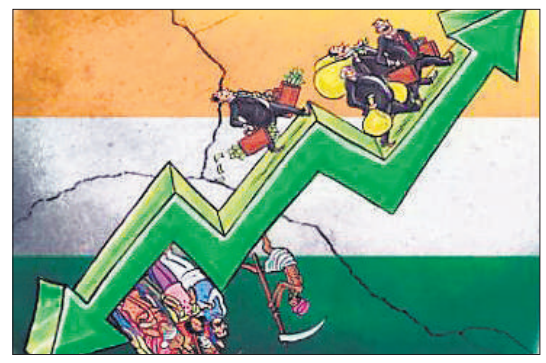

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

आर्थिक सुधारों को भारत की विकास यात्रा का निर्णायक मोड़ माना जा सकता है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उत्पादन बढ़ा, बाजार खुले, विदेशी निवेश आया और भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बनकर उभरा है। सरकार का दावा है कि इन सुधारों का प्रतिफल अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि आर्थिक क्षमता और विकास की गति का संकेत देती है, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के हर वर्ग को समान रूप से मिल पाया है।

आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। 1991 में देश की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 275 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। बीते एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा है। सरकार इस उपलब्धि को आर्थिक सुधारों, मजबूत घरेलू बाजार और बढ़ते बुनियादी ढांचे का परिणाम बताती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि का बड़ा भाग सीमित वर्गों तक सिमट गया है। आर्थिक सुधारों से पैदा हुई समृद्धि का लाभ व्यापक स्तर पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर केंद्रित होता गया। रोजगार के क्षेत्र में यह असमानता और अधिक साफ हो जाती है। सरकारी और निजी दोनों आकलन बताते हैं कि देश का करीब 90 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी रोजगार है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

> आंकड़ों के स्तर पर भारत की प्रगति प्रभावशाली दिखती है। इसके बावजूद जमीनी सच्चाई यह है कि इस विकास का वितरण असमान रहा है और समाज का एक बड़ा हिस्सा अब भी इसके पूरे लाभ से वंचित है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार 2023-24 में शहरी बेरोजगारी दर औसतन 7 से 8 प्रतिशत के बीच रही, जबकि युवाओं में यह दर 15 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। आर्थिक सुधारों के बाद संगठित क्षेत्र का विस्तार तो हुआ, लेकिन रोजगार सृजन की रफ्तार श्रम बाजार में प्रवेश करने वाले युवाओं की संख्या के अनुरूप नहीं रही।

ग्रामीण भारत की स्थिति भी इस असंतुलित विकास को उजागर करती है। देश की लगभग 45 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में केवल 15 प्रतिशत के आसपास सिमटा हुआ है। नीति आयोग के अनुसार छोटे और सीमांत किसानों की औसत मासिक आय अब भी 10 से 12 हजार रुपये के आसपास है। बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम और बाजार की अस्थिरता ने कृषि को कम लाभकारी बना दिया है। आर्थिक सुधारों का लाभ उद्योग और सेवा क्षेत्र तक तो पहुंचा, लेकिन कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत पीछे छूटती चली गई।

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी असमानता की खाई गहरी हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। इतना अधिक निजी खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात लगभग 28 प्रतिशत है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच आज भी सीमित वर्गों तक ही सिमटी हुई है। निजी शिक्षा संस्थानों की बढ़ती फीस ने अवसरों की असमानता को और बढ़ा दिया है।

क्षेत्रीय असमानता भी आर्थिक सुधारों की एक बड़ी चुनौती रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्य तेजी से आगे बढ़े, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड जैसे राज्य अब भी विकास की दौड़ में पीछे हैं। नीति आयोग के अनुसार देश के शीर्ष 10 जिलों की प्रति व्यक्ति आय, निचले 10 जिलों की तुलना में चार से पांच गुना अधिक है। यह अंतर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के सूचकांकों में भी दिखाई देता है।

सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के दायरे में करीब 50 करोड़ लोग स्वास्थ्य बीमा से जुड़े हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सब्सिडी और सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इन पहलों से गरीब और कमजोर वर्गों को राहत मिली है, लेकिन ये उपाय असमानता की संरचनात्मक जड़ों को पूरी तरह समाप्त नहीं कर पाते।

भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकारी दावे के साथ यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति होने के बावजूद रोजगार, आय और अवसरों की समानता क्यों नहीं बन पा रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अगले दशक में भारत को हर साल लगभग एक करोड़ नए रोजगार सृजित करने होंगे। यदि विकास अधिक पूंजी और तकनीक केंद्रित ही रहा, तो यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों को मानव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना होगा। छोटे और मध्यम उद्यमों को सशक्त कर रोजगार सृजन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश से आय के स्थायी स्रोत विकसित होंगे और क्षेत्रीय असंतुलन कम होगा। साथ ही कर प्रणाली को अधिक प्रगतिशील बनाकर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण भी जरूरी है।

आमने

वह व्यक्ति भगवान राम को समझ ही नहीं पाया है। श्रीराम और राहुल गांधी की किसी भी तरह से तुलना नहीं की जा सकती है। भगवान ही जानें राहुल गांधी किस तरह का काम कर रहे हैं।
–स्वामी रामभद्राचार्य
प्रसिद्ध संत

सामने

रामभद्राचार्य जी बड़े और सम्मानित व्यक्ति हैं, इसलिए वह उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की लड़ाई किसानों, गरीबों और वंचितों के हक के लिए है। राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह देश के हित में है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।
–नाना पटोले
कांग्रेस नेता

खालिदा जिया के शासनकाल में भारत से संबंध

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

खालिदा जिया ने बांग्लादेश में दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पहली बार 1991 से 1996 तक और दूसरी बार 2001 से 2006 तक। उनके शासनकाल को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, विशेष रूप से भारत के साथ, यह अवधि कटुता और अविश्वास की छाया में गुजरी। खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान, हिंदुओं पर हमले होते रहे और टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश को रोका गया। ये दोनों मुद्दे न केवल बांग्लादेश की आंतरिक चुनौतियों को दर्शाते हैं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में उत्पन्न तनाव के प्रमुख कारण भी बने।

सबसे पहले, हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 8-10 प्रतिशत है और ऐतिहासिक रूप से यह समुदाय विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहा है। खालिदा जिया के 2001 में सत्ता में आने के बाद, स्थिति विशेष रूप से गंभीर हो गई। 2001 के आम चुनावों में बीएनपी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी की जीत के तुरंत बाद, देशभर में हिंदू समुदाय पर संगठित हमले शुरू हो गए।

इन हमलों में हजारों हिंदू परिवारों को निशाना बनाया गया। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अनुमान के मुताबिक, कम से कम 30,000 से अधिक हिंदू प्रभावित हुए और कई को देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। ये हमले मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए, जो चुनावी जीत को 'इस्लामी विजय' के रूप में प्रचारित कर रहे थे।

खालिदा जिया की सरकार ने इन हमलों को रोकने या दोषियों को दंडित करने में स्पष्ट रूप से विफलता दिखाई। हालांकि सरकार ने कुछ जांच समितियां गठित कीं, लेकिन व्यावहारिक कार्रवाई नगण्य रही। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इन घटनाओं की निंदा की और इन्हें 'संगठित सांप्रदायिक हिंसा' करार दिया। उदाहरण के लिए, 2001 में बारिसाल, खुलना और ढाका जैसे क्षेत्रों में हिंदू गांवों पर हमले हुए, जहां संपत्ति जब्ती और जबरन धर्मांतरण की घटनाएं आम थीं।

खालिदा जिया की सरकार का रुख यह था कि ये 'छिटपुट घटनाएं' हैं, लेकिन वास्तव में, जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी सहयोगियों को खुश रखने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। यह विफलता न केवल बांग्लादेश की आंतरिक एकता को प्रभावित करती थी, बल्कि भारत के साथ संबंधों को भी कटु बनाती थी। भारत, जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, ने इन हमलों को गंभीरता से लिया और बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की। भारतीय मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे 'हिंदू उत्पीड़न' के रूप में चित्रित किया गया, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाया।

खालिदा जिया की भारत-विरोधी छवि पहले से ही मजबूत थी, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार में भारत को 'दुश्मन' के रूप में पेश किया था। ऐसे बयानों ने हिंदू सुरक्षा के मुद्दे को और जटिल बना दिया, क्योंकि भारत ने इसे सीमा पार शरणार्थी समस्या के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, 2001-2006 के दौरान दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ताएं सीमित रहीं और भारत ने बांग्लादेश को 'अल्पसंख्यक सुरक्षा' पर दबाव डाला, जो खालिदा सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया।

दूसरा प्रमुख बिंदु टाटा समूह के प्रस्तावित निवेश का रहा। 2004-2005 में, भारतीय औद्योगिक दिग्गज टाटा ग्रुप ने बांग्लादेश में लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इस योजना में स्टील प्लांट, उर्वरक कारखाना और बिजली उत्पादन इकाइयां शामिल थीं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर था। यह निवेश न केवल हजारों रोजगार पैदा करता, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करता। टाटा ने प्राकृतिक गैस की सस्ती आपूर्ति की मांग की, जो बांग्लादेश के पास उपलब्ध थी, हालांकि खालिदा जिया की सरकार ने इस प्रस्ताव पर लगातार देरी की और अंततः इसे अस्वीकार कर दिया।

टाटा ने 2006 तक कई दौर की वार्ताएं कीं, लेकिन सरकार की ओर से गैस मूल्य और अन्य शर्तों पर असहमति बनी रही। अंत में, 2008 में टाटा ने योजना त्याग दी और बांग्लादेश ने पाकिस्तानी दाऊद ग्रुप जैसे अन्य निवेशकों को आमंत्रित किया। यह निर्णय बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि निवेश की कमी से विकास दर प्रभावित हुई। खालिदा जिया की 2006 में भारत यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई, हालांकि ट्रेड डील पर चर्चा हुई। भारतीय पक्ष ने इसे 'अवसर की बर्बादी' माना, क्योंकि टाटा का निवेश दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दे सकता था।

> खालिदा जिया की नीतियां और निर्णय अक्सर पाकिस्तान-समर्थक और भारत-विरोधी माने जाते थे, जिसने दोनों देशों के बीच सहयोग को बाधित किया।

सोशल फोरम

सारा एक गुमनाम शायरा

सारा शगुफ्ता का नाम उर्दू शायरी में बहुत कम लिया जाता है। इतिहास मानो उससे पल्ला छुड़ाने की ही कोशिश में था कि ये प्रयास सफल नहीं हो पाए। उर्दू हलके ने पचास सालों तक ख़ूब कोशिश की दक्षिण एशियाई बौद्धिक-स्त्रीवादी इतिहास से सारा शगुफ़्ता को मिटाने की। अमृता प्रीतम से सारा ने कई साल पत्र-व्यवहार किया। अपने जीते-जी एक बार वादा लिया था कि अमृता उसका कविता संग्रह अनुवाद करके छपवाएंगी। सारा के जाने के बाद उसके तमाम ख़त और कविताओं को सामने रखते हुए अमृता ने एक किताब लिखी।

सुजाता चोखेरबाली
एसोसिएट प्रोफेसर

सारा का जन्म 1954 में गुजरांवाला, पाकिस्तान में हुआ था। बहुत कम वक्त गुज़ारा इस दुनिया में उसने। 29 की उम्र में आत्महत्या कर ली। पिता के साथ बेहद ख़राब रिश्ता मिला तो 17 की उम्र में ब्याह दी गई अपनी मर्ज़ी के ख़िलाफ़। नवजात बच्चा चल बसा और इसके लिए इल्ज़ाम आया सारा के सर। इन सदमों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। पति को छोड़कर निकल गईं और अपनी देह से बेगानी हो गई। चार विवाह और इसके अलावा बहुत से संबंध।

उसके जीवन की अराजकता मानो कोई बदला था दुनिया से कि जिस देह को, जिसके सेक्स को तुम स्त्री के वजूद के ऊपर मानते आए हो और जिसके लिए यह सारी सांसारिक प्रताड़ना है औरत के हिस्से, उसी को मैं आग, पानी, मिट्टी, हवा के हवाले करती हूं। एक जगह कभी उसने लिखा था- मेरा शरीर बहुत साधारण था, तो मैंने उसे कुत्तों को दे दिया, लेकिन सारा की आत्मा साधारण नहीं थी कि तुम्हारे हाथों उसे बिक जाने देती। एक कविता में सारा कहती हैं- तुझे जब भी कोई दुख दे उस दुख का नाम बेटी रखना। अपने स्त्री होने के कारण उसने जो भोगा उसे लिखा। यही शायद सबसे बड़ा गुनाह किया। वह लिखती हैं-

आसमान के सीने में ग़म चरख़ा कात रहा है
संग-ए-मील
पहरों चलता है और साकित है
रात मुझ से पहले जाग गई है
लिबास पर पड़े हुए धब्बे
मेरे बच्चों के दुख थे
मेरे लहू को तन्हाइयां चाट रही हैं
शहर की मुंडेर से तिनके चुराए थे
सूरज ने दुख बना दिए
मेरे सपनों का दाग़ आंखें हैं
मेरी क़ब्र मुझे छुप कर देख रही है। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोच बदली तो हरियाणा में सुधरने लगा लिंगानुपात

हरियाणा आज लिंगानुपात में निरंतर सुधार का उदाहरण बनता जा रहा है। यह बदलाव किसी एक दिन या एक साल में नहीं आया, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध कोशिशों, सामाजिक जागरूकता और सरकारी सख्ती का परिणाम है। हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 910 था। निरंतर सरकारी निगरानी और सामाजिक प्रयासों के चलते 30 दिसंबर 2025 तक यह बढ़कर 923 तक पहुंच गया। यह 13 अंकों की वृद्धि है, जिसे पिछले छह वर्षों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है।

हरियाणा में आपकी बेटी हमारी बेटी योजना लिंगानुपात सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहायता दी जाती है, जिससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने में मदद मिली है। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि अकाउंट जैसी योजनाओं से बेटियों के भविष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करना आसान हुआ है। यह सुनिश्चित करता है कि हर बच्ची को जीवन में समान अवसर मिलें।

धनीश शर्मा
लेखक

हरियाणा राज्य का एक समय ऐसा भी रहा है, जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। सामाजिक दबाव, अंधविश्वास और पितृसत्तात्मक सोच के कारण गर्भ में ही कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य किए जाते थे। उस दौर में लिंगानुपात लगातार गिरता गया और यह स्थिति समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी बन गई। समय के साथ सोच में बदलाव आया। सरकार और समाज दोनों ने यह समझा कि यदि बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी, तो भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

हरियाणा सरकार ने जन्म के समय लिंगानुपात सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। ग्रामीण और शहरी पंचायतों में प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्त कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों को भी इस दिशा में सशक्त बनाया गया। किशोरियों के लिए पोषण अभियान, स्कूल स्तर पर स्वास्थ्य जांच तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने पर ज़ोर दिया गया। साथ ही कानून की सख्त निगरानी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लिंग चयन जैसे अपराध किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हरियाणा के बढ़ते लिंगानुपात में सबसे बड़ा योगदान हरियाणा की बेटियों को जाता है, जिन्होंने कठिनाईयों के बीच में रहकर अपनी मंजिल को हासिल किया है। यहां बेटियों ने खेलों के क्षेत्र में भी राज्य का नाम रोशन किया है। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, गीतिका जाखड़, कविता चहल, पूजा सिंह, रमिता जिंदल और भजन कौर जैसी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके संघर्ष और उपलब्धियों ने समाज में सकारात्मक सोच फैलाने में मदद की है।

लिंगानुपात में सुधार केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के विस्तार का संकेत है। जब परिवार बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर देने लगते हैं, तभी वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव होता है। हरियाणा सरकार ने भी लगातार निगरानी, ज़मीनी स्तर पर जागरूकता और स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति ने लिंगानुपात सुधार को संभव बनाया, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

कोलेट क्रेस
एक वित्तीय विजेता

महिलाएं क्या नहीं कर सकतीं! जब वे उड़ान भरती हैं, तो उनकी पहुंच एनवीडिया की सीएफओ और ईवीपी तक हो जाती है और 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' बनकर फोर्ब्स की सुर्खियां बनती हैं, जैसे कोलेट क्रेस। कोलेट क्रेस संयुक्त राज्य अमेरिका की एक प्रमुख वित्तीय नेता हैं, जो विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनी एनवीडिया की एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) के रूप में जानी जाती हैं। सितंबर 2013 से इस पद पर आसीन, उन्होंने एनवीडिया को एक गेमिंग-केंद्रित कंपनी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के वैश्विक दिग्गज में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2025 तक, उनके नेतृत्व में एनवीडिया की बाजार पूंजीकरण माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। फोर्ब्स ने उन्हें 2025 में अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं की सूची में 54 वें स्थान पर रखा और उनकी नेट वर्थ जुलाई 2025 में 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गई।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

कोलेट क्रेस का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था, जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें एक सफल करियर की नींव प्रदान की। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना से फाइनेंस में बीएससी की डिग्री प्राप्त की, जो उनके वित्तीय विश्लेषण और रणनीतिक सोच के कौशल को मजबूत करने वाली साबित हुई। इसके बाद, उन्होंने साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (एसएमयू) के कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की उपाधि हासिल की। इस शिक्षा ने उन्हें तकनीकी उद्योग की जटिल वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया, विशेष रूप से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर एकीकरण के क्षेत्र में।

उनकी शिक्षा के दौरान, कोलेट ने नेतृत्व और इनोवेशन पर फोकस किया, जो बाद में माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे दिग्गजों में उनके योगदान में स्पष्ट रूप से दिखा। सराटोगाद में स्थित, वे एक समर्पित पेशेवर के रूप में जानी जाती हैं, जो कार्य-जीवन संतुलन को महत्व देती हैं। ज्ञात रहे, सराटोगा, कैलिफोर्निया राज्य के सांता क्लारा काउंटी में स्थित एक छोटा, लेकिन अत्यधिक समृद्ध शहर है, जो सिलिकॉन वैली के दक्षिणी भाग में बसा हुआ है। यह बे एरिया का एक हिस्सा है, जहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ियां और वाइनयार्ड्स की उपस्थिति इसे एक शांतिपूर्ण और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रतीक बनाती है।

करियर की यात्रा

- कोलेट क्रेस के पास टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, माइक्रोसॉफ्ट और सिस्को जैसे प्रमुख तकनीकी कंपनियों में 25 वर्षों से अधिक का वित्तीय अनुभव है। उनकी यात्रा रणनीतिक योजना, वित्तीय रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास पर केंद्रित रही है, जो एनवीडिया में उनके योगदान की आधारशिला बनी। प्रारंभिक करियर की बात करें, तो 1990 में उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। यहां उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग की बुनियादी समझ विकसित की, जो बाद में एनवीडिया के चिप डिजाइन फोकस के साथ जुड़ी।
- लगभग 13 वर्षों (2000-2013) तक माइक्रोसॉफ्ट में रहने के दौरान, कोलेट ने कॉर्पोरेट प्लानिंग और फाइनेंस में वरिष्ठ भूमिकाएं निभाईं। चार वर्षों तक वे सर्वर एंड टूल्स डिवीजन की सीएफओ रहीं, जहां उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के वित्तीय रणनीति का नेतृत्व किया। इस अवधि में, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर बिजनेस को मजबूत करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा, जो आज एज्योर क्लाउड प्लेटफॉर्म की सफलता का आधार है।
- माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, उन्होंने सिस्को सिस्टम्स में तीन वर्ष बिताए, जहां वे बिजनेस टेक्नोलॉजी एंड ऑपरेशंस फाइनेंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सीएफओ रहीं। यहां उन्होंने सभी बिजनेस सेगमेंट्स, इंजीनियरिंग और ऑपरेशंस के लिए वित्तीय रणनीति, योजना, रिपोर्टिंग और व्यवसाय विकास का प्रबंधन किया। सिस्को के नेटवर्किंग और साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में उनके प्रयासों ने कंपनी की वृद्धि को गति दी।
- सितंबर 2013 में एनवीडिया जॉइन करने के बाद, कोलेट ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और विस्तार को नई दिशा दी। जब वे आईं, तो एनवीडिया मुख्य रूप से गेमिंग ग्राफिक्स कार्ड्स पर निर्भर थी, लेकिन उनके नेतृत्व में एआई, डेटा सेंटर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा। 2025 तक, एनवीडिया की राजस्व वृद्धि एक दशक की सबसे तेज रही, जो 2023 के 27 बिलियन डॉलर से 2025 में 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई। उनकी मुआवजा संरचना में बेस सैलरी, बोनस और बड़े इक्विटी अवॉर्ड्स शामिल हैं, जिससे उनकी 5.4 मिलियन शेयरों की होल्डिंग 1 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्यवान हो गई।

सीएफओ के रूप में भूमिका

एनवीडिया की ईवीपी और सीएफओ के रूप में, कोलेट क्रेस कंपनी की वित्तीय स्वास्थ्य, निवेशक संबंधों और वैश्विक विस्तार की जिम्मेदारी संभालती हैं। उनके नेतृत्व में, एनवीडिया ने एआई चिप्स (जैसे एच-100 और ब्लेकवेल) के विकास में भारी निवेश किया, जो डेटा सेंटर राजस्व को 80 प्रतिशत से अधिक बढ़ा चुका है। वे बोर्ड मीटिंग्स में रणनीतिक सलाह देती हैं और सस्टेनेबल फाइनेंस पर फोकस करती हैं, जैसे ग्रीन डेटा सेंटर्स। 2026 तक, उनके विजन में एआई-ड्रिवन फ्यूचर शामिल है, जहां एनवीडिया को 4 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन की ओर ले जाना लक्ष्य है। मैकिंसे और फोर्ब्स के अनुसार, उनकी रणनीतियां एनवीडिया को टेक इतिहास की सबसे तेज वृद्धि वाली कंपनियों में शुमार करती हैं।

उपलब्धियां और पुरस्कार

कोलेट क्रेस की उपलब्धियां उन्हें अमेरिकी वित्त जगत की प्रभावशाली महिलाओं में स्थापित करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

- 2016 - सिलिकॉन वैली बिजनेस जर्नल द्वारा 'सीएफओ ऑफ द ईयर' - एनवीडिया के वित्तीय ट्रांसफॉर्मेशन के लिए।
- 2024 - बैरन्स द्वारा 'यू.एस. फाइनेंस में 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं' में शामिल।
- 2025 - फोर्ब्स की 'अमेरिका की सबसे अमीर स्व-निर्मित महिलाओं' सूची में 54 वां स्थान, नेट वर्थ 1 बिलियन डॉलर।
- 2023 - ग्लोब्स द्वारा 'ट्रिलियन डॉलर वुमन' के रूप में सम्मानित, एनवीडिया की ट्रिलियन-डॉलर वैल्यूएशन के लिए।
- 2025- चीफ की 'द न्यू एरा ऑफ लीडरशिप' में विजेता, कंपनी को तीसरी सबसे मूल्यवान बनाने के लिए।
- इनके अलावा, उनके नेतृत्व में एनवीडिया ने एक दशक में राजस्व को 10 गुना से अधिक बढ़ाया, जो टेक इतिहास की दुर्लभ उपलब्धि है।

उनके विचार

कोलेट क्रेस के अनुसार, "त्वरित कम्प्यूटिंग और एआई की ओर बढ़ना ऐसा नहीं है, जहां आप हार्डवेयर चालू करें और अपना सामान लोड करें, तो यह चल जाए। हमने जो सॉफ्टवेयर बनाया है, वह कंपनियों के लिए त्वरित कम्प्यूटिंग की राह तैयार करने के लिए है।" पोस्ट-अर्निंग्स इंटरव्यू में, उन्होंने सॉफ्टवेयर को हार्डवेयर के पूरक के रूप में वर्णित किया। यह विचार प्रेरणा देता है कि सफलता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) से आती है। कोलेट का मानना है कि सॉफ्टवेयर संक्रमण को आसान बनाता है, जो प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देता है, एक सबक कि नेतृत्व में समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है।

उनके अनुसार, "हम एक यात्रा पर हैं और शायद हम इस यात्रा के पहले या दूसरे इनिंग में हैं, क्योंकि दुनिया को संक्रमण करना है। केवल एआई समाधानों तक सीमित न रहें, बल्कि कम्प्यूटिंग को त्वरित और समानांतर रूप से कैसे करें।" गोल्डमैन सैक्स सम्मेलन में एआई फैक्ट्रीज और एंटरप्राइज डेटा पर यह प्रेरक विचार धैर्य और दृष्टि की याद दिलाता है। कोलेट हमें बताती हैं कि महान उपलब्धियां रातों-रात नहीं होतीं, वे दशकों की मेहनत से आती हैं, जो चुनौतियों के बीच प्रेरणा बनाए रखने का संदेश देती हैं।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

कोलेट क्रेस का प्रभाव न केवल एनवीडिया पर, बल्कि पूरे टेक और वित्तीय सेक्टर पर पड़ा है। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय नेतृत्व में प्रोत्साहित किया और एआई क्रांति को फंडिंग प्रदान की। उनके तहत, एनवीडिया ने सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी, जो 2026 की चुनौतियों जैसे जियोपॉलिटिकल टेंशन्स और चिप शॉर्टेज का सामना करने में मदद करेगी। भविष्य में, वे एआई एथिक्स और ग्लोबल एक्सपैंशन पर फोकस करेंगी, जो एनवीडिया को अगले ट्रिलियन डॉलर क्लब में ले जाएंगी। संक्षेप में कोलेट क्रेस एक ऐसी विजेता हैं, जिनकी बुद्धिमत्ता, रणनीतिक दृष्टि और दृढ़ता ने उन्हें बिलियनेयर बनाया। उनकी कहानी युवा पेशेवरों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

यात्रा वृत्तांत

प्रणय और प्रताप की भूमि कोटद्वार की कण्वघाटी

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के कोटद्वार से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर मालिनी नदी के तट के निकट महर्षि कण्व ऋषि का आश्रम है। महाकवि कालिदास ने इसी नदी के किनारे बैठकर अद्भुत प्रेमकाव्य अभिज्ञान शाकुंतलम् की रचना की थी। इसी आश्रम में शकुंतला एक पर्णकुटी में रहते हुए प्रकृति की सेवा-संरक्षण में रत रहा करती थीं। एक बार आखेट के लिए निकले राजा दुष्यंत वनक्षेत्र में अंदर कण्व ऋषि के आश्रम के निकट पहुंच गए, जहां सुंदरी शकुंतला को देखकर उनका मन मोहित होने की लोकश्रुति से सब परिचित हैं। वे सोचने लगे इतनी सुंदर स्त्री इस वियावान आश्रम में क्या कर रही है। थकावट के कारण मलीन पड़े दुष्यंत के मुखमंडल को देखकर शकुंतला ने उन्हें जल पिलाया।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

अभिज्ञान शाकुंतलम् के चतुर्थ अंक के चार श्लोक, जिन्हें श्लोक चतुष्टय भी कहते हैं, में उल्लेख मिलता है कि महर्षि कण्व को करुणापूरित-पितृ हृदय मिला था। संसार के मोह-माया को त्याग देने वाले महर्षि कण्व मन ही मन में शकुंतला को दुष्यंत के साथ विवाहोपरांत भेजने के पश्चात की अधीनता मन द्रवित कर देती है। दुष्यंत के प्रणय निवेदन और मिलन के बाद शकुंतला का राजा दुष्यंत के प्रेम में डूबना एक स्वाभाविक क्रिया है। वे जिन वनस्पतियों-लताओं-पादपों को मालिनी नदी के जल से सींचने के उपरांत और उसके बाद ही जल फलाहार और जल ग्रहण करती थीं, अब अनमने भाव से, खोई-खोई सी रहने लगी हैं। अलग-अलग ऋतुओं में खिलने वाले फूल पल्लव उनके लिए आभूषण हैं।

अभिज्ञान शाकुंतल में कालिदास लिखते हैं कि विदाई के समय वन देवियां उनके कानों में मौसम का सबसे सुगंधित फूल गूंथती हैं उनके गले, कलाइयों में फूलों की छोटी माला पहनाती हैं। सहेलियां सुकेशिनी शकुंतला के गझिन और लंबे केशराशि में फूलों का गजरा पहनाकर दुष्यंत के साथ विदा करती हैं। विदाई के समय महर्षि कण्व ऋषि दुष्यंत और शकुंतला दोनों को वंश वंशानुसार आचरण का परिपालन करने की सीख देते हैं और स्वप्न में भी दुष्यंत को बहु पत्नी परंपरा का अनुयायी का निषेध करते हैं। कण्वघाटी प्रणयी राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी से आगे निकलकर प्रताप की भूमि भी है या नहीं बोलना चाहिए। इसी पावन भूमि पर शकुंतला सिंह से बढ़कर, महाप्रतापी और बाहुबली बालक भरत को जन्म देती है। वर्तमान में यहां पर राजा दुष्यंत शकुंतला और ऋषि की प्रतिमाओं के पास एक सिंह, जिसके मुंह को खोलकर भरत उसका दांत गिनते हुए दिख रहे हैं। इस कथा के प्रतीकात्मक अर्थ से जुड़ना बहुत आवश्यक है। प्रणय में आकंठ डूबने के बाद भी किस तरह शांत और एकनिष्ठ प्रेम की आनंदानुभूति से आप्तकाम हैं, इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं, देवि शकुंतला। कल-कल बहती मालिनी नदी और वनाच्छादित कण्वाश्रम का अतीत जितना मनोहरी महाकवि कालिदास के साहित्य में है, काश वर्तमान में उसकी गरिमा यदि संरक्षित होती तो आज पर्यटकों का यहां भी ताता लगा होता। यहां एक डिग्री कॉलेज केंद्रीय विद्यालय बालिका इंटर कॉलेज और अटल उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षा की अलख जगाए है। मैं आश्रम से निकलकर मालिनी नदी में जल-आचमन के लिए आगे बढ़ा ही था, तभी वहां के स्थानीय निवासी विपिन नौटियाल और कृपाराम शर्मा ने आवाज लगाई, मैंने जैसे ही पलट कर देखा। एक बड़े दांत वाला हाथी मेरी ही दिशा की तरफ बढ़ता चला रहा था। मैंने खुद को सुरक्षित किया और प्रधानाचार्य सुनील कुमार जी ने कहा कि महोदय! यहां गजराज की आवक खूब रहती है। सतर्क रहिए। सेफ रहिए। दिन करीब-करीब डूबने वाला था और मुझे लौटकर कोटद्वार भी आना था, वापस तो लौट आया, लेकिन मेरे मानस-पटल में कण्वाश्रम, प्रकृति कन्या शकुंतला की परम प्रतापी संतान भरत द्वारा सिंह के दांत गिनते हुए की प्रस्तर आकृति सत्साहस का संचार करने वाली है।

एक बारगी आज की युवा पीढ़ी को देखकर यही सोचता हूं कि यह वही देश है, जहां भरत जैसी संतान हुई। आज की युवा पीढ़ी, आज का किशोर अपना आदर्श भरत को मानते भरत के प्रताप से प्रेरित होता। एक समवेत अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रशासन मालिनी नदी की पुण्य-सलिला धारा को निर्बाध रूप से प्रवाहमान बनाए रखने, आसपास की वन-संपदा और आश्रम परिसर को पर्यटकों के लिए विकसित कर खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे देश की युवा पीढ़ी भरत से परिचित हो सके, कण्व-आश्रम और महीयसी शकुंतला से से परिचित हो सके।

लव बर्ड्स

संघर्षों के बीच पनपा विश्वास

हमारी पहली मुलाकात वर्ष 2009 में मेरी बुआ जी की बेटी की शादी में हुई थी। उस दिन वैशाली ने काले रंग की साड़ी पहन रखी थी। जैसे ही मैंने उन्हें देखा, उसी क्षण मेरे मन में उनके प्रति एकतरफा प्रेम जाग उठा। तभी मैंने मन ही मन यह निर्णय कर लिया कि यही वह लड़की है, जो विवाह के लिए पूर्णतः उपयुक्त है।

शादी के पांच-छह दिन बाद हम पहली बार दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित मैकडोनाल्ड्स में मिले। मुलाकात होते ही मैंने बिना किसी भूमिका के वैशाली से विवाह का प्रस्ताव रख दिया। यह सुनकर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि हमारे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए सहमत नहीं होंगी। उनके ऐसा कहने के बाद मेरा अगला प्रश्न था-"क्या तुम मेरा साथ दोगी?" उन्होंने 'हां' कहा। तब मैंने उनसे कहा कि फिर सब कुछ भगवान पर छोड़ देते हैं, सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद के कुछ वर्ष हमारे लिए काफी संघर्षपूर्ण रहे। वर्ष 2011 में वैशाली के पिता का निधन हो गया। इसके दो वर्ष बाद मेरे पिता भी हमें छोड़कर चले गए। इन घटनाओं के बाद दोनों परिवारों को मनाना और भी कठिन हो गया। उस समय मैं आर्थिक रूप से भी स्थिर नहीं था और दिल्ली में मेरा अपना घर भी नहीं था, जिसके कारण वैशाली का परिवार इस रिश्ते को लेकर आश्वस्त नहीं था, लेकिन वैशाली का हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहना ही मेरे लिए सबसे बड़ा संबल था।

वर्ष 2012 में मैंने दिल्ली में अपना घर लिया। दोनों परिवारों के कड़े विरोध और अनेक कठिनाइयों के बाद अंततः वह शुभ घड़ी भी आ गई और 18 नवंबर 2013 को हम विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। तब से लेकर आज तक हम दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। वर्ष 2016 में हमारे यहां एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसने हमारी खुशियों को और भी पूर्ण कर दिया। अब तक के इन बारह वर्षों के सफर में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हर भावनात्मक और आर्थिक संकट के समय वैशाली ने मेरा मजबूती से साथ दिया। आज मैं अपने परिवार के साथ बेहद संतुष्ट और खुश हूं।

-राम मोहन
और वैशाली

ब्रेल लिपि: एक स्पर्श, जो बदल देता है जीवन

फ्रांसीसी शिक्षक और आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 1824 में क्रांतिकारी 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार किया था, जिससे दृष्टिहीन व्यक्तियों की दुनिया ही बदल गई। ब्रेल लिपि से दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने का अद्वितीय माध्यम प्राप्त हुआ। इस लिपि ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने में बहुत बड़ी मदद की है, जिसके चलते वे समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी कर पाते हैं। ब्रेल लिपि ने उनके लिए शिक्षा, रोजगार और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। 'विश्व ब्रेल दिवस' दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और उनकी शिक्षा में ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दृष्टिहीन और आंशिक दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा, रोजगार और समावेशन के क्षेत्र में ब्रेल लिपि के महत्व को उजागर करता है। यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है और समाज में नेत्रहीन व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने को प्रोत्साहित करता है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

ब्रेल लिपि नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो उन्हें समाज में अपना स्थान बनाने में मदद करती है। ब्रेल लिपि छह बिंदुओं पर आधारित एक विशेष लेखन प्रणाली है, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्पर्श के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सीखने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली किताबों, पत्रिकाओं और नोट्स से लेकर डिजिटल उपकरणों तक, कई माध्यमों में उपयोग की जाती है। ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पुस्तकें पढ़ सकते हैं, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और यहां तक कि कम्प्यूटर भी चला सकते हैं। यह उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाती है। दरअसल ब्रेल लिपि एक ऐसी स्पर्शनीय लेखन प्रणाली है, जिसमें उभरे हुए बिंदुओं का उपयोग अक्षरों और संख्याओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। नेत्रहीन व्यक्ति अपनी उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस करके पढ़ सकते हैं। यह लिपि नेत्रहीन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करती है।

1824 में विकसित हुई प्रणाली

लुई ब्रेल द्वारा यह प्रणाली 1824 में विकसित की गई थी, उस समय उनकी आयु केवल 15 वर्ष ही थी। लुई ब्रेल का यह आविष्कार न केवल दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक प्रेरणा है। ब्रेल लिपि हालांकि एक प्रभावी साधन है, लेकिन इसके उपयोग में कई चुनौतियां भी हैं। दरअसल ब्रेल लिपि में छपी पुस्तकों की सीमित उपलब्धता दृष्टिहीन व्यक्तियों की शिक्षा में बाधा बनती है। इसके अलावा आज के बदलते डिजिटल युग में ब्रेल लिपि को डिजिटल माध्यमों में अपनाने की भी बड़ी आवश्यकता है। दृष्टिहीन व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक है कि समाज में अधिक समावेशी नीतियां और सुविधाएं विकसित की जाएं। विश्व ब्रेल दिवस वास्तव में दृष्टिहीन व्यक्तियों की चुनौतियों और उनकी उपलब्धियों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें स्मरण कराता है कि समावेशी समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिलें। ब्रेल-अनुकूल डिजिटल उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित करना, समुदाय में ब्रेल लिपि के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ब्रेल लिपि में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करना आज समय की बड़ी मांग है।

भारत में ब्रेल लिपि की चुनौतियां

भारत सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई सरकारी दस्तावेजों को ब्रेल लिपि में उपलब्ध कराया है। देशभर में कई ब्रेल पुस्तकालय भी हैं, जो नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल पुस्तकें और अन्य सामग्री उपलब्ध कराते हैं। भारत में कई स्कूल और कॉलेज ब्रेल लिपि में शिक्षा प्रदान करते हैं। नेत्रहीन छात्रों के लिए विशेष शिक्षक और पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल की-बोर्ड और अन्य तकनीकी उपकरणों ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सूचना तक पहुंच को आसान बना दिया है। हालांकि भारत में ब्रेल लिपि से जुड़ी कुछ चुनौतियां भी हैं। ब्रेल शिक्षकों की कमी के कारण कई नेत्रहीन बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ब्रेल डिस्प्ले और अन्य तकनीकी उपकरणों की उच्च लागत के कारण कई नेत्रहीन व्यक्ति इन तकनीकों का लाभ नहीं उठा पाते। समाज में ब्रेल लिपि और नेत्रहीन व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकार ने नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें ब्रेल लिपि को बढ़ावा देना भी शामिल है। कई गैर-सरकारी संगठन और व्यक्ति नेत्रहीन व्यक्तियों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। ब्रेल तकनीक में लगातार विकास भी हो रहा है, जिससे नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए जीवन आसान हो रहा है, लेकिन इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,762.01	26,328.55
बढ़त	573.41	182
प्रतिशत में	0.67	0.70

सोना 1,39,440 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,400 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 3 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कपड़ा क्षेत्र: पीएलआई योजना के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है। वस्त्र मंत्रालय ने बताया कि अगस्त 2025 में आवेदन पोर्टल दोबारा खुलने के बाद मिली प्रतिक्रिया के बाद आवेदन समय में विस्तार किया गया है। इस योजना के तहत मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्र सहित प्राथमिकता वाले वस्त्र क्षेत्र की कंपनियों द्वारा आवेदन किए गए हैं। अक्टूबर में सरकार ने वस्त्र क्षेत्र की पीएलआई योजना के तहत नए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाई थी, जिसे अब इस वर्ष मार्च तक और बढ़ा दिया गया है।

लखनऊ में 200 कमरों वाला होटल बनाएगा मिगसन ग्रुप

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मिगसन ग्रुप ने लखनऊ स्थित अपने मिश्रित उपयोग वाली परियोजना मिगसन जनपथ में 200 कमरों वाले होटल के निर्माण और संचालन के लिए आतिथ्य ब्रांड क्लबहाउस के साथ समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक यह समझौता 28 वर्ष की राजस्व आधारित पट्टा व्यवस्था पर आधारित है। यह होटल मिगसन जनपथ परियोजना के समग्र विकास का हिस्सा होगा, जिसमें पहले से खुदरा दुकानें, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और जीवनशैली संबंधी सुविधाएं शामिल हैं।

रियल एस्टेट में पीई निवेश 2025 में 59% बढ़कर 6.7 अरब डॉलर

कोलकाता। भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश वर्ष 2025 में सालाना आधार पर 59 प्रतिशत बढ़कर 6.7 अरब डॉलर हो गया। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संपत्ति सलाहकार फर्म सेविल्स इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल पीई निवेश का 76 प्रतिशत विदेशी संस्थागत पूंजी से आया जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस वृद्धि में विदेशी निवेशकों की प्रमुख भूमिका रही।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दो साल के सबसे निचले स्तर पर

खरीद प्रबंधक सूचकांक ने मासिक सर्वेक्षण के बाद जारी किए दिसंबर के आंकड़े

- नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को बताया गिरावट का प्रमुख कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

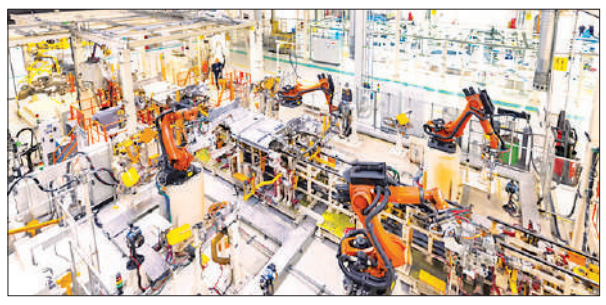

रोजगार सृजन की गति भी रही सबसे कम

नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। सर्वेक्षण में कहा गया, वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, मूल्य मुद्रास्फीति की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत 22 प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नए प्रस्तावों को शुक्रवार को मंजूरी दी। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। स्वीकृत प्रस्तावों में डिक्सन, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, फॉक्सकॉन (युझान टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव शामिल हैं। इन स्वीकृतियों से प्रत्यक्ष रोजगार के 33,791 अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इससे पहले घोषित 12,704 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 24 आवेदनों की मंजूरी के क्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईसीएमएस के तहत 22 और प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इनमें अनुमानित निवेश 41,863 करोड़ रुपये और अनुमानित उत्पादन 2,58,152 करोड़ रुपये है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कंपनियों को स्वीकृति पत्र सौंपे।

नए शिखर पर निफ्टी, सेंसेक्स 573 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक नए शिखर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स भी 573.41 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,762.01 अंक पर बंद हुआ जो इसका दूसरा उच्चतम बंद स्तर है।

बाजार में शुक्रवार को शुरू से ही तेजी रही। निफ्टी-50 सूचकांक 182 अंक यानी 0.70 प्रतिशत ऊपर 26,328.55 अंक पर बंद हुआ जो इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। बीच कारोबार में यह 26,340 अंक तक मजबूत हुआ था। सेंसेक्स इससे पहले 26 सितंबर 2024 को यह 85,836.12 अंक पर बंद हुआ था। चौतरफा लिवाली के बीच 1 फरवरी से पान मसाला, सिगरेट-बीड़ी तथा अन्य तंबाकू उत्पादों पर उपकर, कर और आयात शुल्क बढ़ाने की अधिसूचना के बाद एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। इसका शेयर शुक्रवार को 3.79 प्रतिशत टूट गया। गुरुवार को भी इसमें करीब 10 फीसदी की गिरावट रही थी। मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी बढ़त में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.94 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही।

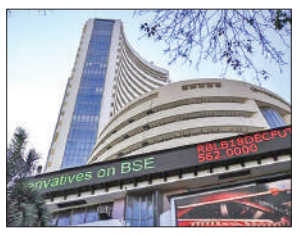

- तंबाकू उत्पादों पर शुल्क की घोषणा से लगातार दूसरे दिन गिरे आईटीसी के शेयर

सोना 1100 और चांदी 4000 रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,39,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत भी 4,000 रुपये बढ़कर सभी टैक्स मिलाकर 2,41,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 67.47 डॉलर या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 4,392.94 डॉलर प्रति औंस हो गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई। रुपया शुक्रवार को फिर गिर गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और डॉलर मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 18.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 559.61 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 113.32 अरब डॉलर हो गया।

कृभको : ऋषिपाल बने यूपी के राज्य प्रबंधक

लखनऊ। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए ऋषिपाल सिंह राठौर को उत्तर प्रदेश का राज्य प्रबंधक नियुक्त किया है।

ऋषिपाल सिंह राठौर सहारनपुर जिले के गांव सांपला बेगमपुर से निकलकर इन ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। उन्होंने 1996 कृषि में स्नातकोत्तर किया था। इसके बाद कृभको संस्था में योगदान कर पंजाब, हरियाणा के कई पदों पर कार्य किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में राज्य विपणन प्रबंधक का पद संभाला। शुक्रवार को उन्होंने लखनऊ में कृभको उत्तर प्रदेश में राज्य प्रबंधक का कार्यभार संभाला। ऋषिपाल सिंह राठौर को विपणन क्षेत्र में 30 वर्षों का प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अनुभव प्राप्त है। कृभको प्रबंधन ने आशा जताई है कि ऋषिपाल सिंह राठौर के अनुभव एवनं दक्षता से संगठन को उद्देश्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सरकार ने की 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई

सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये का गारंटी समर्थन शामिल है। दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे।

वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे। ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था। प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है।

मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, एमएसएमई को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी।

उद्योगों को नवंबर 2025 में बैंक ऋण 9.6 प्रतिशत बढ़ा: आरबीआई

मुंबई। उद्योगों को बैंक से मिलने वाला ऋण नवंबर 2025 में 9.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि नवंबर 2024 में यह 8.3 प्रतिशत था। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संबंध में आंकड़े जारी किए हैं। सालाना आधार पर, 28 नवंबर 2025 तक की दो-सप्ताह की अवधि में गैर-खाद्य बैंक ऋण में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 10.6 प्रतिशत था।

आरबीआई ने कहा कि उद्योगों को दिया गया ऋण सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि नवंबर 2024 में यह 8.3 प्रतिशत था। 'विभिन्न क्षेत्रों को बैंक कर्ज - नवंबर 2025' के अनुसार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को दिया गया ऋण लगातार दहाई अंकों की दर से बढ़ रहा है। प्रमुख उद्योगों में बुनियादी ढांचा, सभी प्रकार की इंजीनियरिंग, वस्त्र उद्योग और पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद तथा परमाणु ईंधन से जुड़े बकाया ऋण में सालाना आधार पर मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सरकार ने दिए श्री सीमेंट के खिलाफ जांच के आदेश

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने सीमेंट विनिर्माता श्री सीमेंट के खिलाफ जांच के आदेश देने के साथ उससे कुछ सूचनाएं मांगी हैं।

बांगुर परिवार प्रवर्तित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे एक जनवरी को मंत्रालय के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय, अहमदाबाद से इस संबंध में एक पत्र मिला है। जांच की प्रकृति या कारणों का खुलासा किए बगैर कंपनी ने कहा कि मांगी गई जानकारी उचित समय पर उपलब्ध करा दी जाएगी। नियामकीय सूचना के मुताबिक, पत्र में कहा गया है कि मंत्रालय ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 210(1)(सी) के तहत जांच के आदेश दिए हैं और इसी क्रम में कंपनी से कुछ विवरण मांगे गए हैं। यह धारा केंद्र सरकार को जनहित में किसी कंपनी के मामलों की जांच कराने का अधिकार देती है।

एलआईसी: बंद हो चुकी पॉलिसी फिर चालू करने के लिए विशेष अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को बंद हो चुकी व्यक्तिगत पॉलिसियों को फिर से चालू करने के लिए दो महीने का विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की।

यह विशेष अभियान एक जनवरी से दो मार्च, 2026 तक चलाया जाएगा और इसमें सभी 'नॉन-लिंक्ड' पॉलिसियां शामिल होंगी। इसके तहत विलंब शुल्क में आकर्षक रियायत दी जा रही है। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि फिर से चालू करने योग्य सभी 'नॉन-लिंक्ड' बीमा योजनाओं पर विलंब शुल्क में 30 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। यह छूट अधिकतम 5,000 रुपये तक होगी। कंपनी ने कहा कि सूक्ष्म बीमा पॉलिसियों के लिए विलंब शुल्क पर 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, ताकि जोखिम कवर को फिर से बहाल किया जा सके।

बयान में कहा गया कि जो पॉलिसी प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान बंद हो गई हैं, और जिनकी अवधि पूरी नहीं हुई है, उन्हें इस अभियान के तहत फिर से चालू किया जा सकता है। इसमें चिकित्सा अथवा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

विदेशी मुद्रा भंडार

वैश्विक स्तर पर समृद्धि की निशानी

- एशियाई देशों में चीन के पास सर्वाधिक विदेशी मुद्रा भंडार है, चीन दुनिया में भी शीर्ष पर है

किसी भी देश के केंद्रीय बैंक के पास सुरक्षित रखी गई विदेशी मुद्रा और संपत्तियों को विदेशी मुद्रा भंडार कहा जाता है जैसे कि भारत का केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया है। विदेशी मुद्रा भंडार में मुख्य रूप से विदेशी मुद्राएं जैसे डॉलर और यूरो, स्वर्ण भंडार, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास जमा राशि शामिल होती है। एक बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार अंतरराष्ट्रीय निवेशकों में विश्वास पैदा करता है कि देश अपने ऋण दायित्वों को पूरा करने में सक्षम है।

- 26 दिसंबर 2025 समाप्त सप्ताह में 696.61 बिलियन डॉलर भंडार
- मार्च 2026 तक 745 बिलियन तक पहुंच जाने का है अनुमान

विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व

- विदेशी मुद्रा भंडार कच्चे तेल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी आयातित वस्तुओं के भुगतान की गारंटी देता है।
- वैश्विक आर्थिक संकट या बाजार में अस्थिरता के समय यह अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा कवच बनता है।
- जब भारतीय रुपये की कीमत गिरने लगती है, तो आरबीआई डॉलर बेचकर उसे नियंत्रित करता है।

ऐसे बढ़ता है यह भंडार

- निर्यात में वृद्धि यानी जब देश सामान और सेवाएं बाहर बेचता है, तो उससे विदेशी मुद्रा देश में आती है।
- भारत में विदेशी निवेश या विदेश में रहने वाले भारतीयों द्वारा घर पैसा भेजने से भी भंडार में वृद्धि होती है।
- भंडार में मौजूद सोना या विदेशी मुद्राओं की कीमत बढ़ने पर भी भंडार की वैल्यू स्वत: ही बढ़ जाती है।

ऐसे आती है इसमें गिरावट

- पेट्रोलियम और दूसरी वस्तुओं के आयात के लिए जब देश को बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है।
- रुपये की वैल्यू को स्थिर रखने के लिए जब रिजर्व बैंक बाजार में डॉलर को बेचता है तो भंडार घट जाता है।
- अंतरराष्ट्रीय ऋणोंको चुकाने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया जाता है तो इसका भी असर पड़ता है।

भारत में हुए उतार-चढ़ाव

- सितंबर 2024 में भारत में 704.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सर्वकालिक उच्चतम स्तर था।
- वर्ष 1991 के आर्थिक संकट के दौरान 1.2 बिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार न्यूनतम स्तर था।

संकट का दौर

- 1991 के संकट के समय भारत के पास सिर्फ तीन हफ्तों के आयात के लिए ही भंडार बचा था।
- सितंबर 1998 में भी विदेशी मुद्रा का न्यूनतम स्तर 29.04 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था।

एक्स को तुरंत एआई जनित अश्लील सामग्री हटाने के लिए नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- 72 घंटे में पेश करनी होगी रिपोर्ट, वर्ना कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

सरकार ने शुक्रवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को कड़ा नोटिस जारी करते हुए मंच से सभी एआई जनित अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्रियों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि 'एक्स' के एआई एप ग्रोक के जरिए तैयार की गई आपत्तिजनक सामग्री को खासतौर पर तत्काल हटाना होगा। ऐसा न करने पर सोशल मीडिया कंपनी के खिलाफ कानून के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

मंत्रालय ने भारत में एक्स के मुख्य अनुपालन अधिकारी को भेजे नोटिस में कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत निर्धारित वैधानिक जांच-पड़ताल दायित्वों का पालन न करने का आरोप है। इस आदेश के मुताबिक, एक्स को निर्देश दिया गया है कि वह कानूनों का उल्लंघन कर पहले से बनाई या प्रसारित की गई सभी सामग्री को बिना देरी हटाए या उसकी पहुंच को निष्क्रिय करे। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित की जाए, ताकि साक्ष्यों के साथ किसी तरह से छेड़छाड़ न हो। मंत्रालय ने एक्स से आपत्तिजनक सामग्री, यूजर्स और खातों के खिलाफ कदम उठाने का भी निर्देश दिया है।

सोशल मीडिया मंच को आदेश जारी होने के 72 घंटे के भीतर एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। नोटिस में खासकर ग्रोक के दुरुपयोग से तैयार अश्लील, नग्न, आपत्तिजनक एवं यौन गतिविधियों को स्पष्ट रूप से दर्शाने वाली सामग्री के होस्टिंग, निर्माण, प्रकाशन, प्रसारण, साझा करने या अपलोड करने पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा गया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित वैधानिक प्रावधानों का पालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा और मंच, उसके जिम्मेदार अधिकारियों तथा कानून तोड़ने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ बिना अतिरिक्त नोटिस के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तंबाकू के उत्पादों पर शुल्क बढ़ने से तस्करी बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एफएआईएफए ने सरकार पर लगाया वादे से पलटने का आरोप

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशंस (एफएआईएफए) ने शुक्रवार को कहा कि सरकार के तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने से किसानों की आय को नुकसान होगा तथा अवैध व्यापार से पहले से ही जूझ रहे बाजार में तस्करी और बढ़ जाएगी।

यह चेतावनी वित्त मंत्रालय की ओर से चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू एवं गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण व शुल्क संग्रह) नियम, 2026 के तहत लंबाई के आधार पर प्रति 1,000 सिगरेट 'स्टिक' पर 2,050-8,500 रुपये का उत्पाद शुल्क एक फरवरी से लागू करने की घोषणा के बाद दी गई है।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और गुजरात के उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसानों के संगठन एफएआईएफए ने कहा कि शुल्क में वृद्धि राजस्व-तटस्थ कर सुधार के संबंध में सरकार के आश्वासनों के विपरीत है। एफएआईएफए के अध्यक्ष मुरली बाबू ने कहा, हमें यह देखकर गहरा सदमा लगा है कि वादा पूरा नहीं किया गया बल्कि किसानों की आजीविका की कीमत पर करों में भारी वृद्धि से जुड़ी अधिसूचना जारी की गई है। किसानों के संगठन ने आगाह किया कि खुदरा कीमतों में वृद्धि से सिगरेट की कानूनी खपत कम हो जाएगी जिससे घरेलू स्तर पर उगाए गए तंबाकू की मांग प्रभावित होगी तथा संभावित रूप से फसल बाजार में अधिकता उत्पन्न हो जाएगी।

पहल

सामाजिक सुरक्षा के लिए श्रम मंत्रालय की ओर से रखा गया प्रस्ताव, हितधारकों से मांगे सुझाव

गिग कर्मचारियों को साल में 90 दिन काम मिलना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रम मंत्रालय ने एप-आधारित डिलीवरी पार्टनर, कैब ड्राइवर और फ्रीलांसर जैसे अस्थाई कामगारों यानी गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए साल भर में कम-से-कम 90 दिन काम करने का प्रस्ताव रखा है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत बनाए गए नए मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव रखा गया है। यह मसौदा 31 दिसंबर को जारी किया गया है और इस पर हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं।

सरकार ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 समेत चार नए श्रम कानूनों को 21 नवंबर, 2025 को अधिसूचित किया था। मसौदा नियमों के मुताबिक, यदि कोई अस्थाई या ऑनलाइन मंच से जुड़ा कामगार किसी एक कंपनी या एप के साथ पिछले वित्त वर्ष में कम-से-कम 90 दिन काम करता है तो वह सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र माना जाएगा। अगर इस अवधि में वह एक से अधिक एप या कंपनियों के साथ काम करता है तो कुल मिलाकर उसे न्यूनतम 120 दिन काम करना होगा। मंत्रालय ने साफ किया है कि किसी दिन चाहे जितनी भी कमाई हुई हो, यदि उस दिन काम किया गया है तो उसे एक कार्यदिवस माना जाएगा। अगर कोई डिलीवरी पार्टनर या कैब ड्राइवर किसी दिन एप के जरिये एक भी ऑर्डर या सफर को पूरा करता है, तो वह दिन उसके कामकाजी दिन के रूप में गिना जाएगा।

यहां तक कि यदि कोई व्यक्ति एक ही दिन में तीन अलग-अलग एप के लिए काम करता है तो उसे तीन दिन का काम माना जाएगा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि ऐसे सभी गिग वर्कर इसमें शामिल होंगे, जिन्हें कंपनियां सीधे या किसी दूसरी सहयोगी कंपनी या एजेंसी के जरिए काम पर रखती हैं। हर कंपनी को अपने साथ जुड़े अस्थाई कामगारों की जानकारी नियमित रूप से सरकारी पोर्टल पर अद्यतन करनी होगी। जानकारी अद्यतन नहीं होने पर कामगार को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाएगा।

दिल्ली में बिजली की मांग 5,595 मेगावाट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सर्दी और नए साल के जश्न की वजह से बिजली की अधिकतम मांग शुक्रवार को बढ़कर 5,595 मेगावाट तक पहुंच गई। बिजली वितरण कंपनियों ने यह जानकारी दी। बिजली वितरण कंपनियों टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लि. और बीएसईएस ने बताया कि बृहस्पतिवार को यह मांग 5,603 मेगावाट थी, जो सर्दियों में अब तक का तीसरा उच्चतम रिकॉर्ड है। दोनों कंपनियों ने अधिकतम मांग को पूरा करने का दावा किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान में बारिश से 17 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में मौसम की पहली भारी बारिश और बर्फबारी के चलते कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ ने 17 लोगों की जान ले ली और 11 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हेरात प्रांत के काबकान जिले में एक मकान की छत गिरने से परिवार के पांच सदस्य मारे गए।

मादुरो अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार

काराकस। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने गुरुवार को कहा कि उनका देश मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने को तैयार है। मादुरो ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में यह बात कही। हालांकि, उन्होंने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के एक बंदरगाह क्षेत्र पर अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गाम्बिया में नाव पलटने से सात लोगों की मौत

बंजुल। गाम्बिया के उत्तरी तट के पास बुधवार की आधी रात को एक नाव पलट गई जिसमें 200 से अधिक अवैध प्रवासी सवार थे। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने गुरुवार को दी। संकट की सूचना मिलते ही, गाम्बियाई नौसेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपातकालीन एजेंसियों के समन्वय से खोज, बचाव और राहत अभियान शुरू किया। 96 लोगों को बचाया जा चुका है।

मेक्सिको में 6.5 तीव्रता के भूकंप के लगे झटके

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी और मध्य मेक्सिको में आए जबरदस्त भूकंप के कारण राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम का नए साल का पहला संवाददाता सम्मेलन बाधित हो गया। मेक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.5 थी और इसका केंद्र दक्षिणी प्रांत गुरेरो में सैन मार्कोस शहर के निकट, प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को रिसॉर्ट के नजदीक था। नुकसान की कोई खबर नहीं है।

दो भारतवंशी बनेंगे सिंगापुर में सांसद

सिंगापुर। सिंगापुर में समुदाय और समाज के लिए अपने योगदान से ख्याति अर्जित करने वाले भारतीय मूल के दो व्यक्ति अगले सप्ताह संसद सदस्य मनोनीत किए जाने वाले हैं। ये दोनों उन नौ नामों में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति टी. शनमुगरत्नम ने आठ जनवरी को मनोनीत संसद सदस्य घोषित किया था और वे इस महीने संसद के अगले सत्र में शपथ लेंगे।

मध्य प्रदेश में फूड पॉइजनिंग होने से 200 तोतों की गई जान

- **खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे मृत पाए गए सभी**

खरगोन, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए। तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई, हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने जांच को जबलपुर भेजे गए हैं।

आपूर्ति प्रणाली में सुधार जरूरी

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। इन लोगों ने सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली के माध्यम से नलों के माध्यम से की गई जलापूर्ति के पानी का सेवन किया था। पानी पीने से इतने लोगों की मौत पर देशभर में लोगों में चर्चा छिड़ी हुई है। पेयजल को लेकर गंभीर हो गए हैं कि क्या पानी पीने से भी जान जा सकती है। सरकार की जल आपूर्ति व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेयजल की लाइन में सीवर का जहरीला पानी शामिल हो गया था। संभवत: पेयजल लाइन सीवर लाइन के नीचे से जा रही थी, पाइप में छेद होने से सीवर का पानी उससे होकर लोगों के घरों में पहुंचा और पीने से 15 जिंदगियां काल के गाल में समा गईं। मामले की जांच बैठा दी गई थी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इसका जिम्मेदार कौन है और लोगों को स्वच्छ जल कब मिलेगा।

स्वच्छ जल का संकट

दूषित पानी में ये जहरीले तत्व

- स्वास्थ्य विभाग और जल प्रदाय एजेंसियों के अनुसार सीवर का पानी आमतौर पर कई खतरनाक तत्वों से भरा होता है।

हानिकारक बैक्टीरिया : ई.कोलाई, साल्मोनेला, शिगेला • **वायरस :** रोटावायरस, नोरोवायरस • **परजीवी :** जिआर्डिया, क्रिप्टोस्पोरिडियम

रासायनिक अशुद्धियां : अमोनिया, नाइट्रेट/नाइट्राइट, सल्फाइड, जैविक कचरा और सड़न से बनी विषैली गैसों के अवशेष

- इन तत्वों के कारण पानी पीते ही तेज फूड प्वाइजनिंग, डिहाइड्रेशन और सेप्सिस जैसी गंभीर स्थितियां बन सकती हैं। जो कई बार जानलेवा साबित हो सकती हैं जैसा कि इंदौर में देखने को मिला।

नागरिक खुद भी रहें जागरूक

- नल का पानी उबालकर/फिल्टर करके ही पिएं
- किसी भी तरह के लक्षण पर तुरंत अस्पताल जाएं
- बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें
- घर में लगी पानी की टंकियों की एक नियमित अंतराल पर सफाई कराएं

स्वच्छ पानी के तत्व

आमतौर पर हमे आंखों से जो पानी साफ दिखाई देता है उसे ही स्वच्छ मान लेते हैं और पेयजल, स्नान और खाना आदि बनाने में प्रयोग करने लगते हैं लेकिन स्वास्थ्य मानकों के अनुसार पेयजल में कुछ निश्चित तत्व होते हैं जो उसे हमारे शरीर के लिए सुरक्षित बनाते हैं और उसका सेवन ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह पानी रोगाणु शून्य होना चाहिए। इसका पीएच मान 6.5–8.5 के बीच होना चाहिए। टीडीएस लेवल औमतौर पर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर तक स्वीकार्य हैं। पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक जैसे तत्व भी एक तय सीमा में होने चाहिए। पेयजल का रंग, गंध और स्वाद सामान्य होता है।

सीवर के पानी का शरीर पर असर

- दूषित पानी का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है, लेकिन गंभीर मामलों में कई अंग प्रभावित होते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर सेप्टिक शॉक जानलेवा साबित हो सकता है।
- **आंतें व पेट :** तेज दस्त, उल्टी, पेट दर्द • **किडनी :** डिहाइड्रेशन से किडनी फेल होने का खतरा • **लिवर :** संक्रमण और टॉक्सिन से सूजन • **दिल :** इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से धड़कन पर असर • **नर्वस सिस्टम :** कमजोरी, चक्कर, बेहोशी
- **इम्यून सिस्टम :** गंदे पानी के सेवन से बच्चों और बुजुर्गों में तेजी से हालाते बिगड़ते हैं क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है।

ईरान में सड़कों पर उतरे लोग, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में सात लोगों की मौत

खराब अर्थव्यवस्था के खिलाफ अब प्रांतों में भी फैला आक्रोश, सुरक्षाबलों से झड़प

- **लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में हुई सबसे अधिक हिंसा**

दुबई, एजेंसी

विरोध प्रदर्शन के दौरान तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मस्जिद में एक समारोह में ईरानी झंडे लहराते लोग।

ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और गुरुवार को ये प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। प्रदर्शन में सात लोगों के मारे जाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि देश की सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं।

राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है।

यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में वहां सड़कों पर जलती हुई वस्तुएं दिखाई दे रही हैं साथ ही गोलियों की आवाजें गूंजती हैं जबकि लोग बेशर्म! बेशर्म! चिल्ला रहे हैं। अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी फ़ार्स ने तीन लोगों के मारे जाने की खबर दी। सुधार समर्थक मीडिया संस्थानों ने भी जानकारी दी है।

ट्रंप ने दी चेतावनी, प्रदर्शनकारियों का दमन होने पर हम चुप नहीं बैठेंगे

वाशिंगटन/ तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी शासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का दमन किया गया, तो अमेरिका मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक संदेश में स्पष्ट किया कि अगर ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलायी या उनकी हत्या की, तो अमेरिका हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लिखा, अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उन्हें बेरहमी से मारता है, जो कि उनकी आदत है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आएगा। हमने निशाना साध लिया है और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह संदेश ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के कई शहरों में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर पिछले पांच दिनों से व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। गौरतलब है कि ईरान में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। यह संकट देश की मुद्रा रियाल में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद और गहरा गया है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत करीब 14.2 लाख रियाल के स्तर पर पहुंच गयी है। इस आर्थिक बदहाली के कारण तेहरान के ग्रैंड बाजार सहित प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने हड़ताल कर दी है। यह विरोध प्रदर्शन शुरू में केवल आर्थिक मांगों को लेकर शुरू हुए थे, वे अब राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुके हैं और प्रदर्शनकारी देश की शासन व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर ने उमर खालिद को पत्र लिखा, कहा- आपके बारे में सोच रहे हम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य आरोपी हैं खालिद, कोर्ट में चल रहा है मामला**
- **अमेरिकी सांसदों के समूह ने भी भारतीय राजदूत को पत्र लिख निष्पक्ष सुनवाई की मांग उठाई**

भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में नोट लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हिंसा के आरोपी उमर खालिद को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कड़वाहट को महत्व नहीं देने और स्वयं पर इसके हावी नहीं होने पर खालिद के विचारों को याद किया। ममदानी की इस चिट्ठी को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने एक्स पर पोस्ट किया था।

खालिद को लिखी ममदानी की चिट्ठी की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, जब जेल लोगों को अलग-थलग करने की कोशिश करती हैं तो आपके शब्द ताकत बनकर फैल जाते हैं। इस हाथ से लिखी चिट्ठी पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है कि प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपके बारे में ही सोच रहे हैं।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगा मामले में मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप में खालिद और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कड़े आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस दंगे में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस बीच, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर खालिद के लिए जमानत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार निष्पक्ष एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिकी नेता जिम मैकगवर्न और जेमी रास्किन उन आठ सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने क्वात्रा को पत्र लिखकर दिल्ली में फरवरी 2020 की हिंसा के संबंध में खालिद समेत आरोपी व्यक्तियों को सुनवाई से पूर्व लंबे समय से हिरासत में लिए जाने के बारे में अपनी निरंतर चिंता व्यक्त की है। चिट्ठी में कहा गया है कि अमेरिका और भारत के बीच एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसकी जड़ें ऐतिहासिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक शासन और मजबूत जन-से-जन संबंधों में रही हैं। चिट्ठी में लिखा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते दोनों देशों का स्वतंत्रता, कानून के शासन, मानवाधिकारों और बहुलतावाद की रक्षा और संरक्षण में साझा हित है। सांसदों ने कहा कि इसी भावना के तहत वे उमर खालिद की हिरासत को लेकर अपनी चिंताएं उठा रहे हैं। सांसदों का दावा है कि मानवाधिकार संगठनों, विधि विशेषज्ञों और वैश्विक मीडिया ने खालिद की हिरासत से जुड़ी जांच और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी सांसदों ने कहा इस बात का स्वागत किया कि खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी गई।

ईडी ने जब्त की 58 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हरियाणा और यूपी पुलिस की एफआईआर पर दिल्ली में छापे**

डिजिटल घोटाले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने हाल ही में अर्पित राठौर के परिसर में तलाशी अभियान चलाया, जिसे एसपी ओसवाल के डिजिटल अरेस्ट मामले से संबंधित धनशोधन जांच मामले में गिरफ्तार किया गया।

ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इंदरजीत सिंह यादव, उसके सहयोगियों और अन्य संबंधित संस्थाओं से जुड़े धनशोधन मामले की जारी जांच में हाल ही में दिल्ली में कई परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया है। आरोपियों पर जबरन वसूली, निजी वित्तदाताओं के साथ जबरन ऋण समझौते, हथियारों का इस्तेमाल करके धमकी देने और इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से आय अर्जित करने का आरोप है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा इंदरजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक एफआईआर के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के अंतर्गत जांच शुरू की। एफआईआर के अनुसार, जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, जो जेम्स ट्यून्स के नाम से संचालित होती है, का मालिक और प्रमुख नियंत्रक इंदरजीत सिंह यादव हत्या, जबरन वसूली, जबरन ऋण निपटान, धोखाधड़ी, जालसाजी, अवैध भूमि हड़पने और हिंसक अपराधों सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि यादव संयुक्त अरब अमीरात से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। तलाशी के दौरान, ईडी ने अवैध साधनों से अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की पहचान की।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो, एजेंसी

- **श्रीलंकाई क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने का आरोप**

श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में गुरुवार देर रात को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

म्यांमार ने भारत के तीन लोगों को स्वदेश भेजा

यांगून। म्यांमार में नौकरी संबंधी फर्जीवाड़े में फंसे तीन भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि जुलाई 2024 से अब तक कुल 1,757 भारतीयों को भारत वापस भेजा जा चुका है। म्यावाड्डी फर्जीवाड़े के शिकार हुए तीनों लोगों को गुरुवार को स्वदेश वापस भेज दिया गया। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बताया कि म्यांमार के अधिकारियों और संगठनों के सहयोग से म्यावाड्डी फर्जीवाड़े से जुड़े केंद्रों से तीन और भारतीय नागरिकों को कल यांगून के रास्ते वापस स्वदेश भेजा गया।

रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर ठग लिए 1.61 करोड़ रुपये

कारवार (कर्नाटक), एजेंसी

- **मुंबई पुलिस का अधिकारी बन जालसाजों ने जाल में फंसाया**

मुंबई पुलिस के अधिकारी बनकर साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक को बार-बार वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट करके 1.61 करोड़ रुपये की ठगी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना उत्तर कन्नड़ जिले के मुंडगोड स्थित तिब्बती कॉलोनी के एक निवासी से संबंधित है।

जिला पुलिस में गुरुवार को दर्ज शिकायत के अनुसार, पाल्डेन को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल करके खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा थाने का निरीक्षक बताया। फोन करने वाले ने दावा किया कि मुंबई में गिरफ्तार किए गए एक आतंकवादी के पास से कई एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं और उनमें से एक कार्ड पाल्डेन के नाम पर पंजीकृत है। बुजुर्ग को यह कहकर धमकाया कि उसके बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाले गए हैं और उसके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया है। धमकी को विश्वसनीय बनाने के लिए आरोपी ने पुलिस वर्दी पहनी थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 15.32 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

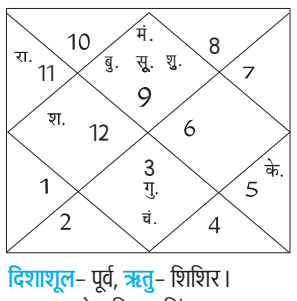

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 17.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी प्रतिभा को और विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने विचारों को हमेशा स्पष्ट रखें व उनमें बदलाव न करें। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव काफी कम रहेगा। युवा जातक प्रेम विवाह की योजना बना सकते हैं।

वृष — आज किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। क्रोध में आकर किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया न दें। अपनी क्षमताओं को परखने का प्रयास करें। आप रुकी हुई परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मेहनत करेंगे।

मिथुन — आज आप अपनी पुरानी गलतियों से सीखेंगे। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। सकारात्मक लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने लक्ष्यों को लेकर काफी भावुक हो सकते हैं।

कर्क — आज किसी नजदीकी ज्यादा सोच-विचार के बजाय जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए। परिवार और कार्यक्षेत्र में जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें। पुराने कर्जों के कारण आपको तनाव हो सकता है।

सिंह — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। मन में संतोष की भावना रहेगी। आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। उच्च शिक्षा को लेकर काफी उत्सुक रहेंगे। ऐसे कोई काम न करें, जिसमें आपकी छवि दांव पर लगी हो।

कन्या — आज सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। तनाव न लेते हुए समस्याओं का शांत मन से समाधान ढूंढें। राजनैतिक मामलों से जुड़े लोगों को थोड़ा सावधान रहना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला — आज अधिकारियों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। अपनी विशेषताओं को आप व्यक्त करने में सफल रहेंगे। व्यवसाय में आपको संघर्ष की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपको क्षमता से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें। घर में अनुशासन बनाए रखें। करियर और शिक्षा को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। अपने गुप्त रहस्य और विद्या किसी से साझा न करें।

धनु — आज सरकारी कार्यों में कुछ धीमापन हो सकता है। किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी में स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। बॉस आपके काम से बहुत प्रसन्न रहेंगे।

मकर — आज नकारात्मक परिस्थितियों के बीच भी संयम बनाए रखें। हालांकि लोगों के ऊपर आपका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेना लाभकारी सिद्ध होगा। आप स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन अवश्य करें। परोपकार और समाज कल्याण के कार्यों में अपना सहयोग देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके उत्तम प्रदर्शन को लेकर चर्चा होगी। बाहरी व्यक्तियों का पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप न होने दें।

मीन — आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग नहीं कर पाएंगे। यदि आवश्यक न हो, तो बड़े आर्थिक लेन-देन कम करें। व्यापारी नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को मर्यादित रखें।

सुडोकू-21

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		4		6		8		5
		8		7	1	2	4	
	9			2			3	
9			7					6
		3				1		
5					8			2
	6			4			8	
	2	1	9	8		7		
8		7		3		9		

सुडोकू - 20 का हल

5	9	1	6	3	7	8	4	2
2	8	4	1	9	5	3	6	7
3	7	6	4	2	8	1	9	5
4	6	9	2	1	3	7	5	8
8	1	5	9	7	6	4	2	3
7	3	2	5	8	4	6	1	9
6	4	7	8	5	2	9	3	1
9	2	3	7	4	1	5	8	6
1	5	8	3	6	9	2	7	4

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि ब्रैंडन और मैं निकट भविष्य में यह जिम्मेदारी निभाते रहने के लिए सही लोग हैं। मैंने ब्रैंडन के साथ काम करने का समय पूरी तरह से आनंद लिया है। मुझे नहीं लगता कि कोई और है जिसके साथ मैं इस टीम को मौजूदा स्थिति से और ऊंचाइयों तक ले जा सकूं।
-बेन स्टोक्स।

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार ,3 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में आम जनता को अनुमति नहीं

जयपुर। विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी के अपने दोनों मैच 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में दर्शकों के बिना खेला था, उसी तरह शनिवार को जयपुरिया कॉलेज के मैदान पर सिक्किम के खिलाफ पंजाब के लिए भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल के मैच के दौरान भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई के निर्देशानुसार भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के अगले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। गोवा के खिलाफ मैच केएल सैनी स्टेडियम में होगा जबकि सिक्किम के खिलाफ स्थानीय कॉलेज के मैदान पर होने वाला मैच सुरक्षा कारणों और दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के

खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था। सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है।

पुरुषों की एचआईएल लीग आज से

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शनिवार से शुरु हो रही पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के दूसरे संस्करण के पहले मैच में मेजबान अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स का मुकाबला हैदराबाद तूफान से होगा। श्राची बंगाल टाइगर्स डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहीं हैदराबाद तूफान पिछले संस्करण की उपविजेता रही है। यह चैंपियनशिप कई शहरों में होगी, जिसकी शुरुआत चेन्नई से होगी, फिर यह रांची जाएगी और 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल के साथ खत्म होगी।

भारतीय फुटबॉलरों ने फीफा से अपील की

नई दिल्ली। सुनील छेत्री सहित भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने वाले कई विदेशी खिलाड़ियों ने शुक्रवार को मिलकर विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा से आईएसएल के निलंबन पर हस्तक्षेप की अपील की। अभी तक आईएसएल का 2025-26 सत्र शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में सीनियर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी छेत्री, गुरप्रीत सिंह संधू और संदेश झिंगन ने लंबे समय से बनी अनिश्चितता पर चिंता जताते हुए चेतावनी दी कि भारतीय फुटबॉल स्थायी ठहराव की स्थिति में पहुंच रहा है।

5वें एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे ख्वाजा

सिडनी, एजेंसी

पाकिस्तान में जन्में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने घोषणा की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ रविवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले पहले मुस्लिम खिलाड़ी ख्वाजा ने संन्यास की घोषणा करते हुए 'नस्लीय' रूढ़िवादिता की भी आलोचना की जिसका अनुभव उन्होंने अपने करियर के दौरान किया था।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज 39 वर्षीय ख्वाजा के लिए एससीजी का मैदान काफी भाग्यशाली रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवा टेस्ट उनके करियर का 88वां और आखिरी टेस्ट मैच होगा, जो उसी मैदान पर खेला जाएगा जहां से उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। ख्वाजा ने 2018 में एससीजी में ही इंग्लैंड के खिलाफ 171 रन बनाकर एशेज में अपना पहला शतक बनाया था। एससीजी में ही उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक लगाकर 35 वर्ष की उम्र में अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद अगले दो वर्षों में ख्वाजा ने सात शतक जड़े। लेकिन वर्तमान सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट में पीठ में दर्द के कारण वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाए थे और इसके बाद चोट के कारण ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहने से टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए थे। एडिलेड में तीसरे टेस्ट मैच में उन्हें पहले टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ के अस्वस्थ होने के कारण ख्वाजा को वापसी का मौका मिला। एडिलेड में पहली पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली। पांचवें टेस्ट में 3-1 की बढ़त के साथ उतर रहे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी है।

- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज ने नस्लीय रूढ़िवादिता की आलोचना की
- उस्मान ने 87 टेस्ट मैचों में 43.49 के औसत से 16 शतक सहित 6,206 रन बनाए

बोले- मेरे साथ किया गया अलग व्यवहार

ख्वाजा ने पत्रकारों से कहा मेरे साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वो अलग था, घटनाएं भी अलग थीं। मुझे पीठ में दर्द होता है जो मेरे बस में नहीं है पर मीडिया व पूर्व खिलाड़ी मुझ पर टूट पड़ते हैं। मुझे लगभग पांच दिनों तक आलोचना का सामना करना पड़ा। मुझे लेकर कई तरह की नस्लीय रूढ़िवादिता सामने आई, जैसे कि मैं आलसी हूं, पाकिस्तानी, वेस्टइंडीज के, अश्वेत खिलाड़ी...हम स्वार्थी हैं, हम सिर्फ अपनी परवाह करते हैं, हमें टीम की परवाह नहीं है, हम कड़ी मेहनत नहीं करते। ये वो बातें थीं जिनसे मैं अपनी पूरी जिंदगी जूझता रहा हूं। पर्थ मैच से पहले ख्वाजा की आलोचना हुई क्योंकि दो बार गोल्फ खेला और अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया। कुछ लोगों का मानना था कि गोल्फ ही उनकी पीठ की समस्या का कारण हो सकता है। मैं ऐसे उदाहरण दे सकता हूं जब खिलाड़ी गोल्फ खेल कर चोटिल हो गए पर आप लोगों ने कुछ नहीं कहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला के लिए आज चुनी जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम

मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के चयन पर होगी चर्चा, 11 जनवरी से सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे शृंखला के लिए शनिवार को जब चयनकर्ता 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन करने बैठेंगे तो ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले हुई शृंखला में जीत दर्ज करने वाली टीम में हालांकि कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, लेकिन अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति दो मुद्दों पर ध्यान दे सकती है।

पहला मुद्दा पंत की दूसरे विकेटकीपर के रूप में स्थिति हो सकती है, क्योंकि ईशान किशन झारखंड के लिए मध्य क्रम में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और ध्रुव जुरेल ने भी घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा शतक जड़ा है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहचान टीम संयोजन के आधार पर खिलाड़ियों के चयन की है। टीम संयोजन के कारण ही उन्होंने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए संजू सैमसन और किशन जैसे सलामी बल्लेबाजों को चुना है। वनडे प्रारूप में टीम को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले विकेटकीपर की जरूरत है। ऐसा विकेटकीपर जो पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहज हो। इसमें कोई शक नहीं कि प्रभाव के मामले में पंत किशन और जुरेल से कही बेहतर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में गुवाहाटी टेस्ट में उनके शॉट चयन ने न तो मुख्य कोच और न ही चयन समिति को प्रभावित किया।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू तीन मैचों की शृंखला के लिए तेज गेंदबाजों का चयन है। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने की संभावना है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता अन्य दो तेज गेंदबाजों (हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह) को भी आराम देते हैं। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई शृंखला में हिस्सा लिया था। सिराज को परिस्थितियों के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नहीं चुना गया था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेशी शृंखला में टीम का हिस्सा थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू शृंखला के लिए उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी के पहले चार चरण में भी नहीं खेला है, लेकिन हो सकता है कि वह हैदराबाद के लिए अंतिम तीन चरण में से दो में खेलें। पिछले वनडे विश्व कप तक नियमित रूप से टीम का हिस्सा रहने के बाद उन्हें 50 ओवर के प्रारूप से बाहर रखना समझ से परे है।

- शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की
- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में शामिल खिलाड़ियों में अधिक बदलाव की संभावना नहीं

मोहम्मद शमी का बीत चुका है समय

मोहम्मद शमी की बात करें तो वह चोट से वापसी के बाद बंगाल के लिए सभी प्रारूपों में खेल रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिहाज से उनका समय अब बीत चुका है। शमी और चयन समिति के बीच संवाद भी विशेष रूप से स्पष्ट नहीं रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से दो मुख्य दावेदार सरफराज खान (नंबर चार पर बल्लेबाजी) और देवदत्त पडिक्कल (सलामी बल्लेबाज) हैं। शुभमन गिल, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की टीम में जगह पक्की होने के कारण पडिक्कल को मौका देना मुश्किल होगा। सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर रुतुराज गायकवाड़ पहले ही दावेदारों में उनसे आगे निकल चुके हैं।

बांग्लादेश में भारत खेलेगा वनडे और टी-20 सीरीज

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इस साल सितंबर में भारत की मेजबानी करेगा जिसमें दोनों टीम के बीच तीन मैच की वनडे और तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला खेली जाएगी। हालांकि मौजूदा हालात में बांग्लादेश में स्थिर सरकार नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए सहमति देगा या नहीं।

बीसीबी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार वनडे मुकाबले एक, तीन और छह सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच 9, 12 और 13 सितंबर को होंगे। भारतीय टीम सीमित ओवरों की इस शृंखला के लिए 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। भारत का पिछले साल जुलाई में बांग्लादेश का दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की शृंखला को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले जुलाई जारी अपने बयान में कहा था बीसीबी और बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में प्रस्तावित बांग्लादेश और भारत के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सफेद गेंद की शृंखला को सितंबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। बयान में आगे कहा गया यह फैसला दोनों बोर्ड के बीच चर्चा के बाद लिया गया है जिसमें दोनों टीम की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा बीसीबी सितंबर 2026 में इस शृंखला के लिए भारत का स्वागत करना चाहता है। कार्यक्रम की घोषणा समय आने पर की जाएगी।

- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कार्यक्रम की घोषणा की
- बीसीसीआई सहमति देगा या नहीं ये अभी स्पष्ट नहीं

बीसीबी का दावा

01, 03 और 06 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

09, 12 और 13 सितंबर को होंगे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच

28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी भारतीय टीम

मोदी करेंगे वॉलीबॉल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी। वाराणसी के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चार जनवरी (रविवार) से 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप आयोजित की जाएगी। यह पहला मौका है, जब धार्मिक नगरी राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी कर रही है। इस आठ दिवसीय चैम्पियनशिप में महिला व पुरुष वर्ग की कुल 73 टीमों के 1250 से अधिक खिलाड़ी, कोच और तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

यूपी की पुरुष वॉलीबॉल टीम।

यूपी की पुरुष टीम : सूर्यांश तोमर (यूपी पुलिस), पुनीत (एसएसबी), कुश सिंह (यूपी पुलिस), आदित्य राणा (सहारनपुर), रूपेश (गाजीपुर), अभिषेक मिश्र (वाराणसी), मो. सईद (आजमगढ़), श्रेयांश सिंह (यूपी पुलिस), अमन हल्दर (पीलीभीत), रजनीश सिंह (आजमगढ़), नैय्यब चौधरी (मुजफ्फरनगर), अब्दुल समीर खान (पीलीभीत), पृथ्वीराज सिंह (रायबरेली) व शक्ति सिंह (गोरखपुर)।
यूपी महिला टीम : अग्रिमा त्रिपाठी (यूपी पुलिस), आर्या दास ई. व ज्योति (दोनों एसएसबी), खुशबू गुप्ता (यूपी पुलिस), काजल देवी (एसएसबीस), प्रियंका व ईशा (दोनों यूपी पुलिस), सीएच रजिता (एसएसबी), श्रेया त्रिपाठी (प्रयागराज), मैनावती व तनीषा फोगाट (दोनों यूपी पुलिस), नीतू (एसएसबी), जान्ह्वी सिंह (सुल्तानपुर) व शैली (यूपी पुलिस)।

रांची रॉयल्स ने सूरमा को हराया

रांची। रुतुजा दादासो पिसल और साक्षी राणा के गोल की बदौलत रांची रॉयल्स ने शुक्रवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) मैच में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 2-0 से हरा दिया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों की रक्षापंक्ति ने मजबूत खेल का प्रदर्शन किया। पहले हॉफ के कुछ ही सेकंड पहले एगोस्टिना अलोंसो ने मिडफील्ड से सर्कल में एक जोरदार पास दिया और रुतुजा (30वें मिनट) ने नेट में डालकर गोल कर दिया। रांची की टीम ने 54वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर ली।

बॉल के लिए संघर्ष करतीं सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स की खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी के साथ रिकॉर्ड बनाएंगी वीनस

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स पांच साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से दो सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उपविजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं।

इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।
-वीनस विलियम्स

नई जिम्मेदारी | पिछले मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की लेंगे जगह, जिन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और मनमाने रवैये के कारण दिया था इस्तीफा

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन फिर बने महिला हॉकी टीम के कोच

नई दिल्ली, एजेंसी

नीदरलैंड्स के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी।

मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। इसके पांच साल बाद फिर से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

- **51** वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक जुड़े रहे भारतीय टीम से
- **10** शीर्ष रैंकिंग में शामिल हुआ था भारत पिछले कार्यकाल में
- **1997** में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर ने

भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन की टीम में अपार साख थी और उन्हें एक ऐसी एकजुट टीम बनाने का श्रेय दिया जाता था जहां खिलाड़ी एक-दूसरे की सफलता में खुशी मानते थे। उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए टोक्यो ओलंपिक खेलों के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था।

उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। लोम्बार्ड को अपने कार्य में रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय टीम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए और उसे बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा क्योंकि चोट से जूझ रही कप्तान रानी रामपाल, वंदना कटारिया और दीप ग्रेस एक्का जैसी प्रमुख खिलाड़ियों ने खेल से संन्यास ले लिया। महिला टीम 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही।

पहली चुनौती होगी महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि साई के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया।